



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 79] प्रयागराज, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025 ई० (चैत्र 29, 1947 शक संवत्) [संख्या 16

### विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य		रु०			रु०
भाग 1— विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	163—188	3075	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश	...	975
भाग 1—क— नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	397—402	1500	भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये (ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट क—भारतीय संसद के ऐक्ट	...	975
भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय			भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		
भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण	...	975	भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	...	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	25—42	975	भाग 8—नगरपालिका परिषद्, नगर पंचायत, सरकारी कागज-पत्र, दवाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	509—575	975
भाग 4— निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश		975	स्टोर्स—पर्चेज विभाग का क्रोड़ पत्र	...	1425

**भाग 1**

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

**चिकित्सा विभाग**

अनुभाग-3

कार्यालय ज्ञाप

18 अक्टूबर, 2024 ई0

सं0 2714/चि0-3-2024-प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (मनोरोग विशेषज्ञ) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करती हुए उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं-

1- सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6- नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे-

(1) दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2) उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3) ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4) गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)– चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)– एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)– मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2– प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

**कार्यालय ज्ञाप सं0-2714/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची**

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/ पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	55000050768	5	डा0 नीतिका सिंह पुत्री श्री नरेन्द्र सिंह	मनोरोग	UR/ SC/ FEM	नई बस्ती बी0-23 म0नं0-231 गुरुद्वारा रोड बिजनौर उत्तर प्रदेश- 246701	नई बस्ती बी0-23 म0नं0-231 गुरुद्वारा रोड बिजनौर उत्तर प्रदेश-246701	जिला चिकित्सालय, मथुरा
2-	55000062417	7	डा0 टीना बंसल पुत्री श्री अभय बंसल	मनोरोग	UR/GEN/ FEM	370ए साउथ भोपा रोड सोसाईटी लेन मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश- 251001	502 सॉईटेक ग्रेस अपार्टमेन्ट, डालीगंज, लखनऊ- 226020	जिला चिकित्सालय, बदायूँ
3-	55000062958	8	डा0 सुमित मोदी पुत्र श्री ओम प्राक्स मोदी	मनोरोग	GEN as EWS	120 रानी बाजार बरगौंव, गोण्डा उत्तर प्रदेश	502 सॉईटेक ग्रेस अपार्टमेन्ट, डालीगंज, लखनऊ- 226020	जिला संयुक्त चिकित्सालय, श्रावस्ती
4-	55000005412	15	डा0 अनुपम सिंह यादव पुत्र श्री अरुण कुमार यादव	मनोरोग	OBC	कठारी बाग, विद्या नगर, नीलमथा, लखनऊ	कठारी बाग, विद्या नगर, नीलमथा, लखनऊ	जिला संयुक्त चिकित्सालय, गौरीगंज, अमेठी

सं0 2715/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (फॉरेन्सिक विशेषज्ञ) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुए उनके नाम के सम्मुख

उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक् से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

## कार्यालय ज्ञाप सं0-2715/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	55000059413	1	डा0 प्रवीन दीक्षित पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद	फोरेसिक	UR/ GEN	2/737/1141 नियर गोल्डेन हेल्थ क्लब, चम्पा विहार, न्यू सकेत कालोनी, चम्पा विहार, अलीगढ़ उत्तर प्रदेश- 202001	2/737/1141 नियर गोल्डेन हेल्थ क्लब, चम्पा विहार, न्यू सकेत कालोनी, चम्पा विहार, अलीगढ़ उत्तर प्रदेश- 202001	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एटा

सं0 2716/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (न्यूरो सर्जन) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुए उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा। परिवीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

#### कार्यालय ज्ञाप सं0-2716/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	55000039622	4	डा0 बृजेश कुमार मिश्रा पुत्र श्री जनार्दन मिश्रा	न्यूरो सर्जन	UR/GEN	ग्राम व पोस्ट बहलोगपुर, गोण्डा, उत्तर प्रदेश- 271002	रूम नं0-606 एच-2 हास्टल एम्प कैम्पस, रायबरेली, उत्तर प्रदेश	बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ

सं0 2717/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (जनरल फिजीशियन) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुए उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

## कार्यालय ज्ञाप सं०-2717/चि०-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र० सं०	रजि० क्र०	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	027514550000001	20	डा० राहुल सतीश कुमार सिंह पुत्र श्री सतीश कुमार रमा शंकर सिंह	जनरल फिजीशियन	UR/ GEN	टी०-18 सी० रोज गार्डन सिटी, गोधना, मुगलसराय, चन्दौली, उत्तर प्रदेश-232101	टी०-18 सी० रोज गार्डन सिटी, गोधना, मुगलसराय, चन्दौली, उत्तर प्रदेश-232101	अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय, जौनपुर
2-	009195550000001	22	डा० एकान्त पाण्डेय पुत्र श्री अरुण कुमार पाण्डेय	जनरल फिजीशियन	UR/ GEN	अरुण कुमार पाण्डेय 9 आमघाट कालोनी गाजीपुर, उत्तर प्रदेश-233001	अरुण कुमार पाण्डेय 9 आमघाट कालोनी गाजीपुर, उत्तर प्रदेश-233001	जिला संयुक्त चिकित्सालय चकिया, चन्दौली

सं० 2718/चि०-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ०प्र० चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ०प्र० लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु० 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु० 6,600/- चिकित्साधिकारी (पैथालॉजिस्ट) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुए उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ०प्र० सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी०सी०,



दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

#### कार्यालय ज्ञाप सं0-2718/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	009143550000024	9	डा0 अनामिका रावत पुत्री श्री दयानन्द सिंह रावत	पैथालॉजिस्ट	UR as EWS/ FEM	दयानन्द सिंह रावत ग्राम रामपुर पो0- गभाना, जनपद-अलीगढ़ उत्तर प्रदेश- 202136	दयानन्द सिंह रावत ग्राम रामपुर पो0-गभाना, जनपद- अलीगढ़ उत्तर प्रदेश- 202136	जिला संयुक्त चिकित्सालय, कासगंज

सं0 2719/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (चर्म रोग)

(लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुए उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा। परिवीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

## कार्यालय ज्ञाप सं0-2719/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	55000000675	4	डा0 अशोक कुमार मीना पुत्र श्री सत्य नारायण मीना	चर्मरोग	UR	ग्राम व पोस्ट राजकोट, तहसील देवली, जनपद-टांक, राजस्थान- 304802	ग्राम व पोस्ट राजकोट, तहसील देवली, जनपद-टांक, राजस्थान- 304802	जिला संयुक्त चिकित्सालय, वृन्दावन मथुरा

सं0 2720/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (ई0एन0टी0) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुए उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा। परिवीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

#### कार्यालय ज्ञाप सं0-2720/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	009179550000020	6	डा0 इन्द्र प्रकाश प्रजापति पुत्र श्री हरीराम प्रजापति	ई0एन0टी0	UR/ OBC	ग्राम पतार खास पो0 भेलारा सुल्तानपुर- 228161	ग्राम पतार खास पो0 भेलारा सुल्तानपुर- 228161	50 शैय्या युक्त चिकित्सालय, शिवसतपुर प्रतापगढ़
2-	55000007279	11	डा0 नितिन कुमार पुत्र श्री हरद्वारीलाल	ई0एन0टी0	UR as EWS	ग्राम बरहुवाँ, पो0 मल्लावाँ, तहसील- बिलग्राम, हरदोई उत्तर प्रदेश-241303	ग्राम बरहुवाँ, पो0 मल्लावाँ, तहसील- बिलग्राम, हरदोई उत्तर प्रदेश-241303	आर0एम0एल0 जिला चिकित्सालय, फर्रुखाबाद

सं0 2721/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (निश्चेतक) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुए उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

## कार्यालय ज्ञाप सं0-2721/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/ पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	0102175500000002	15	डा0 सर्वेश कुमार पाठक पुत्र श्री रवि प्रकाश पाठक	निश्चेतक	UR/ GEN	रवि प्रकाश पाठक, ग्राम प्यारेपुर पोस्ट कैलगढ, गोपालगंज, बिहार 841440	रवि प्रकाश पाठक, ग्राम प्यारेपुर पोस्ट कैलगढ, गोपालगंज, बिहार 841440	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कुशीनगर
2-	009180550000017	17	डा0 सत्य प्रकाश पाण्डेय पुत्र श्री राजमणि पाण्डेय	निश्चेतक	UR/ GEN	सत्य प्रकाश पाण्डेय 303 बरई पुरवा, सेमरियांवा, बहराईच, उ0प्र0 271871	सत्य प्रकाश पाण्डेय, रुम नं0 406 टाईप- 2, एस ब्लॉक, इटावा, उ0प्र0 206130	बी0आर0 अम्बेडकर जिला संयुक्त चिकित्सालय, इटावा
3-	55000017116	23	डा0 मुक्तेश सिंह पुत्र श्री अरुण प्रकाश सिंह	निश्चेतक	UR/ EWS	ग्राम व पोस्ट केदारनगर, तहसील-टाण्डा, अम्बेडकरनगर, उ0प्र0 224230	ग्राम व पोस्ट केदारनगर, तहसील-टाण्डा, अम्बेडकरनगर, उ0प्र0 224230	श्री राम चिकित्सालय, अयोध्या
4-	009145550000002	24	डा0 अरविन्द तोमर पुत्र श्री जयदेव सिंह तोमर	निश्चेतक	UR/ OBC	2290 पीली कोठी कैलाश नगर, मथुरा, उ0प्र0 281001	2290 पीली कोठी कैलाश नगर, मथुरा, उ0प्र0 281001	जिला चिकित्सालय, मैनपुरी
5-	55000010317	30	डा0 अंशुल पत्नी श्री आशीष तोमर	निश्चेतक	UR/ GEN/ FEM	डा0 आनन्द तोमर, गांधी रोड, तहसील बडौत, बागपत उ0प्र0 250611	डा0 आनन्द तोमर, गांधी रोड, तहसील बडौत, बागपत उ0प्र0 250611	जिला चिकित्सालय, मुरादाबाद
6-	009183550000020	32	डा0 अरुण कुमार गुप्ता पुत्र श्री राम चरन	निश्चेतक	UR/ GEN	राजेश गुप्ता 464 अफीम कोठी, सिविल लाइन, गोण्डा, उ0प्र0 271003	एच-1 बी, रुम नं0 410 एम्स कैम्पस, रायबरेली, उ0प्र0 229405	जिला चिकित्सालय, रायबरेली
7-	55000023524	46	डा0 स्वाती सैनी पुत्री श्री ईसम सिंह	निश्चेतक	UR/ OBC/ FEM	म0नं0-89 शकरपुर सकरोर, पो0- लखनौती सहारनपुर उत्तर प्रदेश- 247341	म0नं0-89 शकरपुर सकरोर, पो0- लखनौती सहारनपुर उत्तर प्रदेश- 247341	संयुक्त जिला चिकित्सालय, शामली

1	2	3	4	5	6	7	8	9
8-	55000054153	47	डा0 सोनाली गुप्ता पुत्री श्री सुनील गुप्ता	निश्चेतक	UR/ GEN/ FEM	ई0-132 3 फ्लोर कलकंजी न्यू दिल्ली- 110019	ई0-132 3 फ्लोर कलकंजी न्यू दिल्ली- 110019	एस0एस0 एम0जे0 चिकित्सालय खुर्जा, बुलन्दशहर
9-	009178550000008	55	डा0 अन्जुम कौसर पुत्री श्री मो0 फायक	निश्चेतक	UR/ OBC	मो0 फायक 219 सकरवाल ईस्ट टाण्डा, अम्बेडकर, उत्तर प्रदेश- 224190	मो0 फायक 219 सकरवाल ईस्ट टाण्डा, अम्बेडकर, उत्तर प्रदेश- 224190	रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय राजाजीपुरम्, लखनऊ
10-	009140550000068	58	डा0 अनुराधा जयन्त पुत्री श्री राम प्रसाद जयन्त	निश्चेतक	UR/ SC/ FEM	सी0-21 राज निवास शास्त्रीपुरम् नियर डी0पी0एस0 स्कूल आगरा, उत्तर प्रदेश 28007	सी0-21 राज निवास शास्त्रीपुरम् नियर डी0पी0एस0 स्कूल आगरा, उत्तर प्रदेश 28007	जिला संयुक्त चिकित्सालय, फिरोजाबाद
11-	0096845500 00007	69	डा0 पुनीत कुमार पुत्र श्री राकेश कुमार बारी	निश्चेतक	UR/ OBC	एफ-47 यू0पी0एस0 आई0डी0सी0 कालोनी इंटरस्टियल ऐरिया, अमेठी उत्तर प्रदेश- 227817	एफ-47 यू0पी0एस0 आई0डी0सी0 कालोनी इंटरस्टियल ऐरिया, अमेठी उत्तर प्रदेश- 227817	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अमेठी
12-	0091475500 00008	13	डा0 ज्योति पाल पुत्री श्री बच्चन लाल	निश्चेतक	UR/ GEN/ FEM	बच्चन लाल ग्राम नगला पुन्नो, एहतमादपुर, 10 फिरोजाबाद, उ0प्र0 283204	आस्था वर्मा हाउस, विक्रान्त खण्ड-1, लखनऊ उ0प्र0 226010	वीरांगना अवन्तीबाई महिला चिकित्सालय, लखनऊ
13-	0091595500 00002	36	डा0 स्नेहा गुप्ता पुत्री श्री राकेश चन्द्र गुप्ता	निश्चेतक	UR/ GEN/ FEM	राकेश चन्द्र गुप्ता 1/25 आवास विकास लोहियापुरम् बारहपुर, फतेहगढ़, फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश- 209625	राकेश चन्द्र गुप्ता 1/25 आवास विकास लोहियापुरम् बारहपुर, फतेहगढ़, फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश- 209625	यू0एच0एम0 जिला पुरुष चिकित्सालय, कानपुर नगर

सं0 2722/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (जनरल सर्जन) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुये उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम-19 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।



2- प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

**कार्यालय ज्ञाप सं0-2722/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची**

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/ पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	009197550000035	8	डा0 शेषनाथ पुत्र श्री राम किशुन पटेल	जनरल सर्जन	UR/ OBC	राम किशुन पटेल ग्राम- रसुलाहन, पो0- अकोरहा, जनपद- वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221209	राम किशुन पटेल ग्राम- रसुलाहन, पो0- अकोरहा, जनपद- वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221209	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र
2-	009198550000003	11	डा0 शिवम आलोक पुत्र श्री अशोका कुमार सिंह	जनरल सर्जन	UR/ GEN	अशोक कुमार सिंह डाक्टर्स कालोनी पश्चिम मोहाल, गोपीगंज, सन्तरविदास नगर, भदोही- 221303	अशोक कुमार सिंह डाक्टर्स कालोनी पश्चिम मोहाल, गोपीगंज, सन्तरविदास नगर, भदोही- 221303	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, भदोही
3-	020346550000001	23	डा0 प्रशान्त कुमार सिंह पुत्र श्री विजय कुमार सिंह	जनरल सर्जन	UR/ GEN	विजय सिंह ईट भट्ठा स्टेशन रोड नियर रेलवे ग्राउण्ड, नगर उन्तरी, जनपद- ग्रहवा, झारखण्ड- 822121	विजय सिंह ईट भट्ठा स्टेशन रोड नियर रेलवे ग्राउण्ड, नगर उन्तरी, जनपद- ग्रहवा, झारखण्ड- 822121	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी
4-	009188550000027	34	डा0 श्वेता पाठक पुत्री श्री अशोक कुमार पाठक	जनरल सर्जन	UR/ GEN/ FEM	12 सी गॉंधी नगर बिहाईण्ड एम0पी0 पॉलीटेक्निक कालेज, गोरखनाथ गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273017	12 सी गॉंधी नगर बिहाईण्ड एम0पी0 पॉलीटेक्निक कालेज, गोरखनाथ गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273017	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोरखपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
5-	009194550000022	43	डा० मूल चन्द्र पटेल पुत्र श्री दूध नाथ पटेल	जनरल सर्जन	UR/ OBC	स्व० दूधनाथ पटेल ग्राम जगदीशपुर, पो० रज्जूपुर, जनपद-जौनपुर उत्तर प्रदेश-222209	स्व० दूधनाथ पटेल ग्राम जगदीशपुर, पो० रज्जूपुर, जनपद-जौनपुर उत्तर प्रदेश-222209	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जौनपुर
6-	009161550000009	47	डा० अंशुल शाक्य पुत्र श्री बृज किशोर	जनरल सर्जन	UR/ OBC	म०न०-312 गली न०-इटावा, उत्तर प्रदेश-206001	द्वारा राजीव अग्रवाल, 37ए सिकन्दरा, आगरा, उत्तर प्रदेश-282007	जिला संयुक्त चिकित्सालय, फिरोजाबाद
7-	009190550000022	30	डा० आशा गोंड पुत्री श्री रामचीज	जनरल सर्जन	UR/ ST/ FEM	गुडडी गुडडा का नाका नियर रेडियन्ट स्कूल लस्कर ग्वालियर, मध्य प्रदेश-474001	गुडडी गुडडा का नाका नियर रेडियन्ट स्कूल लस्कर ग्वालियर, मध्य प्रदेश-474001	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, झाँसी
8-	009194550000018	9	डा० सुनील दुबे पुत्र श्री जय प्रकाश दूबे	जनरल सर्जन	UR/ GEN	घास मण्डी रोड पुरानी बाजार, आर० के० हास्पिटल, शाहगंज, जौनपुर, उत्तर प्रदेश-223101	घास मण्डी रोड पुरानी बाजार, आर० के० हास्पिटल, शाहगंज, जौनपुर, उत्तर प्रदेश-223101	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गाजीपुर
9-	009163550000010	46	डा० प्रतीक्षा गुप्ता पुत्री श्री राजेश गुप्ता	जनरल सर्जन	UR/ GEN/ FEM	बी-119 आवास विकास कालोनी, बिहाईण्ड एल०आई०सी० बिल्डिंग, बांदा, उत्तर प्रदेश-21001	बी-119 आवास विकास कालोनी, बिहाईण्ड एल०आई०सी० बिल्डिंग, बांदा, उत्तर प्रदेश-21001	जिला चिकित्सालय हमीरपुर

सं० 2723/चि०-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ०प्र० चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ०प्र० लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु० 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु० 6,600/- चिकित्साधिकारी (बालरोग विशेषज्ञ) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुये उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम 19 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा। परीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1)— दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)— उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)— ओथ एलीजियन्श का प्रमाण-पत्र।

(4)— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)— चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)— एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)— मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

## कार्यालय ज्ञाप सं0-2723/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	55000066282	1	डा0 शुभम अग्रवाल पुत्र श्री मनोज कुमार अग्रवाल	बालरोग	UR/GEN	म0नं0-75 गढवाली मोहल्ला नियर ललिता पार्क लक्ष्मीनगर दिल्ली-110092	म0नं0-75 गढवाली मोहल्ला नियर ललिता पार्क लक्ष्मीनगर दिल्ली-110092	जिला चिकित्सालय बदायूं
2-	55000044606	2	डा0 अबरार अहमद पुत्र श्री शकील अहमद	बालरोग	UR/OBC	21/638 मुमताज गंज, टाण्डा अम्बेडकरनगर, उत्तर प्रदेश- 224190	21/638 मुमताज गंज, टाण्डा अम्बेडकरनगर, उत्तर प्रदेश- 224190	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आजमगढ़
3-	55000026469	16	डा0 दीपिका मिश्रा पत्नी श्री सुनील कुमार	बालरोग	UR/GEN/ FEM	नगलापुरवा, पो0 बाघा, जिला बांदा, उत्तर प्रदेश	नगलापुरवा, पो0 बाघा, जिला बांदा, उत्तर प्रदेश	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बांदा
4-	55000005476	26	डा0 सोनाली सिंह पुत्री श्री अनिल कुमार सिंह	बालरोग	UR/GEN/ FEM	सिंह दवा केन्द्र, तेजपुर, मऊ उत्तर प्रदेश- 275101	रूम नं0-601 गौतमबुद्ध हास्टल, के0जी0एम0यू0, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ
5-	55000049619	28	डा0 राहुल जायसवाल पुत्र श्री राजकुमार जायसवाल	बालरोग	UR/OBC	म0नं0-297 ई श्यामकुंज कालोनी के सामने कौआबाग पुलिस चौकी सर्कुलर रोड नियर रेलवे कालोनी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश- 273012	म0नं0-297 ई श्यामकुंज कालोनी के सामने कौआबाग पुलिस चौकी सर्कुलर रोड नियर रेलवे कालोनी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश- 273012	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोरखपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
6-	55000029749	37	डा० अंकुर सिंह पुत्र श्री जगरूप सिंह	बालरोग	UR/GEN	बी० ब्लाक गोयल विहार, नियर सेन्ट थॉमस स्कूल, साउथ वेस्ट दिल्ली-110071	बी० ब्लाक गोयल विहार, नियर सेन्ट थॉमस स्कूल, साउथ वेस्ट दिल्ली-110071	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिजनौर
7-	55000016852	39	डा० आरती पुत्री श्री फूलेश्वर राम	बालरोग	UR/GEN/ FEM	ए -189 मंगलपुरी, फेस- 2 पालम कालोनी, न्यू दिल्ली-110045	ए -189 मंगलपुरी, फेस-2 पालम कालोनी, न्यू दिल्ली-110045	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर
8-	55000039853	43	डा० किशन सिंह राजावत पुत्र श्री नरेन्द्र राजावत	बालरोग	UR/GEN	ग्राम व पोस्ट- जैतपुरा माधी, तहसील-रौन, जिला-भिण्ड, मध्यप्रदेश- 477335	सिविल हॉस्पिटल, लहर, भिण्ड, मध्यप्रदेश	बी०आर० अम्बेडकर जिला संयुक्त चिकित्सालय, इटवा
9-	55000018407	45	डा० प्रवीण कुमार पुत्र श्री अमरेश चन्द्र	बालरोग	UR/GEN	4 / 290 विनीत खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश-226010	4 / 290 विनीत खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश-226010	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ
10-	55000058292	12	डा० सुकेश शर्मा पुत्र श्री रमाकान्त शर्मा	बालरोग	UR/GEN	33 कामिनी विहार, कर्मवीर, सुसवाही, वाराणसी, उत्तर प्रदेश- 221011	33 कामिनी विहार, कर्मवीर, सुसवाही, वाराणसी, उत्तर प्रदेश- 221011	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गाजीपुर
11-	55000036989	46	डा० अवधेश कुमार वर्मा पुत्र श्री ठाकुरदीन वर्मा	बालरोग	UR/GEN	ग्राम माधवपुर, पो०-बंदनडीह, जनपद- अम्बेडकरनगर- 224168	कमला प्रसाद वर्मा ए -4 एकता नगर, एस०जी० पी०जी०आई० लखनऊ उत्तर प्रदेश-226014	100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, बीघापुर उन्नाव

सं0 2724/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (स्त्रीरोग विशेषज्ञ) (लेवल-2) के पद पर निम्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुये उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम-19 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा। परिवीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

4— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6— नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

(1) दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2) उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3) ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4) गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5) चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6) एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7) मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2— प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

## कार्यालय ज्ञाप सं0-2724/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/ पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र-व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	009188550000068	13	डा0 नीतिका पाण्डेय पुत्री श्री नरेन्द्र नाथ पाण्डेय	स्त्रीरोग	UR/ GEN/ FEM	द्वारा नरेन्द्र नाथ पाण्डेय बी- 246सी बी ब्लॉक गली नं0-10, वेस्ट दिल्ली- 110059	द्वारा नरेन्द्र नाथ पाण्डेय बी-246सी बी ब्लॉक गली नं0-10, वेस्ट दिल्ली-110059	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुरादाबाद
2-	009194550000036	27	डा0 अंशू पुत्री श्री कमला प्रसाद	स्त्रीरोग	UR/ OBC/ FEM	शैलेश कुमार यादव, दिलावरपुर वाराणसी रोड जौनपुर, उ0प्र0- 222161	शैलेश कुमार यादव, दिलावरपुर वाराणसी रोड जौनपुर, उ0प्र0- 222161	जिला महिला चिकित्सालय, झांसी
3-	009191550000013	39	डा0 अनीता सिंह पुत्री श्री प्रेमचन्द	स्त्रीरोग	UR/ GEN/ FEM	अनीता सिंह, 64 बसीरपुर पोस्ट- गुड्डूपुर आजमगढ़, उ0प्र0-276121	अनीता सिंह, 64 बसीरपुर पोस्ट-गुड्डूपुर आजमगढ़, उ0प्र0-276121	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आजमगढ़
4-	009156550000007	42	डा0 अंजली वर्मा पुत्री श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा	स्त्रीरोग	UR/ OBC/ FEM	राजेन्द्र वर्मा, 91 आदर्श नगर अपोजिट जिला अस्पताल उन्नाव, उ0प्र0- 209801	राजेन्द्र वर्मा, 91 आदर्श नगर अपोजिट जिला अस्पताल उन्नाव, उ0प्र0- 209801	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उन्नाव
5-	009177550000025	43	डा0 ज्योत्सना द्विवेदी पुत्री श्री जे0पी0 द्विवेदी	स्त्रीरोग	UR/ GEN/ FEM	अभिषेक कुमार दुबे, 2 मनोरथपुर दुबौली, सिरही बाजार गोसाई आजमगढ़, उ0प्र0-276127	अभिषेक कुमार दुबे, 2 मनोरथपुर दुबौली, सिरही बाजार गोसाई आजमगढ़, उ0प्र0-276127	जिला महिला चिकित्सालय, आजमगढ़
6-	009164550000050	52	डा0 सुरभि खत्री पुत्री श्री प्रवीन कुमार खत्री	स्त्रीरोग	UR/ GEN/ FEM	127 / 401, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर नगर, उ0प्र0- 208014	127 / 401, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर नगर, उ0प्र0-208014	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर देहात

1	2	3	4	5	6	7	8	9
7-	009197550000025	59	डा0 अंजली पुत्री श्री राजेश कुमार	स्त्रीरोग	OBC/ FEM	राजेश कुमार, ग्राम-जगापट्टी पोस्ट-रामेश्वर, 14 वाराणसी, उ0प्र0-221405	राजेश कुमार, ग्राम-जगापट्टी पोस्ट-रामेश्वर, 14 वाराणसी, उ0प्र0-221405	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी
8-	009180550000015	22	डा0 शशि शुक्ला पुत्री श्री प्रद्युम्न कुमार शुक्ला	स्त्रीरोग	UR/ GEN/ FEM	प्रेम प्रकाश बाजपेई, ग्राम बाजपेई पुरवा पोस्ट-के0, जनपद-बहराइच उ0प्र0-271824	प्रेम प्रकाश बाजपेई, ग्राम बाजपेई पुरवा पोस्ट-के0, जनपद-बहराइच उ0प्र0-271824	एम0आई0के0 जिला महिला चिकित्सालय, बलरामपुर
9-	009184550000010	31	डा0 साक्षी पुत्री श्री मुरारी लाल	स्त्रीरोग	UR/ GEN/ FEM	म0नं0-27 सुभाष नगर, रेहरा बाजार उस्का बाजार, सिद्धार्थनगर, उ0प्र0-272208	म0नं0-2 नियर शिव मन्दिर प्रकाश विहार, लाल कुंआ, पोस्ट-कवीनगर, गाजियाबाद उ0प्र0-201002	जिला महिला चिकित्सालय, गाजियाबाद
10-	009157550000084	49	डा0 प्रियंका तिवारी पुत्री श्री उमेश चन्द तिवारी	स्त्रीरोग	UR/ GEN/ FEM	उमेश चन्द तिवारी, 569च 664-ए, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226005	उमेश चन्द तिवारी, 569च 664-ए, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226005	100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, बीघापुर उन्नाव

सं0 2725/चि0-3-2024—प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत उ0प्र0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 द्वारा संवर्ग के पदों पर चयन हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की संस्तुति के क्रम में प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे रु0 6,600/- चिकित्साधिकारी (नेत्र रोग) (लेवल-2) के पद पर संलग्न सूची के अनुसार मौलिक रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुये उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित चिकित्सा इकाई एवं जनपद में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

1— सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2020 के नियम-19 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा। परिवीक्षा अवधि तथा सेवा नियमावली की शर्तें पूर्ण करने पर स्थायीकरण के सम्बन्ध में पृथक से विचार किया जायेगा।

2— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय चिकित्सा परिषद् द्वारा किया जायेगा और उक्त परिषद् द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया जायेगा। इस हेतु चिकित्साधिकारी अपने नियुक्ति पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से तत्काल सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।

3— सम्बन्धित चिकित्साधिकारी संलग्न प्रारूप पर चरित्र प्राग्वृत्त के सम्बन्ध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि इस सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आता है, तो उनकी सेवायें तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।



4- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राईवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या-248/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97, दिनांक 01 फरवरी, 2003 एवं पुनः संशोधित शासनादेश संख्या-2746/सेक-2-पांच-2003-7(55)/97टी0सी0, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

5- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित अवधि में अपने तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-7 में उल्लिखित समस्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि सम्बन्धित चिकित्साधिकारी विहित निर्धारित अवधि में तैनाती के जनपद में योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

6- नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7- सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे-

(1)- दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हो, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र (संलग्नक प्रारूप में)।

(2)- उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये स्थायी रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

(3)- ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

(4)- गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

(5)- चल अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

(6)- एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

(7)- मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र।

2- प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत मेरिट में निर्धारित ज्येष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

#### कार्यालय ज्ञाप सं0-2725/चि0-3-2024, दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 की तैनाती सूची

क्र0 सं0	रजि0 क्र0	मुख्य सूची क्रमांक	नाम/पिता/ पति का नाम	विशेषज्ञता	श्रेणी	गृह जनपद का नाम	पत्र व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	009164550000086	3	डा0 रितु पुत्री श्री उमेश कुमार	नेत्ररोग	UR/ GEN/ FEM	उमेश कुमार, 127/445 डब्ल्यू0 ब्लाक, केशव नगर, कानपुर नगर, उ0प्र0-208014	उमेश कुमार, 127/445 डब्ल्यू0 ब्लाक, केशव नगर, कानपुर नगर, उ0प्र0-208014	50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, बकेवर, इटावा
2-	00917555000127	5	डा0 नेदा अहमदी पुत्री श्री मुस्ताक अहमद अन्सारी	नेत्ररोग	UR/ OBC/ FEM	मुस्ताक अहमद अन्सारी, 119ए /1/142ए/1 भारती भवन रोड मालवीय नगर, प्रयागराज, उ0प्र0-211003	मुस्ताक अहमद अन्सारी, 119ए /1/142ए/1 भारती भवन रोड मालवीय नगर, प्रयागराज, उ0प्र0-211003	जिला चिकित्सालय, रायबरेली

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3-	55000015835	8	डा0 स्नेहा रंजन पत्नी श्री श्रीकान्त	नेत्ररोग	UR/ SC/ FEM	प्रभाकर नगर, बबेरू, जनपद बांदा, उ0प्र0	117/एन-19 एवन मार्केट, काकादेव कानपुर नगर, उ0प्र0	जिला चिकित्सालय, महोबा
4-	009197550000087	11	डा0 शिम्पा कुन्दन पुत्री श्री कुन्दन कुमार	नेत्ररोग	UR as EWS FEM	डा0 कुन्दन कुमार, 602ए, कामधेनु अपार्टमेन्ट, पन्डी वाराणसी, उत्तर प्रदेश 221005	बी 30 जी0 1, बी0 ब्लाक, दिलशाद गार्डन, ईस्ट दिल्ली- 110095	100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, बैरमपुर, प्रतापगढ़
5-	55000027274	13	डा0 अलीशा अंजुम पुत्री श्री श्रीपाल सिंह	नेत्ररोग	SC/ FEM	भदसारी गॉव पोस्ट गोपालपुर, नेहनगर, ठेकमा, लालगंज आजमगढ़ उत्तर प्रदेश-276202	एस0आर0 हास्टल रूम नं0-एफ0-5 गवरमेन्ट मेडिकल कालेज, आजमगढ़	जिला चिकित्सालय, बलिया
6-	009157550000220	16	डा0 जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री बुद्धा लाल	नेत्ररोग	SC	132 ग्राम नवीनगर पो0- मलिहाबाद, लखनऊ उत्तर प्रदेश-227111	132 ग्राम नवीनगर पो0- मलिहाबाद, लखनऊ उत्तर प्रदेश-227111	100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, कुमारगंज, अयोध्या
7-	009185550000030	10	डा0 मयंक पाण्डेय पुत्र श्री राम विलास पाण्डेय	नेत्ररोग	UR as EWS	राम विलास पाण्डेय, विलासपुरम, कटरा बाईपास रोड नियर मूरघाट चौराहा, बस्ती उ0प्र0- 272001	राम विलास पाण्डेय, विलासपुरम, कटरा बाईपास रोड नियर मूरघाट चौराहा, बस्ती उ0प्र0- 272001	जिला चिकित्सालय, बाराबंकी

आज्ञा से,  
शिव सहाय अवस्थी,  
विशेष सचिव।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025 ई० (चैत्र 29, 1947 शक संवत्)

### भाग 1-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

जनता के प्रयोजनार्थ, भूमि नियोजन की विज्ञप्ति  
कार्यालय, जिलाधिकारी, चित्रकूट

### प्रारूप-18

[नियम-20 का उपनियम (2)]  
(अधिनियम की धारा-11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)  
अधिसूचना

04 मार्च, 2025 ई०

भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता  
का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की अधिसूचना

सं० 620/आठ-वि०भू०अ०अ०/बांदा-भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की उपधारा-1 के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के प्रयोजन हेतु) अन्तर्गत कलेक्टर चित्रकूट की राय है कि जनपद चित्रकूट में अन्तर्राष्ट्रीय/अन्तर्राज्यीय बहुदेशीय हब परियोजना के निर्माण हेतु ग्राम-गढ़ीवा तहसील कर्वी की कुल रकबा-3.142 हे० कृषक भूमि की आवश्यकता है।

2-राज्य सामाजिक समाघात निर्धारण एजेन्सी एग्रिमा द्वारा सामाजिक समाघात निर्धारण सम्बन्धी अध्ययन किया गया है तथा समुचित सरकार को अपनी संस्तुतियां प्रस्तुत की गयी हैं, जिसे समुचित सरकार द्वारा दिनांक 19 अक्टूबर, 2024 को अनुमोदित किया गया है।

**3—सामाजिक समाघात निर्धारण का सारांश इस प्रकार है—**

(क) प्रस्तावित अर्जन की जाने वाली भूमि एक विधिसम्मत और सद्भाविक लोक प्रयोजन है, जिसके कारण चिन्हित भूमि का अर्जन किया जाना आवश्यक हो गया है।

(ख) इस परियोजना के फलस्वरूप प्रभावित ग्राम के कृषि योग्य क्षेत्रफल में कमी आना स्वभाविक है, किन्तु प्रभावित कृषकों एल0ए0आर0आर0 एक्ट 2013 के नियमों के अनुसार प्रतिकर मिलने की स्थिति में प्राप्त धनराशि से अवशेष जोत का उन्नयन फार्म मशीनरी में वृद्धि एवं सिंचाई के साधनों के विकास फलस्वरूप उत्पादन में आने वाली कमी को निश्चित रूप से पूर्ण किया जा सकता है।

(ग) परियोजना ग्राम के सम्पूर्ण अथवा अधिकांश भाग को प्रभावित नहीं कर रही है।

(घ) इस परियोजना से सम्भावित लाभ, सामाजिक खर्च एवं प्रतिकूल सामाजिक समाघातों की तुलना में कहीं अधिक है। परियोजना के लिये आवश्यक कुल भूमि के सापेक्ष प्रश्नगत अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि अत्यन्त कम है। परियोजना से लोक प्रयोजन का उद्देश्य पूरा होता है।

(ङ) इस जनपद में हब के निर्माण से क्षेत्र के विकास में अधिक सुगमता आयेगी।

**4—भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।**

**5—अतः** राज्यपाल जनपद चित्रकूट में अन्तर्राष्ट्रीय/अन्तर्राज्यीय बहुदेशीय हब परियोजना के निर्माण हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिए सहर्ष सहमति देते हैं।

**अनुसूची**

जनपद	तहसील	ग्राम	गाटा संख्या	अर्जित किया जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5
				हेक्टेयर
चित्रकूट	कर्वी	गढ़ीवा	224मि	0.245
			224मि	0.244
			228	0.020
			229	0.020
			230	0.085
			266	0.425
			267अमि	0.820

1	2	3	4	5
				हेक्टेयर
चित्रकूट	कर्वी	गढ़ीवा	269	0.798
			267ब	0.061
			277मि	0.035
			225	0.299
			270	0.09
			योग . .	3.142

6-अधिनियम की धारा-12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानिक भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिए तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिए समतलीकरण, खुदायी करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियायें करने के लिए राज्यपाल कलेक्टर को प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

7-अधिनियम की धारा-15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति, जिसका हित भूमि में निहित हो, अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8-अधिनियम की धारा-11(4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का सव्यवहार यथा विक्रय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

**टिप्पणी**—उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, कर्वी जनपद चित्रकूट तथा कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी बाँदा में देखा जा सकता है।

(ह0) अस्पष्ट  
जिला कलेक्टर,  
चित्रकूट।

**OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE CHITRAKOOT**

Declaration by Appropriate Government/Collector

Form-18

[Sub-rule (2) of Rule 20]

(Under Sub-section (1) of Section 11 of the Act)

**NOTIFICATION***March 4, 2025***Notification of Section 11 of the Right to Fair Compensation and Transparency  
in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act 2013**

No. 620/VIII-S.L.A.O./Banda--Under Sub-section (1) of section 11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, the opinion of Collector Chitrakoot under Uttar Pradesh Government/Collector (for the purpose of appropriate government) is that For the construction of international/Interstate Multi-Country Hub Project in Chitrakoot District, Total area of 3.142 hectares of agricultural land of Village-Gadhiwa, Tehsil-Karwi is required.

2. A study related to social impact assessment has been conducted by the state social impact assessment agency Agrima and its recommendations have been presented to the appropriate government, which has been approved by the appropriate government on 19.10.2024.

3. The summary of social impact assessment is as follows-

(i) The land proposed to be acquired is for a lawful and *bona fide* public purpose, due to which it has become necessary to acquire the identified land.

(ii) As a result of this project, it is natural that the cultivable area of the affected Village will decrease, but in case the affected farmers get compensation as per the rules of LARR Act, 2013, the shortfall in production resulting from upgradation of residual land holding, increase in farm machinery and development of irrigation means can definitely be compensated with the amount received.

(iii) The project is not affecting the entire or most part of the Village.

(iv) The potential benefits from this project far outweigh the social costs and adverse social impacts. The land proposed for the acquisition in question is very less in relation to the Total land required for the project. The project serves the purpose of public purpose.

(v) The construction of a hub in this District will bring greater ease in the development of the area.

4. No family is being displaced due to land acquisition.

5. Therefore, the Governor gladly gives consent to notify the land mentioned in the following schedule for general information for the construction of International/Interstate Multinational Hub Project in Chitrakoot District.

**SCHEDULE**

District	Tehsil	Village	Plot No.	Area to be acquired
				<i>Hectare</i>
Chitrakoot	Karwi	Gadhiwa	224 Mi.	0.245
Do.	Do.	Do.	224 Mi.	0.244
Do.	Do.	Do.	228	0.020
Do.	Do.	Do.	229	0.020
Do.	Do.	Do.	230	0.085
Do.	Do.	Do.	266	0.425
Do.	Do.	Do.	267a Mi.	0.820
Do.	Do.	Do.	269	0.798
Do.	Do.	Do.	267b	0.061
Do.	Do.	Do.	277 Mi.	0.035
Do.	Do.	Do.	225	0.299
Do.	Do.	Do.	270	0.090
<b>Total . .</b>				<b>3.142</b>

6. To take necessary steps for the purpose of land acquisition as specified Under Section 12 of the Act and for survey of land, leveling for any land, digging and The Governor gives instructions to authorize the Collector to take all necessary actions for proper implementation of the work.

7. Under Section 15 of the Act, any person who has interest in land can submit an objection in writing to the Collector against the acquisition of land in his area within 60 days of the publication of the notification.

8. Under Section 11(4) of the Act, from the date of publication of the notification till the completion of the land acquisition process, no person can deal with the land specified in the preliminary notification like sale/purchase or create any encumbrance on that land without the prior approval of the Collector.

**NOTE :** The topological map of the said land can be seen in the Office of the Executive Engineer, Provincial Division, Public Works Department, Karwi District, Chitrakoot and the office of the Special Land Acquisition Officer, Banda.

(Sd.) ILLEGIBLE,  
Collector, Chitrakoot.

**जनता के प्रयोजनार्थ भूमि की विज्ञप्तियां****हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि०**

नियम-27 का उपनियम (1)

समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा घोषणा

(अधिनियम की धारा-19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)

**शुद्धि-पत्र**

16 अप्रैल, 2025 ई०

सं० 667/आठ-वि०भू०अ०अ० (सं०सं०) वाराणसी-सरकारी गजट उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा खण्ड-79 प्रयागराज शनिवार, 08 फरवरी, 2025 को प्रकाशित जनपद चन्दौली में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि० मुगलसराय, के पी०ओ०एल० डिपो के विस्तार हेतु ग्राम-सरेसर, परगना-मवई, तहसील-पं०दी०द०उपा० नगर की रकबा-4.9552 हे० भूमि में धारा-19 (1) की अधिसूचना संख्या-61/आठ-वि०भू०अ०अ०(सं०सं०) वाराणसी दिनांक 13 जनवरी, 2025 की अनुसूची के कालम-5 में अंकित गाटा सं०-429 से सम्बन्धित कालम-6 में प्रकाशित रकबा-0.0214 के स्थान पर 0.214 पढ़ा जाय।

(ह०) अस्पष्ट,  
जिला कलेक्टर,  
चन्दौली।





# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, १९ अप्रैल, २०२५ ई० (चैत्र २९, १९४७ शक संवत्)

### भाग ३

स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड ग-निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ-जिला पंचायत।

### खण्ड-घ

### जिला पंचायत, बस्ती

पूर्व में प्रचलित उपविधि में नये व्यवसाय को सम्मिलित करने का प्रस्ताव

६ फरवरी, २०२५ ई०

सं० ७५९/तेईस-०८(२०२३-२४)-उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत, अधिनियम, १९६१ की धारा-२३९ (२) में दी गयी व्यवस्थानुसार जिला पंचायत बस्ती द्वारा जनपद बस्ती के ग्रामीण क्षेत्रों में किसी स्थान अथवा सार्वजनिक सड़क पर किसी प्रकार की दुकान को नियमित एवं नियंत्रित करने हेतु उपविधि संख्या २५५९-६२/तेईस-०७/२०१०-१० उत्तर प्रदेश गजट १८ अगस्त, २०१२ ई० में बनायी गयी थी, जिसके क्रम में पूर्व प्रचलित उपविधि में विभिन्न प्रकार के (३६) नये व्यवसायों के लाइसेन्स शुल्क लगाये जाने हेतु प्रस्ताव जिला पंचायत बस्ती के बोर्ड की बैठक दिनांक १२ मार्च, २०२४ प्रस्ताव संख्या-११ द्वारा पारित किया गया है।

### नये व्यवसाय को उपविधि में सम्मिलित किये जाने क विवरण

क्र०सं०	मद/व्यवसाय का नाम	प्रस्तावित दर
१	२	३
		रु०
१	यूरिया पम्प	१०००.००
२	मैरिज हाल/लाउन्ज	५०००.००
३	तीन पहिया वाहन एजेन्सी	५०००.००
४	होटल/लाउन्ज विश्राम गृह	५०००.००

1	2	3
		रु0
5	रेस्टोरेन्ट	5000.00
6	ढाबा	3000.00
7	गोदाम	2000.00
8	बेकरी	1000.00
9	ड्राई क्लीनर	1500.00
10	मोबाइल शाप	300.00
11	एल्युमिनियम फर्नीचर/स्टील फर्नीचर	2000.00
12	इलेक्ट्रानिक दुकान/इलेक्ट्रिक की दुकान प्रत्येक पर	500.00
13	फ्रीज, कूलर, वाशिंग मशीन प्रत्येक पर	1000.00
14	अल्मीरा	1000.00
15	बर्फ कारखाना	1000.00
16	आइसक्रीम फैक्ट्री	1000.00
17	कपड़े की छोटी दुकान	500.00
18	कपड़े की बड़ी दुकान	1000.00
19	मार्बल/टाइल्स	2000.00
20	हेयर कटिंग सैलून	300.00
21	मसाला का कारखाना	1000.00
22	कबाड़ की दुकान	1000.00
23	आटोपार्ट्स की दुकान	1000.00
24	वाहनों की मरम्मत	2000.00
25	ट्राली निर्माण कार्य	2000.00
26	हेल्थ सेंटर/जिम	2000.00
27	ऑप्टिकल्स/चश्मे की दुकान	500.00
28	धर्मकांटा	2000.00
29	मिठाई बनाने का कारखाना	2000.00
30	मोबाइल तेल स्पेलर	500.00
31	डेयरी (दुग्ध) उत्पादक/खोया बिक्रेता	1000.00
32	कार श्रृंगार की दुकान	1000.00

1	2	3
		रु०
33	ट्रक बाड़ी मरम्मत	3000.00
34	अण्डा थोक की दुकान	500.00
35	पशु आहार	500.00
36	अन्य प्रकार की दुकानें	500.00

उपरोक्त प्रस्तुत विवरण व उक्त उपविधि में विलम्ब शुल्क एवं दण्ड का प्राविधान पूर्व में लागू उपविधि के अनुसार यथावत रहेगा।

अखिलेश सिंह,  
आयुक्त,  
बस्ती मण्डल, बस्ती।

## जिला पंचायत, अयोध्या

### खनन परिवहन शुल्क संग्रहण हेतु संशोधित उपविधि

29 मार्च, 2025 ई०

सं० स्था०नि०सहा०/इक्कीस-1(2024-25)/2029-उ०प्र० क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत, अधिनियम, 1961 (यथा संशोधित) की धारा 142 एवं 143 के साथ पठित धारा-239 के अधीन दी गयी शक्ति का प्रयोग का जिला पंचायत, अयोध्या द्वारा जनपद अयोध्या अथवा अन्य जनपदों के ग्रामीण क्षेत्र की नदियों या उनके तट से बालू, मौरंग, रेत या अन्य खनिजों-गिट्टी, कोयला, बजरी, भस्सी या खारों से निकलने वाली मिट्टी आदि को लेने, एकत्रित करने तथा उसे जिले से बाहर व्यवसायिक उद्देश्य से परिवहन करने वाले शक्ति चालित वाहन या पशु चालित वाहन यथा ट्रैक्टर ट्रॉली, ट्रक, मिनी ट्रक, डम्पर, पशु गाड़ी या मानव चालित नौका को नियन्त्रित एवं विनियमित करने के उद्देश्य से पूर्व प्रचलित उपविधियों के स्थान पर संशोधित उपविधि पारित की गयी है। उक्त अधिनियम की धारा-242 (2) में दी गई व्यवस्था के अन्तर्गत मेरे द्वारा उक्त उपविधि की पुष्टि कर दी गयी है, जो सरकारी गजट के प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

### उपविधियां

1-यह उपविधि, जिला पंचायत, अयोध्या अथवा अन्य जनपदों के ग्रामीण क्षेत्र की नदियों या उनके तट से बालू, मौरंग, रेत, या अन्य खनिजों-गिट्टी, कोयला, बजरी, भस्सी या खारों से निकलने वाली मिट्टी को लेने, एकत्रित करने तथा उसे जिले से बाहर व्यवसायिक उद्देश्य से परिवहन करने वाले शक्ति चालित वाहन या पशु चालित वाहन तथा ट्रैक्टर ट्रॉली, ट्रक, मिनी ट्रक, डम्पर, पशु गाड़ी या मानव चालित नौका को नियन्त्रित एवं विनियमित करने की उपविधि कही जायेगी।

2-परिभाषायें – इन उपविधियों में –

2.1 अधिनियम का तात्पर्य उ०प्र० क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत, अधिनियम 1961 (यथा संशोधित) है।

2.2 जिला पंचायत, का तात्पर्य अधिनियम की धारा 17 (1) के अनुसार संगठित जिला पंचायत है।

2.3 ग्रामीण क्षेत्र का तात्पर्य अधिनियम की धारा 2(10) में परिभाषित ग्राम्य क्षेत्र से है।

2.4 अध्यक्ष का तात्पर्य अध्यक्ष जिला पंचायत, अयोध्या से है।

2.5 अपर मुख्य अधिकारी का तात्पर्य जिला पंचायत, अयोध्या के अपर मुख्य अधिकारी से है।

2.6 सार्वजनिक मार्ग का तात्पर्य उस सड़क, पुल, सामान्य मार्ग, रास्ते या स्थान से है, जिस पर होकर आने जाने का जन साधारण को विधि द्वारा प्रवर्तनीय अधिकारी प्राप्त हो और जो सरकार या स्थानीय प्राधिकारी जिसके अन्तर्गत ग्राम पंचायत, भी है, में निहित हो या उसके द्वारा अनुरक्षित हो।

2.7 नदी मार्ग का तात्पर्य प्राकृतिक नदी का आवागमन के लिए प्रयोग से है।

2.8 पशु गाड़ी का तात्पर्य बैल या भैंस या ऊंट या घोड़ा या खच्चर द्वारा खींचे जाने वाली गाड़ियों से है।

2.9 स्थान का तात्पर्य उस स्थान से है जो कि किसी सार्वजनिक मार्ग या नदी मार्ग पर शुल्क वसूली हेतु सुविधानुसार अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अयोध्या द्वारा नियत किया जाय।

3—यह उपविधियां ग्रामीण क्षेत्र की नदियों या उसके तट, नालों, पोखरों, मवेरीज आदि से खनिजों को लेने एकत्रित करने की व्यवसायिक दृष्टि से सार्वजनिक मार्ग/नदी मार्ग से खनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों के चालकों या मालिकों पर लागू होगी।

4—कोई भी व्यक्ति, कम्पनी पार्टनरशिप फर्म या संस्था आदि जनपद अयोध्या के ग्रामीण क्षेत्र या अन्य जनपद के ग्रामीण क्षेत्र की नदियों या उनके तट से बालू, मौरंग, रेत या अन्य खनिजों—गिट्टी, कोयला, बजरी, भस्सी, खारों से निकलने वाली गिट्टी को एकत्रित करने या श्रमिकों द्वारा एकत्रित कराकर व्यवसायिक उद्देश्य से सार्वजनिक सड़क या नदी मार्ग से परिवहन करने वाले शक्ति चालित वाहन या पशु चालित वाहन यथा ट्रैक्टर ट्रॉली, ट्रक, मिनी ट्रक, डम्पर, बैलगाड़ी, ऊंट गाड़ी, घोड़ा-गाड़ी या मानव चालित नौका से परिवहन करेगा तो उसको जिला पंचायत अयोध्या द्वारा निर्धारित शुल्क अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, अयोध्या द्वारा निर्धारित स्थल पर जिला पंचायत, अयोध्या द्वारा नियुक्त कार्मिक अथवा ठेकेदार को अदा करना होगा।

5—जिला पंचायत शुल्क वसूली अपने कर्मचारियों द्वारा या अपने ठेकेदार द्वारा करा सकती है। ठेके की अवधि सामान्यतः वित्तीय वर्ष की होगी जो किसी वर्ष की 01 अप्रैल, से प्रारम्भ होकर अनुवर्ती वर्ष के 31 मार्च, तक होगी।

6—जिला पंचायत, अयोध्या द्वारा लिये जाने वाले शुल्क की दरें निम्न प्रकार होगी :-

1. ट्रैक्टर द्वारा रु0 20.00 प्रति फेरा (प्रति ट्रैक्टर)
2. ट्रक (10 चक्के तक) द्वारा रु0 100.00 प्रति फेरा (प्रति ट्रक)
3. ट्रक बड़ा (10 चक्के से अधिक) द्वारा रु0 200.00 प्रति फेरा (प्रति ट्रक)

7—उपविधि द्वारा निर्धारित शुल्क में 5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी प्रत्येक 03 वर्ष के अन्तराल पर की जायेगी। जिस वित्तीय वर्ष में उपविधि लागू होगी गणना हेतु वह पूर्ण वित्तीय वर्ष माना जायेगा। बढ़ोत्तरी की गणना करने पर जो धनराशि आयेगी उसे दहाई के पूर्णांक में परिवर्तित कर दिया जायेगा।

8—यदि शुल्क वसूली का ठेका दिया जाना है तो खुली सार्वजनिक नीलामी या सील्ड टेण्डर पद्धति से दिया जायेगा जिसका प्रचार राष्ट्रीय स्तर के दो हिन्दी दैनिक प्रचलित समाचार-पत्रों (जिसकी प्रतियां सर्वाधिक प्रकाशित होती हों) में विज्ञप्ति प्रकाशित करके किया जायेगा तथा यह सूचना जनपद या राज्य सरकार या जिला पंचायत, की वेब साईट पर अपलोड की जायेगी। जिसके अधीन टेण्डर फार्म डाउनलोड करने की भी सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

9—ठेके में भाग लेने वाले व्यक्तियों को जिलाधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण-पत्र एवं हैसियत प्रमाण-पत्र जमा करना अनिवार्य होगा।

10—ठेके की धनराशि रु0 1 करोड़ तक होने की स्थिति में पूरी धनराशि एकमुश्त जमा करना अनिवार्य होगा। रु0 1 करोड़ से अधिक धनराशि की स्थिति में रु0 1 करोड़ की धनराशि तत्काल जमा की जायेगी इसके ऊपर की शेष धनराशि 2 समान किस्तों में जमा की जा सकती है। जिसकी प्रथम किस्त 30 जून, तक एवं द्वितीय किस्त

30 सितम्बर, तक जमा करनी होगी। किस्त जमा न करने पर ठेका निरस्त एवं जमा धनराशि जब्त हो जायेगी एवं पुनः ठेके छोड़ने में यदि जिला पंचायत, को कोई क्षति होती है तो उसकी वसूली ठेकेदार से भू-राजस्व की भांति वसूल की जायेगी।

11—ठेकेदार को ठेका स्वीकार होने पर निर्धारित मूल्य के स्टाम्प पर अनुबन्ध कराना अनिवार्य होगा।

12—जिला पंचायत, अयोध्या के अपर मुख्य अधिकारी के द्वारा अधिकृत कार्मिक/ठेकेदार द्वारा शुल्क प्राप्त करने के उपरान्त शुल्कदाता को जिला पंचायत, द्वारा उपलब्ध करायी गयी मुद्रित एवं क्रमांक युक्त सह हस्ताक्षरित रसीद देना अनिवार्य होगा। रसीद के प्रतिपण को जिला पंचायत, में वापस करना अनिवार्य होगा।

13—ठेकेदार वसूली स्थल पर सहज दृश्य स्थान पर एक 6 × 4 फुट का रेट बोर्ड कार्य प्रारम्भ करने से पहले लगाना अनिवार्य होगा।

14—इस रेटबोर्ड पर वसूली स्थल का नाम ठेकेदार का नाम व पता ठेके की अवधि एवं ठेकेदार का मोबाईल नम्बर लिखना अनिवार्य होगा।

15—ठेकेदार द्वारा वसूली में लगाये गये कार्मिकों को अपर मुख्य अधिकारी द्वारा एक फोटो युक्त पहचान-पत्र जारी कराया जायेगा जो कि उन कार्मिकों को प्रदर्शित करना होगा। शुल्क वसूली में लगाये कार्मिकों की सूची अपर मुख्य अधिकारी द्वारा सम्बन्धित पुलिस थाने को उपलब्ध करानी होगी।

16—शुल्क वसूली का कार्य ठेके पर किये जाने की दशा में ठेकेदार को रसीद वही रखनी होगी जिसको जिला पंचायत, अयोध्या के अपर मुख्य अधिकारी या उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी के मांगे जाने पर दिखाना अनिवार्य होगा।

17—ठेके की नीलामी एक 03 सदस्यीय नीलाम समिति द्वारा की जायेगी जिसमें अपर मुख्य अधिकारी, कार्य अधिकारी, अभियन्ता, कर अधिकारी, या वित्तीय परामर्शदाता अथवा जिलाधिकारी द्वारा नामित सदस्य होंगे।

18—ठेके स्वीकार करने का अधिकार नीलामी समिति की संस्तुति पर अध्यक्ष, जिला पंचायत, को होगा। यदि किसी प्रकरण में नीलाम समिति की संस्तुति एवं अध्यक्ष, जिला पंचायत, में मत भिन्नता है या नीलाम समिति की संस्तुति के प्राप्त होने के एक सप्ताह में निस्तारण नहीं होता है तो प्रकरण अपर मुख्य अधिकारी द्वारा मण्डलायुक्त को संदर्भित कर दिया जायेगा। जिनका निर्णय अन्तिम एवं बाध्यकारी होगी।

19—ठेके की अवधि में ठेके की शर्तों एवं उपविधि के अनुपालन की जांच जिला पंचायत, के अपर मुख्य अधिकारी, कार्य अधिकारी, अभियन्ता, कर अधिकारी एवं कर/राजस्व निरीक्षक द्वारा की जा सकेगी। जांच में प्रतिकूल तथ्य पाये जाने पर ठेकेदार से स्पष्टीकरण मांगा जायेगा तथा संतोषजनक स्पष्टीकरण न होने पर नीलाम समिति की संस्तुति पर अपर मुख्य अधिकारी द्वारा ठेका निरस्त करने की कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी तथा अन्तिम निर्णय अध्यक्ष, जिला पंचायत, का होगा, जो कि दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होगा।

20—गम्भीर अनियमितताओं की स्थिति में ठेका निरस्त किये जाने पर जमा धनराशि जब्त की जायेगी एवं पुनः ठेके किये जाने पर यदि जिला पंचायत, को आर्थिक कोई क्षति होती है। तो उसकी क्षतिपूर्ति ठेकेदार से भू-राजस्व की भांति वसूल की जायेगी।

21—वसूली स्थल पर अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अयोध्या के द्वारा सार्वजनिक मार्ग/नदी मार्ग पर ऐसे स्थान पर नियत किये जायेंगे जहां पर कि यातायात अवरुद्ध न हो। वसूली स्थल पर गाड़ियों को रोकने हेतु किसी प्रकार का बैरियर या रस्सी का प्रयोग नहीं किया जायेगा।

22—वसूली स्थल पर ठेकेदार की पर्याप्त सफाई, पेयजल, रोशनी की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा।

23—इन उपविधियों के अनुसार बालू, मौरंग, रेत या अन्य खनिजों-गिट्टी, कोयला, बजरी, भस्सी खारों से निकलने वाली मिट्टी के अभिवहन के समय मालिक/वाहन चालक/पशुगाड़ी/नाव चालक के द्वारा शुल्क न देने या जांच के समय प्रमाण स्वरूप शुल्क की रसीद न दिखाने पर ऐसा समझा जायेगा कि नियत शुल्क की अदायगी नहीं की गयी है और ऐसे व्यक्ति का वसूली हेतु नियत जिला पंचायत, अयोध्या के कार्मिक/ठेकेदार की आख्या पर चालान की कार्यवाही कर दी जायेगी।

24—जिला पंचायत, अयोध्या को इन उपविधियों के प्रभावी होने पर शुल्क की वसूली में से किसी विशेष वित्तीय वर्ष में कुल हुई आय का 15 प्रतिशत अंश अनुवर्ती वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग को एवं 05 प्रतिशत पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी कार्यों हेतु वन विभाग को हस्तान्तरित करना अनिवार्य होगा। एतदर्थ संबंधित विभाग अपनी कार्य योजना जिला पंचायत, अयोध्या को प्रस्तुत करेंगे तथा जिला पंचायत, अयोध्या द्वारा उपलब्ध करायी गयी धनराशि का उपभोग उसी वित्तीय वर्ष में करते हुए कार्यपूर्ति प्रमाण-पत्र उपलब्ध करायेंगे।

25—जिला पंचायत, अयोध्या को इस उपविधियों के प्रभावी होने पर शुल्क की वसूली में से किसी विशेष वित्तीय वर्ष में कुल हुई आय का 20 प्रतिशत अंश अनुवर्ती वित्तीय वर्ष में निर्धारित वसूली स्थल से संबंधित विकास खण्ड में जन विकास कार्यों में जिला पंचायत, द्वारा व्यय किया जायेगा।

#### दण्ड

26—जिला पंचायत, अयोध्या, उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत, अधिनियम, 1961 (यथासंशोधित) की धारा 240 के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निर्देश देती है। कोई भी व्यक्ति, पार्टनरशिप फर्म या संस्था इन उपविधियों को या उपविधि के किसी अंश का उल्लंघन करेगा/करेगी वह अर्थदण्ड से दण्डनीय होगा जो रु0 1,000 (एक हजार रुपये मात्र) तक हो सकेगा और जब ऐसा उल्लंघन जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थदण्ड से दण्डनीय होगा जो प्रथम दोष सिद्ध के पश्चात ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि उसमें अपराधी अपराध करता रहा है, रु0 50.00 (रुपया पचास मात्र) तक हो सकेगा अथवा यदि अर्थदण्ड का भुगतान न किया जाये तो कारावास से दण्डनीय होगा जो तीन मास तक हो सकेगा।

#### निरसन

इस उपविधि के प्रभावी होने के दिनांक से इस विषय से सम्बन्धित पूर्व में प्रचलित उपविधियां निरस्त हो जायेंगी।

### ईट-भट्ठा उपविधि संशोधन

29 मार्च, 2025 ई0

सं0 स्था0नि0सहा0/इक्कीस-1(2024-25)/2030—उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत, अधिनियम, 1961, जो उ0प्र0 पंचायत विधि “संशोधन” अधिनियम, 1994 द्वारा संशोधित है, की धारा 143 के साथ पठित धारा-239 “2” के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत द्वारा अपने नियंत्रणाधीन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ईट-भट्ठों के संचालन को नियंत्रित व विनियमित करने के उद्देश्य से प्रचलित उपविधि दिनांक 04 मई, 1993 ई0 दिनांक 04 मई, 1993 ई0 यथासंशोधित प्रकाशन तिथि मई, 2006 ई0 एवं प्रकाशन तिथि 10 अक्टूबर, 2020 को सरकारी गजट प्रकाशनोंपरान्त जिला पंचायत, अयोध्या में प्रभावी है। उक्त उपविधि में जिला पंचायत, अयोध्या की बैठक दिनांक 12 अप्रैल, 2023 के प्रस्ताव सं0-10 द्वारा उपविधि संशोधन पारित किया गया है। उक्त अधिनियम की धारा-242 “2” की व्यवस्था के अन्तर्गत मेरे द्वारा उक्त उपविधि संशोधन की पुष्टि कर दी गयी है, जो सरकारी गजट प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

#### प्रचलित ईट-भट्ठा उपविधि में संशोधन निम्नवत् है

क्र0 सं0	पूर्व स्वीकृति उपनियम	संशोधित/संयोजित उपनियम
01		संयोजित उपनियम-1(द)
		नवीन ईट-भट्ठों की स्थापना उ0प्र0 शासन पर्यावरण अनुभाग द्वारा अधिसूचित उ0प्र0 ईट-भट्ठा (स्थापना हेतु स्थल मापदण्ड) नियमावली, 2012 के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत ही किया जा सकेगा।

क्र० सं०	पूर्व स्वीकृति उपनियम	संशोधित/संयोजित उपनियम
02	01 अक्टूबर, से 30 अक्टूबर, तक नवीनीकरण कराने पर विलम्ब शुल्क रु० 300/-जमा कराना होगा। उसके पश्चात भी न लेने पर भट्टा मालिक के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की जायेगी।	संशोधित उपनियम-13 01 अक्टूबर, से 30 अक्टूबर, तक नवीनीकरण कराने पर रु० 500/-बिलम्ब शुल्क देय होगा, किन्तु उसके पश्चात भी नवीनीकरण/अनुज्ञा न लेने पर प्रतिमाह रु० 200/-अतिरिक्त बिलम्ब शुल्क भारित होगा तथा भट्टा मालिक के विरुद्ध चालान की कार्यवाही भी की जायेगी।
03		संयोजित उपनियम-15 ईट-भट्टा के स्थल चयन से पूर्व वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण प्राविधानों के अनुपालन 1961 के आज्ञापक प्रमाण-पत्र इसके संचालन से पूर्व प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा तथा इस सम्बन्ध में समय-समय पर प्रसारित शासनादेशों एवं उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों का अनिवार्यतः पालन कराने का दायित्व सम्बन्धित फर्म संस्था एवं व्यक्ति का होगा।

### मानचित्र पारण उपविधि की दरों में प्रस्तावित संशोधित/संयोजित

29 मार्च, 2025 ई०

सं० स्था०नि०सहा०/इक्कीस-1(2024-25)/2031-उ०प्र० क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1994 (यथा संशोधित) की धारा 143 के साथ पठित धारा-239 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, अयोध्या द्वारा अपने नियंत्रणाधीन जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में मानचित्र पारण उपविधि के संचालन को नियंत्रित एवं विनियमित करने के उद्देश्य से प्रचलित उपविधि जो दिनांक 11 जुलाई, 2020 ई० की भाग-3 खण्ड-घ, जिला पंचायत, अयोध्या में प्रकाशित होकर प्रभावी है। जिला पंचायत, अयोध्या की बैठक दिनांक 12 अप्रैल, 2023 के प्रस्ताव सं०-8 द्वारा उपविधि के भाग-“ठ” नक्शे स्वीकृति की दरें संशोधन हेतु पारित की गयी हैं। उक्त अधिनियम की धारा-242 “2” की व्यवस्था क अन्तर्गत मेरे द्वारा उक्त उपविधि की पुष्टि कर दी गयी है, जो सरकारी गजट प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

### मानचित्र पारण उपविधि की दरों में प्रस्तावित संशोधन निम्नवत् है

क्र० सं०	बिन्दु सं०	वर्तमान वर्णित दरें	संशोधित/प्रस्तावित दरें
01	भाग-ठ (क)	आवासीय एवं शैक्षणिक भवन, अयोध्या जनपद में दरें रु० 25.00 प्रति वर्ग मी० होगी।	आवासीय एवं शैक्षणिक भवन, अयोध्या जनपद में दरें रु० 50.00 प्रति वर्ग मी० होगी।
02	भाग-ठ (ख)	व्यवसायिक एवं व्यापारिक भवन, अयोध्या जनपद में दरें रु० 25.00 प्रति वर्ग मी० होगी।	व्यवसायिक एवं व्यापारिक भवन, अयोध्या जनपद में दरें रु० 100.00 प्रति वर्ग मी० होगी।
03	भाग-ठ (ग-4)	किसी परियोजना का ले-आउट (तलपट किसी परियोजना का ले-आउट (तलपट मानचित्र), अयोध्या जनपद में यह दर मानचित्र), अयोध्या जनपद में यह दर रु० 10.00 प्रति वर्ग मी० होगी।	25.00 प्रति वर्ग मी० होगी।
04	भाग-ठ (ण)	अयोध्या जनपद में बाउण्ड्रीवाल स्वीकृति की दरें रु० 05.00 प्रति वर्ग मी० होगी।	अयोध्या जनपद में बाउण्ड्रीवाल स्वीकृति की दरें रु० 10.00 प्रति वर्ग मी० होगी।

## कारखाना उपविधि में संशोधन

29 मार्च, 2025 ई०

सं० स्था०नि०सहा०/इक्कीस-1(2024-25)/2032-उ०प्र० क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत, अधिनियम, 1961 यथासंशोधित, 1994 की धारा-143 के साथ पठित धारा-239(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, द्वारा अपने नियंत्रणाधीन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कारखाना/व्यवसायों के संचालन को विनियमिति व नियंत्रित करने के उद्देश्य से प्रचलित उपविधि दिनांक 10 अक्टूबर, 2020 को सरकारी गजट प्रकाशनोपरान्त जिला पंचायत, अयोध्या में प्रभावी है। उक्त प्रचलित उपविधि में जिला पंचायत, अयोध्या की बैठक दिनांक 04 सितम्बर, 2024 के प्रस्ताव सं०-04 द्वारा उपविधि संशोधन सर्वसम्मति से पारित किया गया। उक्त अधिनियम की धारा-242 "2" की व्यवस्था के अन्तर्गत मेरे द्वारा उक्त उपविधि की पुष्टि कर दी गयी है, जो सरकारी गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

जिला पंचायत, अयोध्या के ग्रामीण क्षेत्र में संचालित कारखाना/व्यवसायों के सापेक्ष लाइसेंस शुल्क में प्रस्तावित संशोधन

क्र० सं०	मद/व्यवसाय का नाम/कारखाने का नाम	लाइसेंस शुल्क	प्रस्तावित संशोधन
1	2	3	4
		रु०	रु०
1	चीनी मिल	50,000.00	1,00,000.00
2	क्रेशर हाईड्रालिक सल्फीटेशन	4,000.00	5,000.00
3	क्रेशर नान हाईड्रालिक सल्फीटेशन	4,000.00	5,000.00
4	क्रेशर नान हाईड्रालिक नान सल्फीटेशन	2,500.00	4,000.00
5	शक्ति चालित गन्ना पेरने का कोल्हू	400.00	1,000.00
6	शक्ति चालित केन्द्रापग (खाण्ड मशीन)	1,000.00	2,000.00
7	हस्त चालित केन्द्रापग (खाण्ड मशीन)	200.00	200.00
8	उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग कर रहा क्रिस्टीलाइजर	300.00	300.00
9	धान कूटने का मिल छोटा (राइस सेलर)	2,500.00	3,000.00
10	एक्सपेलर	500.00	500.00
11	आरा मशीन	2,000.00	10,000.00
12	खराद मशीन	1,000.00	1,000.00
13	पावर लूम (प्रत्येक)	1,000.00	1,000.00
14	रेशम का कपड़ा बनाने का कारखाना	4,000.00	4,000.00
15	सरिया बनाने का कारखाना	15,000.00	15,000.00
16	लोहा बनाने का कारखाना (प्रति भट्ठी)	5,000.00	5,000.00



1	2	3	4
		रु0	रु0
17	बर्फ बनाने का कारखाना (200 सिल्ली तक)	2,000.00	3,000.00
18	बर्फ बनाने का कारखाना (उपरोक्त से अधिक)	4,000.00	5,000.00
19	गत्ता बनाने का कारखाना (बड़ा)	7,000.00	10,000.00
20	पेपरकोन बनाने का कारखाना	4,000.00	4,000.00
21	पेपर रोल बनाने का कारखाना	8,000.00	8,000.00
22	कागज बनाने का कारखाना (10 टन क्षमता)	10,000.00	20,000.00
23	कागज बनाने का कारखाना (10 टन से अधिक 20 टन क्षमता तक)	15,000.00	30,000.00
24	कागज बनाने का कारखाना (20 टन से अधिक 30 टन तक क्षमता तक)	30,000.00	60,000.00
25	कागज बनाने का कारखाना (30 टन क्षमता से अधिक)	50,000.00	1,00,000.00
26	दूध का पाउडर या दूध से अन्य पदार्थ बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
27	चिलिंग प्लाण्ट	8,000.00	20,000.00
28	स्टील, आयरन आदि से पाइप बनाने का कारखाना (2" मोटाई तक)	25,000.00	25,000.00
29	स्टील, आयरन आदि से पाइप बनाने का कारखाना (2" मोटाई से अधिक)	50,000.00	50,000.00
30	मशीन या यंत्र बनाने का कारखाना	7,000.00	10,000.00
31	फल सब्जिया एवं खाद्य पदार्थ सुरक्षित का कारखाना (कोल्ड स्टोरेज 50 हजार बैग तक)	10,000.00	20,000.00
32	फल सब्जिया एवं खाद्य पदार्थ सुरक्षित का कारखाना (कोल्ड स्टोरेज 50 हजार बैग से अधिक क्षमता पर)	15,000.00	30,000.00
33	पिक्चर ट्यूब बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
34	हाटमिक्स प्लाण्ट	10,000.00	20,000.00
35	रबड़ की वस्तुएं बनाने का कारखाना	2,000.00	2,000.00
36	चीनी मिट्टी के बर्तन टार्ल्स बनाने का छोटा कारखाना	2,000.00	2,000.00
37	चीनी मिट्टी के बर्तन टार्ल्स बनाने का बड़ा कारखाना	7,000.00	7,000.00
38	मसाले की ईट आदि बनाने का कारखाना (सिरेमिक्स)	8,000.00	8,000.00
39	पीतल, एल्यूमिनियम, स्टील, शीशा, तांबा व टीन आदि से वस्तुएं बनाना	4,000.00	4,000.00
40	वनस्पति/देशी घी या रिफाइन्ड आयल बनाने का कारखाना	15,000.00	50,000.00
41	शराब, स्प्रिट या एल्कोहल, सेनेटाईजर बनाने का कारखाना	50,000.00	1,00,000.00

1	2	3	4
		रु0	रु0
42	कृषि सम्बन्धी यंत्र बनाने का कारखाना	4,000.00	10,000.00
43	फर्टीलाइजर या कीटनाशक दवाई बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
44	खाण्डसारी उद्योग के यंत्र बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
45	प्लास्टिक का दाना, फिल्म या बैग बनाने का कारखाना	4,000.00	4,000.00
46	प्लास्टिक का पाइप टैंक बनाने का कारखाना	7,000.00	7,000.00
47	बिजली के सामान बनाने का कारखाना	4,000.00	4,000.00
48	कपड़ा, कम्बल आदि की रंगाई/छपाई या फिनिशिंग का कारखाना (छोटा)	2,000.00	2,000.00
49	कपड़ा, कम्बल आदि की रंगाई/छपाई या फिनिशिंग का कारखाना (बड़ा)	8,000.00	8,000.00
50	सीमेन्ट बनाने का कारखाना	10,000.00	25,000.00
51	फ्लोर मिल	10,000.00	20,000.00
52	दाल मिल	5,000.00	10,000.00
53	रिईनफोर्सड, सीमेन्ट कंक्रीट आदि के ह्यूम पाइप बनाने का कारखाना	10,000.00	20,000.00
54	टेलीविजन बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
55	माचिस बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
56	बटन बनाने का कारखाना	6,000.00	6,000.00
57	मोमबत्ती बनाने का कारखाना	3,000.00	5,000.00
58	विनियर एण्ड शॉ मिल	7,000.00	7,000.00
59	पेय पदार्थ बनाने का कारखाना/फैक्ट्री	50,000.00	1,00,000.00
60	मिनरल वाटर बनाने का कारखाना	15,000.00	20,000.00
61	साकित बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
62	प्लार्डवुड या माईका बनाने का कारखाना	10,000.00	5,000.00
63	दवाई बनाने का कारखाना	7,000.00	7,000.00
64	गत्ते के डिब्बे बनाने का कारखाना	3,000.00	5,000.00
65	लैमिनेशन का कारखाना	5,000.00	5,000.00
66	दूध पैकेजिंग का कारखाना	6,000.00	6,000.00
67	केमिकल बनाने का कारखाना	8,000.00	10,000.00
68	डबलरोटी या बिस्कुट बनाने का छोटा कारखाना	5,000.00	20,000.00

1	2	3	4
		रु०	रु०
69	गैस आदि बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
70	गैस के सिलेण्डर बनाने का कारखाना	8,000.00	8,000.00
71	वेल्डिंग राड बनाने का कारखाना	6,000.00	6,000.00
72	पीतल की राड बनाने का कारखाना	6,000.00	6,000.00
73	ढलाई करने का कारखाना	6,000.00	6,000.00
74	स्टील अलमारी, बक्से, मेज आदि बनाने का कारखाना	6,000.00	10,000.00
75	पशु आहार बनाने का कारखाना	5,000.00	10,000.00
76	धागा बनाने का कारखाना	4,000.00	5,000.00
77	धागा डबलिंग का कारखाना	7,000.00	10,000.00
78	दरी, कालीन आदि बनाने का कारखाना	7,000.00	10,000.00
79	साबुन बनाने का कारखाना	2,000.00	4,000.00
80	डिटर्जेंट बनाने का कारखाना	7,000.00	10,000.00
81	पट्टा बनाने बनाने का कारखाना	3,000.00	3,000.00
82	कमानी पट्टा बनाने का कारखाना	7,000.00	7,000.00
83	रबड़ के टायर ट्यूब बनाने का कारखाना	15,000.00	15,000.00
84	टायर रिट्रेडिंग	4,000.00	4,000.00
85	तिरपाल बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
86	आतिशबाज सम्बन्धी समान बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
87	ग्रीस, मोबिल आयल, काला तेल आदि बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
88	चार पहिया बनाने का कारखाना	1,00,000.00	1,00,000.00
89	दो पहिया बनाने का कारखाना	50,000.00	50,000.00
90	तार बनाने का कारखाना	15,000.00	15,000.00
91	तार की जाली बनाने का कारखाना	3,500.00	3,500.00
92	लालटेन बनाने का कारखाना	3,000.00	3,000.00
93	रेगमाल बनाने का कारखाना	4,000.00	4,000.00
94	बैट्री बनाने का कारखाना	5,000.00	10,000.00
95	पंखा या कूलर बनाने का कारखाना	5,000.00	10,000.00

1	2	3	4
		रु०	रु०
96	रंग बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
97	गम, टेप बनाने का कारखाना	4,000.00	4,000.00
98	आटो मोटर्स बनाने का कारखाना	5,000.00	20,000.00
99	निकिल पालिस (प्लेटिंग) करने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
100	रांगा बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
101	गैस चूल्हा या उसके पार्ट्स बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
102	हड्डी मिल	25,000.00	25,000.00
103	सरेश मिल	5,000.00	5,000.00
104	पेट्रोल पम्प	4,000.00	5,000.00
105	डीजल पम्प	5,000.00	5,000.00
106	गैस बाटलिंग प्लांट	25,000.00	25,000.00
107	सादा या काला नमक बनाने का कारखाना	2,000.00	2,000.00
108	प्रिंटिंग प्रेस या आफसेट प्रेस	2,500.00	5,000.00
109	सिनेमा हाल	4,000.00	4,000.00
110	विडियो सिनेमा हाल	2,500.00	2,500.00
111	मुर्गा/मुर्गी दाना का कारखाना/फैक्ट्री	3,000.00	5,000.00
112	पेट्रोल पम्प का टैंक बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
113	रेडिमेड गारमेन्ट्स का कारखाना	15,000.00	15,000.00
114	फोम के गद्दे बनाने का कारखाना	15,000.00	15,000.00
115	स्लाटर हाउस/इंटीग्रेटेड फूड प्रोसेसिंग प्लांट	1,00,000.00	1,00,000.00
116	ट्रांसफार्मर फैक्ट्री	20,000.00	20,000.00
117	स्टील के बर्तन बनाने का कारखाना	15,000.00	15,000.00
118	एयर कंडीशनर बनाने का कारखाना	10,000.00	10,000.00
119	जूट, सन व नायलान बनाने का कारखाना	5,000.00	5,000.00
120	शीशा बनाने का कारखाना	3,000.00	3,000.00
121	पिपरमिन्ट बनाने का कारखाना	2,000.00	5,000.00
122	चमड़ा टेनरी का कारखाना	25,000.00	25,000.00

1	2	3	4
		रु०	रु०
123	जैविक कारखाना	5,000.00	5,000.00
124	फिक्स चिमनी ईट भट्टा ( 20 पाये तक)	10,000.00	15,000.00
125	फिक्स चिमनी ईट भट्टा ( 20 पाये से अधिक )	15,000.00	15,000.00
126	स्टोन क्रेशर	15,000.00	15,000.00
127	अगरबत्ती/धूप बत्ती बनाने का कारखाना	-	5,000.00
128	होटल/ढाबा छोटा	-	2,500.00
129	होटल/ढाबा बड़ा	-	15,000.00
130	मिठाई की छोटी दुकान	-	1,000.00
131	मिठाई की बड़ी दुकान	-	5,000.00
132	शराब/बियर/देसी	1,000.00	4,000.00
133	वाहन/ट्रैक्टर एजेन्सी	1,000.00	5,000.00
134	मोटरसाईकिल/ईरिक्शा/ऑटोमोबाईल एजेन्सी	200.00	2,000.00

(नोट—किसी भी मद के सापेक्ष संशोधन प्रस्तावित न होने पर दरें पूर्ववत् समझी जायेंगी।)

### उपविधि भाग—1

जिला पंचायत अयोध्या के ग्रामीण क्षेत्र में संचालित उपरोक्त सूची के उद्योग/व्यवसायों के अतिरिक्त संचालित होने वाली उद्योगों की लाइसेन्स फीस निर्धारण में संशोधन निम्नवत् होगा —

क्र० सं०	उद्योगों की श्रेणी	लाइसेन्स शुल्क	प्रस्तावित संशोधन
		रु०	रु०
1—	सूची के उद्योगों से अतिरिक्त सूक्ष्म/कुटीर उद्योग (माइक्रो) (लागत 25 लाख तक)	1,000.00 से 5,000.00	5,000.00
2—	सूची के उद्योगों से अतिरिक्त लघु उद्योग (स्माल) (लागत 25 लाख से 5 करोड़ तक)	6,000.00 से 20,000.00	20,000.00
3—	सूची के उद्योगों से अतिरिक्त मध्यम उद्योग (मिडियम) (लागत 5 करोड़ से 10 करोड़ तक)	21,000.00 से 50,000.00	50,000.00
4—	सूची के उद्योगों से अतिरिक्त भारी उद्योग (हैवी) (लागत 10 करोड़ से अधिक)	51,000.00 से 1,00,000.00	1,00,000.00

## पशु हॉट/पशु मेला/पशु बाजार संचालन हेतु संशोधित उपविधि

29 मार्च, 2025 ई0

सं0 स्था0नि0सहा0/इक्कीस-1(2024-25)/2033-उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 यथासंशोधित, 1994 की धारा-143 के साथ पठित धारा-239(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जिला पंचायत द्वारा अपने नियंत्रणाधीन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों तथा पशु प्रदर्शनियों को विनियमित एवं नियंत्रित करने के उद्देश्य से पूर्व प्रचलित उपविधियों के स्थान पर संशोधित उपविधि पारित की गयी है। उक्त अधिनियम की धारा-242 "2" की व्यवस्था के अन्तर्गत मेरे द्वारा उक्त उपविधि की पुष्टि कर दी गयी है, जो सरकारी गजट प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

**जिला पंचायत, अयोध्या के क्षेत्रान्तर्गत पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों तथा पशु प्रदर्शनियों की नियंत्रित एवं विनियमित करने सम्बन्धी उपविधियाँ।**

### परिभाषाएँ

- 1-ग्रामीण क्षेत्र का तात्पर्य उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 में दी गई परिभाषा से है।
- 2-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों अथवा पशु प्रदर्शनियों का तात्पर्य उस स्थल से है, जहां जिला पंचायत किसी व्यक्ति अथवा किसी संस्था "जिसमें धार्मिक" संस्था भी सम्मिलित है "शामिल" है, द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में क्रय विक्रय अथवा प्रदर्शनी हेतु पशु लाये जाते हैं।
- 3-पशु का तात्पर्य सभी जाति एवं श्रेणी के पशुओं से है।
- 4-रजिस्ट्रेशन अधिकारी का तात्पर्य उस वयस्क व्यक्ति से है जिसे लाइसेंस अधिकारी ने जिला पंचायत द्वारा स्थापित पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों अथवा पशु प्रदर्शनियों में पशुओं की बिक्री लिखने एवं शुल्क उगाही हेतु रसीद जारी करने नियमित नियुक्त किया है। निजी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनियों में उसके संचालक अथवा प्रबन्धक की संस्तुति पर उपरोक्त प्रयोजन हेतु लाइसेंस अधिकारी द्वारा नियुक्त किया गया व्यक्ति रजिस्ट्रेशन अधिकारी माना जायेगा।

### उपविधि भाग-1

- 1-प्रत्येक व्यक्ति, जो जिला पंचायत अयोध्या के क्षेत्रान्तर्गत में कोई पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी आयोजित करना चाहता है, को इन उपविधियों का पालन करना अनिवार्य होगा।
- 2-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक अथवा उसके द्वारा नियुक्त मैनेजर या अधिकृत एजेन्ट के लिये, बाजार में आये हुये व्यक्तियों के ठहरने, जानवरों हेतु चारा-पानी, सफाई तथा रोशनी का प्रबन्ध व रख-रखाव स्वयं करना होगा।
- 3-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के प्रबन्धों का निरीक्षण समय-समय पर जिला पंचायत के अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जिला पंचायत अयोध्या के अपर मुख्य अधिकारी अथवा कार्य अधिकारी अथवा अभियन्ता अथवा कर अधिकारी द्वारा जांच में इंगित कमियों को तुरन्त दूर करना संचालक अथवा प्रबन्धक, के लिये अनिवार्य होगा।
- 4-एक से अधिक दिन तक चलने वाले पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में व्यापारियों एवं जनता की सुविधा हेतु शौचालय एवं मूत्रालय की व्यवस्था व सफाई कराना संचालक, मैनेजर, अथवा प्रबन्धक के लिये अनिवार्य होगा।

5—जिला पंचायत के अध्यक्ष, अपर मुख्य अधिकारी, अभियन्ता, कार्य अधिकारी, कर अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के उप मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी के अतिरिक्त अध्यक्ष, जिला पंचायत अथवा लाइसेंसिंग अधिकारी द्वारा अधिकृत कोई भी कार्मिक किसी भी समय निरीक्षण कर सकता है।

6—नये पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी आयोजित करने के लिये शान्ति व्यवस्था सम्बन्धी पुलिस विभाग की आख्या प्राप्त होने तथा पशुपालन विभाग की संचालन विषयक आख्या/अनापत्ति प्राप्त होने के उपरान्त जिला पंचायत के लाइसेंस अधिकारी द्वारा लाइसेंस अधिकारी द्वारा लाइसेंस प्रार्थना-पत्र पर विचार किया जायेगा।

7—नये पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी लगवाने के लिये यह अनिवार्य होगा कि प्रारम्भ करने की तिथि से एक माह "तीस दिन" के पूर्व जिला पंचायत के लाइसेंस प्राप्त कर लेंगे। लाइसेंस की अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च होगी।

8—किसी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के स्थल से 08किमी० के अन्दर किसी दूसरे पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी लगाने हेतु लाइसेंस नहीं दिया जायेगा। (प्रतिबन्ध यह है कि यह नियम उपविधि के लागू होने से पूर्व से आयोजित हो रहे पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी पर प्रभावी नहीं होगा)।

9—नये वर्ष का लाइसेंस प्राप्त करने हेतु अनिवार्य होगा कि 31 अप्रैल तक लाइसेंस शुल्क जमा कर नया लाइसेंस बनवा लिया जाय अन्यथा 2000.00 रुपया प्रति माह अथवा निर्धारित लाइसेंस दर का एक चौथाई विलम्ब शुल्क जमा करके ही लाइसेंस प्राप्त किया जा सकेगा। लाइसेंस नवीनीकरण में भी यही विधि अपनाई जायेगी, परन्तु लाइसेंस नवीनीकरण हेतु दिये गये प्रार्थना-पत्रों में गलत लाइसेंस संख्या, दिनांक तथा दिये गये लाइसेंस शुल्क का विवरण अंकित करना होगा।

10—जो पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी पूर्व से लग रही हैं, उनके संचालन को इन उपविधियों के प्रकाशन के एक माह के अन्दर लाइसेंस बनवा लेना होगा अन्यथा उपनियम संख्या-9 के अनुसार विलम्ब शुल्क जमा करने पर ही लाइसेंस जारी किया जायेंगा। प्रतिबन्ध यह है कि ग्राम पंचायतों द्वारा आयोजित पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी पर लगाये गये विलम्ब शुल्क को किसी स्थिति तक कम करने अथवा समाप्त करने का विशेषाधिकार अध्यक्ष, जिला पंचायत को होगा।

11—अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत अयोध्या इन उपविधियों के अन्तर्गत लाइसेंस अधिकारी होगा।

## उपविधि भाग-2

1—कोई भी व्यक्ति जिले के ग्रामीण क्षेत्र में किसी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में किसी भी पशु को क्रय विक्रय रजिस्ट्रेशन अधिकारी द्वारा उसकी बिक्री की रजिस्ट्री कराये बिना नहीं कर सकेगा।

2—निजी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के स्वामी का दायित्व होगा कि रजिस्ट्रेशन अधिकारी नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति का पूरा पता सहित पुलिस विभाग द्वारा जारी चरित्र प्रमाण-पत्र के साथ प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करें। ऐसे रजिस्ट्रेशन अधिकारी का पारिश्रमिक स्वामी, संचालक अथवा ठेकेदार की आपसी सहमति से तक होगा। प्रतिबन्ध यह है कि ऐसा पारिश्रमिक न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत निर्धारित दर से कम न होगा।

3—रजिस्ट्रेशन अधिकारी प्रत्येक पशु की बिक्री की रजिस्ट्री पशु देखकर तथा साक्ष्य लेकर ही करेगा। किसी भी दशा में रजिस्ट्रेशन शुल्क पशुधन मूल्य के 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

4—रजिस्ट्रेशन अधिकारी प्रत्येक पशु की बिक्री का प्रमाण-पत्र अपने हस्ताक्षर से क्रेता की उ0प्र0 पुलिस रेगुलेशन के नियम 183"2" के अन्तर्गत पुलिस फार्म-54 में भरकर देगा तथा उसका प्रतिपण अपने पास सुरक्षित रखेगा। यदि किसी पशु का दूध पीता बच्चा साथ में है तो एक ही बिक्री प्रमाण-पत्र पर्याप्त होगा। एक प्रतिपण पर एक ही पशु ही रजिस्ट्री की जायेगी।

5-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक तथा प्रबन्ध कि लिये यह अनिवार्य होगा कि उ0प्र0 पुलिस रेगुलेशन के नियम 183''2'' में निर्धारित पुलिस फार्म-54 पुस्तकें, जिला पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा करने के पश्चात् प्राप्त करके पशुओं के रजिस्ट्रेशन हेतु प्रयोग में लायेगा और पुस्तकों के प्रतिपण जिला पंचायत कार्यालय में जमा करेगा।

6-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक या प्रबन्धक के लिये आवश्यक होगा कि पशुओं के रजिस्ट्रेशन तथा शर्तों की सूचियां रजिस्ट्रेशन के बैठने के स्थान पर चिपका दें।

7-कोई भी व्यक्ति जिला पंचायत द्वारा संचालित अथवा निजी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में संक्रामक रोग से पीड़ित पशु को नहीं ला सकेगा। एतदर्थ नियुक्त पशु चिकित्साधिकारियों तथा पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक/प्रबन्धक को अधिकार होगा कि संक्रामक रोग से ग्रसित किसी भी पशु को प्रवेश न करने दें अथवा स्थल से बाहर निकाल दें। पशु स्वास्थ्य की देखरेख व पशु क्रूरता निवारण एवं ट्रांसपोर्ट ऑफ एनीमल्स का अनुपालन कराने के लिये पशु चिकित्साधिकारी एवं पशु कल्याण बोर्ड अथवा एस0पी0सी0ए0 के सदस्यों की उपस्थित रहेगी। इनके द्वारा वैद्यपत्र निर्गमन के लिये निर्धारित शुल्क की देयता प्रबन्धक/संचालक द्वारा सुनिश्चित करायी जायेगी। पशु स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र के निर्धारित प्रारूप पर बुकलेटों की उपलब्धता सम्बन्धित विभाग द्वारा न कराये जाने की दशा में जिला पंचायत द्वारा संचालक पर मुद्रण व्यय भारित कर उपलब्धता सुनिश्चित करायी जायेगी।

8-कोई भी व्यक्ति या संस्था निर्धारित फीस देकर वर्णित अवधि के लिये जिला पंचायत से लाइसेंस प्राप्त किये बिना पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन नहीं कर सकेगा।

9-जिला पंचायत अयोध्या द्वारा अनुज्ञा प्राप्त पशुपैठ/पशुबाजार के संचालक को किसी भी संचालित पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में पशुओं के लदान व उतरान के लिये अड्डों की व्यवस्था करेगी।

10-यातायात की सुरक्षा तथा मेले में ट्रैफिक की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिये अड्डों के पास वाहनों की पार्किंग स्थल निर्धारित किया जायेगा पशुओं के लदान व उतरान के लिये अड्डा बनायी जायेगी।

11-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के लिये निम्नांकित रूप में लाइसेंस शुल्क देय होगा।

क्रमांक	पशु बाजार/पशु पैठ का प्रकार	लाइसेंस शुल्क
		रु0
1	पशु बाजार (छोटी) संचालन दिवस में 100 पशुओं की आमद तक	20,000.00
2	पशु बाजार (मध्यम) संचालन दिवस में 100 से 500 पशुओं की आमद तक	50,000.00
3	पशु बाजार (बड़ी) संचालन दिवस में 500 पशुओं से अधिक की आमद तक	1,00,000.00
4	कृषि औद्योगिक/पशु प्रदर्शनी मेले	10,000.00

नोट :- सप्ताह में एक से अधिक दिवस संचालन की अनुज्ञा के लिये लाइसेंस शुल्क सप्ताह में संचालन दिवसों के अनुसार गुणित किया जायेगा।



**उपविधि भाग-3**

1-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में संक्रामक रोगों की रोकथाम तथा रोग ग्रसित पशुओं का प्रवेश निषिद्ध करने के लिये मेलों में आने वाले सभी प्रवेश मार्गों पर चेकिंग की व्यवस्था जिला पंचायत अयोध्या द्वारा पशु चिकित्साधिकारी एवं पुलिस विभाग के सहयोग से की जायेगी।

2-पशुओं की जाँच के लिये जिला पंचायत की मांग पर जिले के पशुधन विभाग द्वारा निर्दिष्ट पशु चिकित्सा दल के प्रमाण-पत्र के पश्चात् ही पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में पशुओं को प्रवेश निकासी की अनुमति दी जायेगी।

3-जिला पंचायत से अनुज्ञा प्राप्त संचालित पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में जिला पंचायत अथवा पशुधन विभाग द्वारा संचालक से चिकित्सा शिविर की स्थापना की जायेगी, जिसमें रोगी पशुओं के उपचार की व्यवस्था होगी।

4-निजी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के स्वामी को जिला पंचायत के निर्देशानुसार यथोचित व्यवस्था करनी होगी। यदि वह ऐसी व्यवस्था नहीं करता है तो लाइसेंसिंग अधिकारी को यह अधिकार होगा कि जिला पंचायत की ओर से ऐसी व्यवस्था करा सकता है और उस दशा में होने वाले व्यय को सम्बन्धित निजी संचालक से भू-राजस्व के बकाये की भांति वसूल किया जायेगा।

5-पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी को स्थापित या संचालित करने वाले प्रबन्धक अथवा लाइसेंस प्राप्त करने वाले व्यक्ति कि -

(क) पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी स्थल स्वच्छ रखे।

(ख) पशुओं के चारे व पानी की उचित व्यवस्था कराये।

(ग) पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में आने वाले व्यापारियों तथा ग्राहकों के लिये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराये।

(घ) पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में पशुओं को रुकने तथा चारा खाने हेतु स्थल का प्रबन्ध कराये।

(ङ) व्यापारियों के ठहरने के लिये भी समुचित प्रबन्ध कराये।

(च) पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी स्थल पर प्रकाश एवं भी समुचित छिड़काव कराये।

(छ) संक्रामक रोगों से बचने के लिये ब्लीचिंग पाउडर एवं सेनेटाइजर का भी समुचित छिड़काव कराये।

(ज) जिला पंचायत के अधिकारियों, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों द्वारा मानव स्वास्थ्य चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों की पालन निजी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी के स्वामी को करना अनिवार्य होगा।

**उपविधि भाग-4**

1-जिला पंचायत से अनुज्ञा प्राप्त संचालित पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी में सुविधा के समस्त प्रबन्ध अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशानुसार किया जायेगा।

2—पशु परिवहन के मानकों, क्रय विक्रय शुल्क, प्रवेश शुल्क तथा अन्य आवश्यक सूचनाओं के पशु बाजार के मुख्य प्रवेश एवं अन्य निर्दिष्ट स्थानों पर सूचना पट्टों से प्रदर्शित किया जायेगा।

3—निजी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी लगाने हेतु स्वामी हो लाइसेंस प्रार्थना-पत्र के साथ पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनी का स्थल, क्षेत्रफल तथा चौहद्दी का पूर्ण विवरण दर्शाते हुये खसरा, खतौनी की नकल के साथ आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना होगा, तभी उस पर विचार किया जायेगा।

### दण्ड

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा-240 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जिला पंचायत अयोध्या यह निर्देश देती है कि जो व्यक्ति इन उपविधियों का उल्लंघन करेगा, वह अर्थ दण्ड से दण्डनीय होगा, जो रुपया 1000.00 तक होगा और यदि ऐसा उल्लंघन जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थ दण्ड से दंडित होगा, जो प्रथम दोष सिद्ध होने के बाद ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिनके बारे में यह सिद्ध हो जाय कि उसमें अपराधी अपराध करता है, रुपया 50.00 प्रतिदिन तक दण्ड लिया जा सकेगा।

गौरव दयाल,  
आयुक्त,  
अयोध्या मण्डल अयोध्या।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, १९ अप्रैल, २०२५ ई० (चैत्र २९, १९४७ शक संवत्)

### भाग ८

नगरपालिका परिषद्, नगर पंचायत, सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

#### NOTICE

No Legal Responsibility is accepted for the Publication of Advertisements/Public Notices in this Part of the Gazette of Uttar Pradesh. Persons Notifying the Advertisements/Public Notices will remain Solely, Responsible for the Legal Consequences and also for any other Misrepresentation etc.

By Order,  
Director.

### कार्यालय, नगर पालिका परिषद् लोनी, गाजियाबाद

०६ नवम्बर, २०२४ ई०

सं० १०८७/न०पा०प०लोनी/सेप्टेज उपविधि/२०२४-२५-नगर पालिका परिषद् लोनी जनपद गाजियाबाद के आम नागरिकों को सूचित किया जाता है, कि निदेशक, नगरीय निकाय उ०प्र० गोमती नगर विस्तार सेक्टर-७ लखनऊ के पत्र संख्या-४२३/०१/नगरीय प्रशिक्षण/२०२३ दिनांक ०७ नवम्बर, २०२३ द्वारा उत्तर प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन उपविधियों (FSSM Bye-Laws) के कार्यान्वयन के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये हैं, के अनुपालन हेतु नगर पालिका परिषद् लोनी ने अपने बोर्ड प्रस्ताव सं०-११, दिनांक ०४ मार्च, २०२४ के अन्तर्गत स्वीकृति प्रदान की है। यदि इस सम्बन्ध में किसी कोई आपत्ति हो तो प्रकाशित अधिसूचना के १५ दिवस के अन्दर निकाय कार्यालय में एवं डाक द्वारा आपत्ति दर्ज कर सकता है। समयावधि उपरान्त कोई आपत्ति/सुझाव प्राप्त होता है तो उस पर निकाय पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

उपरोक्त का दावे/आपत्ति प्राप्त करने हेतु अमर उजाला दिनांक १५ अक्टूबर, २०२४ एवं हिन्दुस्तान, दिनांक १५ अक्टूबर, २०२४ में प्रकाशन कराया गया, जिसमें १५ दिवस का समय निर्धारित था, लेकिन समयावधि में कोई भी दावे/आपत्ति इस निकाय को प्राप्त नहीं हुये, जिसकी अन्तिम अधिसूचना निम्नवत् है—

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा घर/भवन/प्रतिष्ठान में ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (सेप्टिक टैंक/पिट/सोखा) के संग्रहण, ढुलाई और उससे जुड़े मामलों के लिए निम्नलिखित उपविधियां बनाई गयी हैं।

**प्राधिकार**— ये उपविधि निम्नलिखित प्रावधानों को लागू करने वाला सक्षम ढांचा है:

- (क)— उत्तर प्रदेश राज्य सेप्टेज प्रबन्धन नीति, 2019
- (ख)— फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन की राष्ट्रीय नीति, 2017
- (ग)— सीपीएचईआईओ मैनुअल ऑन सीवरेज और फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन 2013
- (घ)— मॉडल निर्माण उपविधि, 2016 तथा अन्य लागू भवन उपविधि
- (ङ)— प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट ऐज मैनुअल स्कैवेंजर्स एण्ड देयर रिहैबिलिटेशन ऐक्ट-2013
- (च)— आईएस कोड 2470 भाग-I और II, 1985 (1996 रीअफर्म्ड)-सेप्टिक टैंक संस्थापित करने के लिए कार्य व्यवहार संहिता
- (छ)— केंद्रीय कानून, नियम और विनियमन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- (ज)— जल (प्रदूषण पर रोक और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- (झ)— उत्तर प्रदेश के राजकीय कानून जैसे जल और स्वच्छता सम्बन्धी, जैसे कि यू0पी0 जल आपूर्ति एवं सीवरेज अधिनियम, 1975, उत्तर प्रदेश जल संस्थान जलापूर्ति एवं सीवरेज उपविधि, 2008 तथा अन्य कोई प्रासंगिक राजकीय कानून।

### क्षेत्र (स्कोप)

ये उपविधि नगर पालिका परिषद् लोनी की प्रशासनिक सीमा के भीतर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन में संलग्न सभी हितधारकों पर लागू होते हैं, जिसमें सेप्टिक टैंक वाले घरों के मालिक एवं उपयोगकर्ता, सेप्टिक टैंक सफाई ऑपरेटर तथा निकाय के उपचार और निस्तारण में संलग्न जवाब देह एजेंसियां शामिल हैं। यह उपविधि सभी सार्वजनिक, निजी, आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत, प्रस्तावित, नियोजित या निकाय नगर पालिका परिषद् लोनी भवनों पर लागू होगा।

### अध्याय—I

#### प्रारम्भिक

#### 1— संक्षेप— शीर्षक, विस्तार और आरंभ—

1— इन उपविधियों को नगर पालिका परिषद् लोनी, फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन (FSSM) उपविधि, 2024' कहा जा सकता है।

2— ये उपविधि उत्तर प्रदेश राज-पत्र (गजट) में प्रकाशित होने की तारीख से नगर पालिका परिषद् लोनी, क्रियान्वित होंगे और निकाय की प्रशासकीय परीसीमा के अन्दर लागू होंगी।

#### 2— परिभाषा—

“एक्सेस कवर” का अर्थ है निरीक्षण, सफाई तथा अन्य रख-रखाव कार्य हेतु सेप्टिक टैंक/पिट में अन्दर जाने के लिए छेद या रास्ता जिसको ढक्कन या आवरण से बन्द किया हो।

**“अपेलेट बॉडी”** निकाय, शहरी स्वच्छता समिति, और/या, कोई अन्य सम्बन्धित प्रासंगिक अधिकृत समिति के सदस्यों से मिल कर बना एक समूह है जिसका उद्देश्य उपविधियों से सम्बन्धित किसी भी विवाद, अपील या मुद्दे का संबोधन करना है।

**फीकल स्लज या सेप्टेज का को-ट्रीटमेंट** उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें सीवेज उपचार सुविधा (एसटीपी) में, शहरों के सीवर के जरिये से ले जाने वाले घरेलू सीवेज के उपचार के अलावा, विभिन्न ऑन-साइट स्वच्छता प्रणालियों के फीकल स्लज और सेप्टेज (एफएसएस) का भी उपचार किया जाता है।

**“को-ट्रीटमेंट फैसिलिटी”** का तात्पर्य है ऐसा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जिसमें फिकल स्लज के उपचार के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध हो।

**“विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार (DWWT) प्रणाली”** का तात्पर्य है ऐसी पद्धति से है जिसमें निजी आवासों, आवासीय संकुलों, एकल समुदायों, उद्योगों, संस्थानों या उत्पादन स्थल के निकट अपशिष्ट जल का संग्रहण, उपचार किया जाता है और निस्तारण/दुबारा इस्तेमाल योग्य बनाया जाता है। ये प्रणाली अपशिष्ट जल के तरल और ठोस दोनों घटकों के लिए प्रयुक्त होते हैं।

**“नियुक्त अधिकारी”** निकाय का ऐसा अधिकारी जिसे (नगर आयुक्त/अधिशाली अधिकारी) द्वारा लाइसेंस जारी करने के लिए अथवा उसे सौंपे गये किसी अन्य कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया हो।

**“डिस्लजिंग”** का तात्पर्य है लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मचारियों द्वारा सेप्टिक टैंक/पिट से फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने की प्रक्रिया।

**“निस्तारण”** का तात्पर्य है फीकल स्लज एवं सेप्टेज का अधिसूचित स्थान तक परिवहन एवं निर्वहन।

**“एफ्लूयंट”** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक से निकलने वाला अधिप्लावी (द्रव)

**“फीकल स्लज एवं सेप्टेज”** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक अथवा ऑनसाइट सेनिटेशन प्रणालियों में जमी हुई या नीचे बैठी हुई सामग्रीय

**“फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP)”** का तात्पर्य है सुरक्षित निस्तारण और दुबारा इस्तेमाल के निर्धारित मानदण्ड के अनुसार ठोस और तरल घटकों को हटाने वाला स्वतंत्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार संयंत्र।

**“ग्रे वाटर”** का तात्पर्य है घरेलू अपशिष्ट जल से है जिसमें मानव मल नहीं होता। यह घर की सफाई से निकला पानी, रसोई और स्नानघर का पानी हो सकता है।

**“होस्ट यूएलबी”** का तात्पर्य है वह निकाय जो उपचार संयंत्र के संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार होता है और जो संयंत्र में निकटवर्ती निकाय के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को उपचार की अनुमति देता है। अपनी अधिकतम क्षमता को हासिल करने तक होस्ट निकाय ‘होस्ट’ बना रहेगा।

**“ईनसैनिटरी लेट्रिन्स”** का तात्पर्य उन शौचालयों से है जहां रात की मिट्टी (मल-कीचड़) को किसी मानव या जानवरों द्वारा ढोया या हटाया जाता है, तथा मल कीचड़ को खुली नालियों या गड्ढों में डाल दिया जाता है।

**“लाइसेंस”** का अर्थ है किसी व्यक्ति को दी गई लिखित अनुमति, जिसकी मंशा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन सेवाओं को पूरा करना होती है, जिसमें उद्देश्य, समय अवधि, नाम, पता और मार्ग आदि का उल्लेख निकाय के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर के अंतर्गत किया जाता है।

**“लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर”** (लाइसेंसधारी) का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जिसे फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन सेवायें प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो।

**“अधिसूचित स्थान”** का अर्थ होता है निकाय द्वारा परिभाषित और निर्धारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज की आपूर्ति और निस्तारण का स्थान।

**“ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (ओएसएस)”** ऐसी स्वच्छता प्रणाली है जो पूरी तरह से निजी/व्यावसायिक/सरकारी आवास और उसके आस-पास के भूखण्ड पर स्थित होता है। आमतौर पर, भूखण्ड पर स्वच्छता ‘घरेलू शौचालय’ के समान है, लेकिन इसमें एक ही भूखण्ड पर एक साथ रहने वाले कई परिवारों द्वारा साझा की जाने वाली सुविधायें हो सकती हैं।

**“ऑपरेटर”** का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने और उसके परिवहन के व्यवसाय में संलग्न है।

**“मालिक”** का अर्थ है वह व्यक्ति जो निकाय की सीमा के भीतर स्थित किसी भवन या उसके किसी हिस्से का मालिक हो।

**“व्यक्ति”** का तात्पर्य एक ऐसे व्यक्ति से है एक एजेंसी, एक ट्रस्ट, एक समाज, एक फर्म या एक कम्पनी को संदर्भित करता है प्रासंगिक कानूनों के तहत निगमित कम्पनी, व्यक्तियों का एक संघ या व्यक्ति का एक निकाय चाहे निगमित हो या नहीं।

**“सैनिटरी लेट्रिन्स”** का अर्थ होगा सेप्टिक टैंक अथवा कोई ओएसएस अथवा भूमिगत सीवरेंज प्रणाली से जुड़े शौचालय और मूत्रालय के प्रकार और बनावट जो मल (अपचित मलमूत्र) के सुरक्षित परिरोधन और निस्तारण को सुनिश्चित करता हो, जिनमें से प्रत्येक का निर्माण निकाय द्वारा जारी किये गये डिजाइन विनिर्देश और दिशानिर्देश के अनुरूप नियमानुसार किया गया हो।

**“सेप्टिक टैंक”** भूमिगत निर्मित टैंक है जो आंशिक रूप से ठोस जमाव और अवायवीय पाचन के संयोजन द्वारा आंशिक रूप से फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार करता है, जिसका निर्माण आईएस कोड 2470 के डिजाइन विनिर्देश या निकाय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है।

**“शेड्यूल्ड डीस्लजिंग”** का अर्थ है केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (सीपीएचईओ) की अनुशंसाओं के आधार पर 2-3 वर्षों के अन्तराल पर ओएसएस को नियमित रूप से खाली कराने की प्रक्रिया।

**“सेप्टेज”** का अर्थ है अच्छी तरह डिजाइन किए हुए सेप्टिक टैंक से निकलने वाला फीकल स्लज।

**“सीवेज”** का अर्थ है ब्लैक और ग्रे पानी का मिश्रण है जिसे सीवरों के माध्यम से प्रवाहित किया जाता है। इसे वेस्ट वॉटर/यूज्ड वॉटर भी कहा जाता है।

**“सीवर”** वो प्रणाली (सीवर लाइन/पाइप लाइन) जिसके माध्यम से समुदाय के अपशिष्ट जल को बहाया जाता है।

**“सीवेज पम्पिंग स्टेशन”** का अर्थ होता है शहर में सीवर नेटवर्क के पम्प-हाउस का भण्डारण और संग्रह कक्ष, जहाँ से सीवेज यानी मल जल या अपवाह को निर्दिष्ट स्थान पर पम्प करके भेजा जाता है।

**“सीवेज उपचार संयन्त्र”** का अर्थ उस स्थान से है जहाँ सुरक्षित निस्तारण और दुबारा उपयोग के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार मल जल का उपचार किया जाता है।

**“निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मी”** का अर्थ है निकाय के कर्मचारी या निकाय लाइसेंसी वैक्यूम टैंकर का इस्तेमाल कर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई करने या उसे खाली करने और ढुलाई के उद्देश्य के लिए निकाय द्वारा नियुक्त और प्रशिक्षित अनुबंधित अथवा काम पर लिए गए कर्मचारी।

**“परिवहन या ढुलाई”** का अर्थ है लाइसेंस धारी वाहन के माध्यम से (एफएसएस) निकालने के स्थान से निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित ढुलाई।

**“उपचार”** का अर्थ है प्रदूषण को कम करने या रोकने के लिए एफएसएस/मल जल/अपशिष्ट जल के भौतिक, रासायनिक या जैविक और रेडियोलॉजिकल विशेषता या संरचना को बदलने के लिए तैयार की गई कोई वैज्ञानिक पद्धति या प्रक्रिया।

**“उपचार सुविधा”** का अर्थ होगा निकाय में विनिर्देशों और दिशा निर्देशों के आधार पर बने अधिसूचित फीकल स्लज उपचार और निस्तारण हेतु निर्मित स्थल

**“यूलबी क्लस्टर”** का अर्थ होगा होस्ट निकाय और इसके निकटस्थ यूलबी/ग्राम पंचायत, जिन्हें शहर में स्थित उपचार संयन्त्र में एफएस के सुरक्षित निस्तारण के लिए होस्ट निकाय जिसके साथ एमओयू की आवश्यकता होगी।

**“निकाय पंजीकृत (वैक्यूम) टैंक”** का अर्थ ऐसे वैक्यूम टैंकर से है, जिसे निर्दिष्ट उद्देश्य पूरा करने हेतु निकाय द्वारा विधिवत पंजीकृत कराया गया हो, जिसे निकाय द्वारा निकाय क्षेत्र में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबन्धन सेवायें प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो।

**“निर्वात टैंकर (वैक्यूम टैंकर)”** ऐसा वाहन होता है जिसमें एक पम्प और टंकी होती है, जिसे साइट पर स्वच्छता प्रणालियों से फीकल स्लज एवं सेप्टेज को वैक्यूम की मदद से खींचने के लिए बनाया गया है। इन वाहनों का उपयोग सेप्टिक टैंक से निकाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए भी किया जाता है।

**“अपशिष्ट जल (वेस्ट वॉटर)/यूज्ड वॉटर”** का अर्थ घरेलू/व्यावसायिक अथवा अन्य मानवीय गतिविधियों से निकले तरल प्रवाह से है, जिसमें शौचालय, रसोई और सफाई कार्य से निकला पानी, लेकिन इसमें विनिर्माण और औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाला पानी शामिल नहीं है। आमतौर पर इस तरह के प्रवाह को वर्षा-जल नालियों के माध्यम से बहाया है, इस प्रकार इसमें तूफानी जल भी शामिल होता है।

**“कर्मी”** का अर्थ है लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण के लिए नियुक्त व्यक्ति।

सभी अन्य शब्द और अभिव्यक्ति जो इन उपविधियों में प्रयुक्त हुए हैं और जो इन उपविधियों में परिभाषित नहीं किये गये हैं और जो यहां ऊपर भी परिभाषित नहीं हैं लेकिन जिन्हें अधिनियम में अथवा वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून में परिभाषित किया गया है उनका अर्थ वही होगा जो अधिनियम या कानून के तहत क्रमशः उन्हें प्रदान किया गया है और उसके अभाव में उनका अर्थ वही होगा जो जलापूर्ति और मल जल उपचार/निस्तारण उद्योग में आमतौर पर समझा जाता है।

## अध्याय-II

### अपशिष्ट जल का प्रबन्धन और निस्तारण

**3— परिसर में अपशिष्ट जल का प्रबन्धन और निस्तारण—** निकाय में प्रत्येक सम्पत्ति के मालिक/अधिग्राही (जिसमें मौजूदा या प्रस्तावित, आवासीय और व्यावसायिक और अन्य शामिल हैं तथा इसी तक सीमित नहीं हैं) यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होंगे कि उनके परिसर से अपशिष्ट जल को निम्नलिखित तरीके से किसी भी या किसी के संयोजन के माध्यम से उपचार या निस्तारण किया जाता है, अर्थात्:

1— यदि घर की सीमा से 30 मीटर की दूरी या उतनी दूरी जितनी दूर से सीवर कनेक्शन घर तक आ सकता हो, या घर का मालिक कनेक्शन लेने के लिए कोई शुल्क अथवा कोई और जरूरत के अनुसार प्रक्रिया पूर्ण कराकर करे।

2— अपशिष्ट जल को एक निकाय अनुमोदित समुदाय या स्थानीय क्षेत्र उपचार सुविधा तक पहुंचाया जाता है।

3— यदि सम्पत्ति के 30 मीटर में कोई सीवर नहीं है, तो मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपशिष्ट जल को साइट की उपचार प्रणाली में ले जाया जाय, जिसमें सेप्टिक टैंक या टिवन-पिट या सोक-पिट या साइट पर स्थित आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2 के अनुसार निर्मित अन्य प्रणाली शामिल हो सकती हैं। (देखें परिशिष्ट-1)।

4— वे परिपत्तियाँ जो प्रतिदिन 2000 किलो लीटर से अधिक अपशिष्ट जल उत्पन्न करती हैं तो उसमें एक विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली स्थापित की जाय ताकि संपत्ति में एकत्र अपशिष्ट जल का उपचार किया जा सके। संपत्ति के मालिक द्वारा बागवानी/ पलशिंग के लिए उपचारित अपशिष्ट जल का पुनरुपयोग किया जाय ताकि ताजे पानी पर निर्भरता कम हो।

### अध्याय-III

#### ऑनसाइट स्वच्छता प्रणालियाँ

**4— मालिक या अभिग्राही के कर्तव्य और अनुपालन—** निकाय के दायरे में स्थित किसी भवन या उसके हिस्से का मालिक या अभिग्राही, जैसा भी मामला हो, इन उपविधियों के लागू होने की तारीख से निम्नलिखित दायित्वों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

1— उपविधियों के अनुसार प्राधिकार द्वारा जारी सूचना में निर्दिष्ट समय के भीतर वह ऐसे भवन में इंसेनिटरी लेट्रिन्स उपयोग को बन्द कर देंगे और निकटवर्ती सामान्य नालियों या खुले भूखण्ड या जल निकायों के सभी निर्गम को भी बन्द कर देंगे तथा अपने स्वामित्व वाले या अपने उपयोग किये जाने वाले भवनों में केवल सेनिटरी लेट्रिन्स का निर्माण, संचालन और उनका रखरखाव करेंगे।

#### 5— ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और रखरखाव—

1— ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और उनकी स्थापना 'आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2' के प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा, या इसके समय-समय पर किये गये संशोधित प्रावधान अथवा नगर पालिका परिषद् लोनी या राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा जारी किसी अन्य स्वीकृत उपयुक्त अभियांत्रिकी कार्य संहिता द्वारा संशोधित किया गया हो।

2— ओएसएस से जुड़ी संपत्ति के मालिक/निवासी ऐसे ओएसएस से निकलने वाले फीकल स्लज के अनुरक्षण, रखरखाव और सुरक्षित निस्तारण के लिए जिम्मेदार होंगे।

3— परिसर का मालिक नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा निर्धारित लागत के भुगतान पर नियमित आधार पर (प्रत्येक 2-3 वर्ष में) फीकल स्लज साफ करने का काम करेगा। (अथवा जैसा कि परिशिष्ट 2 में सुझाया गया है)।

4— परिसर का मालिक सुनिश्चित करेगा कि कंटेनमेंट संयन्त्र के खराब या दोषपूर्ण निर्माण के कारण फीकल स्लज के खुली जगहों में या नाली में गिरने से पर्यावरण प्रदूषित नहीं हो।



5— परिसर के मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेप्टिक टैंक को लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पालिका परिषद् लोनी के प्रशिक्षित स्वच्छता कर्मियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ यांत्रिक रूप से साफ किया जाता है और हाथ से सफाई ना हो।

6— नियमों के पालन के लिए नगर पालिका परिषद् लोनी या उसके अधिकृत प्रतिनिधि को ही परिसर का निरीक्षण करने का अधिकार है। नगर पालिका परिषद् लोनी समय-सीमा के भीतर अपने खर्चे पर अपशिष्ट जल प्रबन्धन और निस्तारण से सम्बन्धित नियम उल्लंघन की स्थिति में सुधार/संशोधन के लिए परिसर के मालिक के लिए चेतावनी जारी कर सकता है।

7— नगर पालिका परिषद् लोनी अपने विवेक पर, गैर-अनुपालन प्रणालियों के रेट्रोफिटिंग/सुधार के लिए सम्पत्ति मालिकों को प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है और वैकल्पिक प्रणालियों का सुझाव देने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों को शामिल कर सकता है।

#### अध्याय-IV

### फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण और दुलाई के लिए लाइसेंस और पंजीकरण

#### 6— निकाय द्वारा जारी किया जाने वाला लाइसेंस—

1— नगर पालिका परिषद् लोनी वर्तमान में अपनी प्रशासनिक सीमाओं में फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने की सेवाएँ प्रदान करने वाले निजी ऑपरेटरों के स्वामित्व वाले या किराये पर लिये गये वैक्यूम टैंकरों को पंजीकृत करेगा।

2— नगर पालिका परिषद् लोनी अपने कर्मियों सहित आपरेटरों के लिये आईईसी और क्षमता निर्माण गतिविधियाँ करेगा, जहां उन्हें फीकल स्लज एवं सेप्टेज को सुरक्षित तरीके से खाली करने और दुलाई के लिये उपयुक्त तरीके से इस्तेमाल करने के लिए जागरूक और प्रशिक्षित किया जायेगा। यह प्रशिक्षण पंजीकरण की तिथि के 1 महीने के भीतर किया जायेगा।

3— जब ऑपरेटर को लगे कि वह लाइसेंसिंग के मानदण्डों के अनुपालन में सफल है, तो वह इन उपविधियों के फॉर्म 1 (परिशिष्ट-4) की मदद से इसके लिए आवेदन कर सकता है। इसे प्रशिक्षण के पूरा होने के 2 महीने से अधिक नहीं बढ़ाया जायेगा।

4— नगर पालिका परिषद् लोनी ऑपरेटर द्वारा अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज निकालने और फीकल स्लज एवं सेप्टेज की दुलाई के लिए लाइसेंस जारी करेगा।

5— इन विनियमों के फॉर्म 2 (परिशिष्ट-5) में निर्धारित प्रारूप के अनुसार लाइसेंस जारी किया जायेगा, और यदि इसे पहले रद्द नहीं किया जाता है तो जारी होने की तिथि से एक वर्ष के लिए वैध होगा, और अवधि समाप्त होने पर निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा नियमों और शर्तों की पूर्ति के अधीन नवीकरणीय होगा।

#### 7— लाइसेंस जारी करने की शर्तें—

(i) लाइसेंस हासिल करने के पात्र आवेदक का अर्थ इन उपविधियों के खण्ड 2(xxix) में परिभाषित "व्यक्ति" से होगा।

(ii) आवेदक को उचित सक्शन/वैक्यूम और डिस्चार्जिंग व्यवस्था के साथ रिसाव-मुक्त, गंध और छिलकाव रहित परिवहन वाहन का मालिक होना चाहिये या ऐसा वाहन उसे किराये पर लेना चाहिये।

(iii) नगर पालिका परिषद् लोनी में परिचालन के लिये वाहन का परिवहन विभाग द्वारा जारी वैध परमिट या पंजीकरण प्रमाण-पत्र होगा।

(iv) आवेदक अपने वैक्यूम टैंकर को नगर पालिका परिषद् लोनी के साथ पंजीकृत करेगा।

(v) आवेदक का यह उत्तरदायित्व होगा कि उसके स्वामित्व वाले/किराये पर लिये गये वैक्यूम टैंकर इन विनियमों के खण्ड 16 में दिये गये मानदंडों को पूरा करते हैं।

(vi) आवेदक का यह भी उत्तरदायित्व होगा कि नगर पालिका परिषद् लोनी या उसके द्वारा किराये पर ली गई एजेंसी द्वारा इस उद्देश्य के लिये नियुक्त कर्मी पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित हैं।

(vii) आवेदक द्वारा कर्मियों को सुरक्षा उपस्कर और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों से लैस रखा जायेगा, जो कि सुरक्षित रूप से फीकल स्लज निकालने, उसकी ढुलाई करने और अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करने के लिये आवश्यक हैं। जरूरी पीपीई इस उपविधि के परिशिष्ट-3 में दी गई सूची के अनुसार होगा।

**8— लाइसेंस के लिये आवेदन—** फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने, परिवहन और निपटान हेतु लाइसेंस प्राप्त करने के लिये आवेदन एफएसएस का निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया जायेगा, जो इन उपविधियों के फॉर्म 1 के रूप में संलग्न है, जिसमें नियमों और शर्तों सहित ऐसे दस्तावेजों के साथ जैसा कि निकाय के नामित अधिकारी (परिशिष्ट-4 देखें) द्वारा निर्धारित किया गया हो। नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा सत्यापन एवं प्रशिक्षण के बाद ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का संग्रहण, परिवहन एवं निपटन का लाइसेंस ऑपरेटर को दिया जायेगा (फॉर्म-2, परिशिष्ट-5)।

**9— लाइसेंस के लिये आवेदन करने हेतु आमंत्रण—** लाइसेंस के लिये आवेदन करने हेतु नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा संभावित आवेदकों को आमंत्रित करते हुये समय-समय पर अपनी वेबसाइट पर और प्रमुख समाचार-पत्रों तथा अन्य प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक विज्ञापन दिया जायेगा।

**10— लाइसेंस के लिये पंजीकरण शुल्क—** नये निजी ऑपरेटरों (फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाला) के लिये लाइसेंस प्रदान करने हेतु पंजीकरण पूरा करने के लिये समय-समय पर नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा निर्धारित पंजीकरण शुल्क (10.1 देखें) लिया जा सकता है। यह शुल्क लौटाया नहीं जायेगा और इसका भुगतान इलेक्ट्रॉनिक या नगद स्वरूप में किया जा सकता है।

#### 10.1—पंजीकरण के शुल्क और वैधता—

(i) ऑपरेटर के रूप में नये निजी ऑपरेटरों को पंजीकृत कराने हेतु पंजीकरण शुल्क रु0 2,500/—

(ii) पंजीकरण की वैधता— पंजीकृत निजी ऑपरेटर, लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क जमा करके अधिकतम 01 वर्षों तक शहर को अपनी सेवा दे सकता है। यदि निजी ऑपरेटर लाइसेंस नवीनीकरण करने में विफल रहता है तो उसका पंजीकरण स्वतः रद्द हो जायेगा और यदि वह शहर की सीमाओं में फीकल स्लज हटाने वाली सेवाओं को फिर से शुरू करना चाहता है तो उसे पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

(iii) लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क रु0 1,500/—

**11— लाइसेंसधारी ऑपरेटर का विज्ञापन—** नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा समय-समय पर अपनी वेबसाइट के साथ-साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लाइसेंसशुदा ऑपरेटर का व्यापक विज्ञापन दिया जायेगा।

**12— जागरूकता अभियान—** इन उपविधियों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई, ढुलाई और निस्तारण हेतु नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा लोगों को केवल लाइसेंसधारी ऑपरेटर को शामिल करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक बनाने का अभियान चलाये जायेगा।

## अध्याय-V

**फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निष्कासनधसंग्रहण (डीस्लजिंग) और परिवहन (ढुलाई)**

13— संपत्ति के मालिक या अभिग्राही द्वारा केवल लाइसेंसधारी ऑपरेटर को काम पर रखा जायेगा।

(i) भवन के प्रत्येक मालिक/अभिग्राही का यह दायित्व होगा कि वह फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई के लिये नगर पालिका परिषद् लोनी के लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा प्रशिक्षित सफाई कर्मियों की ही सेवायें लें।

(ii) मालिक/अधिभोगी डीस्लजिंग सेवा से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी ऑपरेटर को प्रदान करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

**14— फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी/ढुलाई का शुल्क—**

(i) समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई का शुल्क निकाय के नामित अधिकारी द्वारा अधिसूचित किया जायेगा (परिशिष्ट 2 देखें)।

(ii) शहर में जब कभी नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा "शेड्यूल्ड डीस्लजिंग" पालन करने का फैसला किया जाता है, तो फीकल स्लज निकासी शुल्क को 'सफाई शुल्क' से बदल दिया जायेगा या इसे संपत्ति/जल कर में शामिल किया जा सकता है, जिसे नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जायेगा।

(iii) लाइसेंस धारी ऑपरेटर सम्पत्ति के मालिक/अभिग्राही से निकाय द्वारा समय-समय पर अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि नहीं वसूलेगा।

(iv) फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी और ढुलाई कार्य के लिये अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि मांगने पर लाइसेंस धारी ऑपरेटर का लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा और इन उपविधियों के उल्लंघन के लिये निर्धारित जुर्माना लगाया जायेगा।

**15— फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई के वाहन—**

(i) फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई कार्य केवल लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पालिका परिषद् लोनी के प्रशिक्षित सफाई कर्मियों द्वारा ही किया जायेगा।

(ii) आवश्यक शर्तों के पूरा नहीं होने पर भी वैक्यूम टैंकर को 1 वर्ष की अवधि के लिये पंजीकृत कराया जा सकता है। ऐसी स्थिति में, सम्बन्धित ऑपरेटर को निश्चित समय सीमा के भीतर वैक्यूम टैंकर को समुन्नत अपग्रेड करना चाहिये।

(iii) डीस्लजिंग वाहनों का परिचालन फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित और कुशल ढुलाई के लिये समय-समय पर नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा चिह्नित निर्दिष्ट मार्गों पर ही किया जायेगा।

(iv) ऑपरेटर को जारी लाइसेंस की एक प्रति और नगर पालिका परिषद् लोनी वाहन का पंजीकरण नंबर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई हेतु प्रयुक्त वाहन पर स्पष्टता से प्रदर्शित किया जायेगा।

(v) वाहन/टैंकर को पीले रंग से पेंट किया जायेगा जिस पर लाल रंग में (सावधानी के लिये) "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखा होगा।

(vi) फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई में प्रयुक्त प्रत्येक वाहन में जीपीएस उपकरण (निकाय द्वारा प्रदत्त) लगाया जायेगा और इसका एक्सेस अधिकार [नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी] और ऐसे वाहनों की ट्रैकिंग के लिये निकाय द्वारा अधिसूचित एजेंसी के पास होगा।

**16— दुलाई के दौरान सावधानी—** लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि निस्तारण के लिये डीस्लजिंग स्थल से अधिसूचित स्थान तक दुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज से कोई रिसाव या छलकाव न हो।

**17— दुर्घटना की स्थिति में बचावकारी उपाय—** फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिये किसी भी खतरे से बचने के लिये पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिये।

**18— दुर्घटना की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर की जिम्मेदारी—** किसी दुर्घटना या आपदा की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर किसी भी व्यक्ति, वाहन, संपत्ति या पर्यावरण को होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान के लिये पूर्ण जिम्मेदार होगा और ऐसे में यदि किसी प्राधिकारी अथवा न्यायालय द्वारा पीड़ितों/उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को किसी प्रकार के क्षति शुल्क या मुआवजा प्रदान किये जाने का निर्णय दिया जाता है तो उसका भुगतान उसे ही करना होगा।

**19— नियुक्त कर्मियों के लिये सुरक्षा उपाय—** हाथ में रखकर इस्तेमाल होने वाले गैस-डिटेक्टर, गैस-मास्क, सुरक्षा उपकरण, ऑक्सीजन-सिलेंडर के साथ ऑक्सीजन-मास्क और प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स आदि के प्रावधान सहित सभी सुरक्षा उपाय तथा प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 में निर्दिष्ट ऐसे अन्य उपाय उपलब्ध कराने के लिये लाइसेंसधारी ऑपरेटर जिम्मेदार होगा।

## **20— फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण—**

(i) लाइसेंसधारी ऑपरेटर नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करेगा।

(ii) लाइसेंस धारी ऑपरेटर इन उपविधि के फॉर्म 3 में निर्धारित विधिवत हस्ताक्षरित फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और निस्तारण फॉर्म, जो विधिवत रूप से भरा गया और हस्ताक्षरित हो, अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिये नामित निकाय के अधिकारी के पास जमा करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

(iii) होस्ट यूएलबी ये सुनिश्चित करेगा की उपचार सुविधा पर यूएलबी क्लस्टर या ग्राम पंचायत का पंजीकृत ऑपरेटर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करे।

## **21— निकाय (उपचार सुविधा वाले) के अधिकार—**

(i) निकाय किसी पास के निकाय या ग्राम पंचायतों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) (परिशिष्ट-7, फॉर्म-4) पर हस्ताक्षर करेगा और इसके तहत केंद्र पर उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देने के लिये होस्ट यूएलबी बन जायेगा।

(ii) नगर पालिका परिषद् लोनी होस्ट यूएलबी से जुड़े यूएलबी क्लस्टर की सीमा के अन्दर काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटर को उपचार सुविधा के परिचालन अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क और निर्दिष्ट अवधि के दौरान प्रतिबन्धित किये गये वितरण मार्गों के बारे में सूचित करेगा।

(iii) नगर पालिका परिषद् लोनी वैक्यूम टैंकर की गुणवत्ता और रख-रखाव का निरीक्षण करेगा और उनपर नियंत्रण रखेगा।

(iv) संग्रहीत किये जाने वाले और उपचार सुविधा पर ढोये जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा किया जायेगा।

(v) होस्ट यूएलबी अन्य क्लस्टर यूएलबी या ग्राम पंचायत को फीकल स्लज एवं सेप्टेज की उस स्वीकार्य मात्रा के बारे में जानकारी देगा जिसे "उपचार सुविधा" में निस्तारित किया जा सकता है।

(vi) एमओयू अवधि के किसी भी समय, यदि "होस्ट यूएलबी" को लगे कि क्लस्टर यूएलबी/ग्राम पंचायत से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निस्तारित नहीं किया जा सकता है, तो ऐसी स्थिति आने से पहले होस्ट यूएलबी कम से कम 15 दिन पहले इसकी सूचना देगा।

## 22— निकाय (बिना उपचार सुविधा वाला) के कर्तव्य—

(i) निकाय या ग्राम पंचायत [जिनके पास उपचार सुविधा नहीं है उस निकाय का नाम] होस्ट यूएलबी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगा और होस्ट यूएलबी के पास उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण के लिये क्लस्टर यूएलबी का सदस्य बनेगा।

(ii) निकाय या ग्राम पंचायत (जिनके पास उपचार संयन्त्र नहीं है) अपने प्रशासनिक क्षेत्र में काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटरों को उपचार सुविधा की कार्य अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क (यदि कोई हो) निकाय द्वारा निर्धारित निर्दिष्ट घंटों के दौरान विशिष्ट आपूर्ति मार्ग के जानकारी देंगे।

(iii) यदि निकाय होस्ट यूएलबी के क्लस्टर यूएलबी की स्पष्ट सीमा में नहीं है, तो निकाय उपचार के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिये राज्य के पास पहुंच सकता है और फीकल स्लज एवं सेप्टेज के लिये एक अंतरिम निस्तारण स्थल विकसित कर सकता है।

(iv) नगर पालिका परिषद् लोनी विनिर्दिष्ट वाहनों की गुणवत्ता और रख-रखाव का निरीक्षण करेगा और उन पर नियंत्रण रखेगा।

(v) होस्ट यूएलबी संग्रहीत किये जाने और निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक ढोये जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण करेगा।

(vi) यदि "होस्ट यूएलबी" की क्षमता क्लस्टर यूएलबी के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निबटाने के लिये कम पड़ जाता है, तो नगर पालिका परिषद् लोनी को एक नए "होस्ट यूएलबी" की खोज करनी चाहिये या नए "उपचार सुविधा" के निर्माण के लिये केंद्र के पास अनुरोध भेजना चाहिये।

**23— कर्मियों का प्रशिक्षण—** लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण में तैनात कर्मचारियों के सर्वाधिक प्रशिक्षण के लिये उत्तरदायी होगा।

**24— कर्मियों की नियमित स्वास्थ्य जांच—** यह सुनिश्चित करने का दायित्व लाइसेंसधारी ऑपरेटर का होगा कि प्रत्येक नियुक्त कर्मी का साल में कम से कम एक बार स्वास्थ्य जांच होनी चाहिये और उसका रिकॉर्ड निकाय को दिया जना चाहिये, जिसमें विफल रहने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर को समय-समय पर अधिसूचित दण्ड का भुगतान करना पड़ सकता है।

**25— बीमा—** लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा काम पर रखे गये कर्मियों का प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 और 2003 की रिट याचिका संख्या 583 (सफाई कर्मचारी आंदोलन तथा अन्य बनाम भारत संघ तथा अन्य) में फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी, ढुलाई और निस्तारण की प्रक्रिया के दौरान दुर्घटना की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 27 मार्च, 2014 के आदेश के तहत पीड़ितों अथवा उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को दिये जाने वाले मुआवजे को कवर करने के लिये बीमा किया जायेगा।

**26— लाइसेंस रद्द किया जाना—** इन उपविधि सहित हाथ से मैला ढोने वालों के रूप में रोजगार निषेध और उनका पुनर्वास एक्ट, 2013 के किसी भी प्रवधान के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंसधारी ऑपरेटर समय-समय पर अधिसूचित दण्ड के भुगतान करने का भागी होगा, जिसमें लाइसेंस रद्द किया जाना और निष्पादन गारंटी का उपहार शामिल है जो शहरी स्वच्छता समिति (CSC) अथवा विनिर्दिष्ट अधिकारी (अधिकारियों) की सिफारिश के मुताबिक होगा।

## अध्याय-VI

### फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार और पुनः उपयोग/निस्तारण

#### 27— उपचार/निस्तारण स्थल की पहचान—

(i) नगर पालिका परिषद् लोनी उस स्थल (स्थलों) की पहचान करेगा और सूचित करेगा जहां लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पालिका परिषद् लोनी के प्रशिक्षित सफाई कर्मी द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार/निस्तारण किया जायेगा।

(ii) उपचार सुविधा के अभाव में नगर पालिका परिषद् लोनी आस पास के होस्ट यूएलबी जिसमें सुचारु उपचार सुविधा हो, उनके साथ समझौता ज्ञापन करके उसके सुविधा का इस्तेमाल करेगा (फॉर्म 4 परिशिष्ट-7)

(iii) फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण हेतु नगर पालिका परिषद् लोनी के आस-पास के क्षेत्र में "क्लस्टर यूएलबी" की अनुपस्थिति की स्थिति में, उपचार के बुनियादी ढांचे (खण्ड-28) के निर्माण तक एक अंतरिम निस्तारण योजना का विकल्प चुना जा सकता है।

**28— फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिये अवसंरचना का निर्माण—** नगर पालिका परिषद् लोनी जरूरी आधारभूत ढांचा तैयार करेगा (यदि अनुप्रयोज्य हो तो आदर्श उपचार संयन्त्र की व्यवस्था होने तक अंतरिम उपचार बुनियादी ढांचा भी) और पंजीकृत वाहनों द्वारा लाये गये फीकल स्लज एवं सेप्टेज के उपचार/निस्तारण की सुविधा के लिये अधिसूचित स्थल या स्थलों पर आवश्यक उपकरण प्रदान करेगा।

#### 29— फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिये कर्मचारियों की नियुक्ति—

(i) फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे सम्बन्धित उपचार सुविधा में स्थानांतरित करने के लिये नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों (लिंग तटस्थ) को नियुक्त किया जायेगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा है यानी होस्ट यूएलबी]

(ii) फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे अंतरिम "उपचार सुविधा" में स्थानांतरित करने या इसे "होस्ट यूएलबी" के "उपचार सुविधा" में भेजने के लिये निकाय प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त कर्मचारी (किसी भी लिंग का हो सकता है) नियुक्त करेगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा नहीं है यानी आप क्लस्टर यूएलबी का हिस्सा हैं]

**30— फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने का समय—** [निकाय (या फिर यदि लागू हो तो होस्ट यूएलबी)] द्वारा नियुक्त कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर समय-समय पर [निकाय (या होस्ट यूएलबी लागू हो)] द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त किया जायेगा।

**31— औद्योगिक अपशिष्ट जिनकी अनुमति नहीं है—** अधिसूचित स्थल पर औद्योगिक अपशिष्ट वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति नहीं दी जायेगी।

**32— फीकल स्लज एवं सेप्टेज पर प्रशिक्षण—** नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को अधिसूचित स्थल पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और उपचार/निस्तारण करने के लिये प्रशिक्षित किया जायेगा।

**33— उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज का दुबारा इस्तेमाल—** निकाय किसानों को अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज के कृषि अनुप्रयोग के स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेगा और उन्हें उपचार सुविधा से उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज इस्तेमाल करने को प्रोत्साहित करेगा।

## अध्याय-VII

## प्रशासन और प्रवर्तन

## 34— प्रशासन और प्रवर्तन—

(i) इन नियमों की प्रशासनिक और प्रवर्तक शक्तियाँ [नगर आयुक्त/अधिशाली अधिकारी] अथवा नगर आयुक्त/अधिशाली अधिकारी द्वारा विधिवत अधिकृत निकाय के अभिहित अधिकारी के पास रहेंगी।

(ii) नगर पालिका परिषद् लोनी फीकल स्लज की निकासी, ढुलाई या उपचार की सेवाये प्रदान करने के लिये समय-समय पर निर्धारित और अधिसूचित उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर फीस) लगा सकता है। लागत वसूली सुनिश्चित करने के लिये, उपयोगकर्ताओं को इन सेवाओं के लिये भुगतान करना होगा।

(iii) नगर पालिका परिषद् लोनी शहरी स्वच्छता समिति (CSC) का गठन करेगा जो निकाय प्रशासनिक क्षेत्र में समग्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज का पर्यवेक्षण और निगरानी सुनिश्चित करेगा।

(iv) नगर पालिका परिषद् लोनी फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी ढुलाई के लिये सुरक्षित तरीके सुनिश्चित करने के लिये एक इमरजेंसी रिसपॉस सैनिटेशन यूनिट (ईआरएसयू) नियुक्त करेगा।

**35— जांच के लिये विशेष शक्ति—** इन उपविधियों के प्रभावी तरीके से लागू करने और प्रवर्तन के उद्देश्य से, नगर पालिका परिषद् लोनी के पास किसी भी समय किसी भी परिसर में, परिवहन वाहनों और फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार सुविधा के निरीक्षण की शक्ति होगी।

## 36— नियम उल्लंघन और जुर्माना—

(i) इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने पर व्यक्ति को नियम अनुपालन के लिये नोटिस भेजा जायेगा।

(ii) किसी भी व्यक्ति पर इन नियमों के तहत दण्डात्मक प्रावधान लागू होंगे, यदि ऐसा व्यक्ति— (क) इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता है या उसका पालन करने में विफल रहता है, (ख) इन विनियमों के तहत किसी भी शक्ति के प्रयोग या किसी कर्तव्य निष्पादन में निकाय के एक अधिकृत अधिकारी या अन्य अधिकारी के काम में बाधा डालता है, या हस्तक्षेप करता है, (ग) किसी भी ओएसएस/सीवर की हाथ से फीकल स्लज निकासी की प्रक्रिया संचालित कराता है।

(iii) इन उपविधियों के प्रावधानों के उल्लंघन का दोषी पाये जाने वाले व्यक्ति को परिशिष्ट-8 में उल्लेखित राशि की सीमा तक दंडित किया जायेगा और उचित कानून के तहत मुकदमा चलाया जायेगा और जैसा भी मामला हो, दोषी पाये जाने की स्थिति में एफ एस एस निकासी/ढोने के वाहन भी जब्त हो सकता है।

(iv) जो कोई भी, किसी भी मामले में, जिसमें दण्ड परिशिष्ट-8 में स्पष्ट रूप से प्रदान नहीं किया गया है, दोषी पाया जाता है, समय-समय पर नगर पालिका परिषद् लोनी द्वारा तय किये जाने वाले जुर्माने के साथ दंडनीय होगा।

(v) संदेह दूर करने के लिये, यह घोषित किया जाता है कि इन उपविधियों की कोई भी बात किसी भी व्यक्ति को उस समय लागू किसी अन्य प्रासंगिक अधिनियम या इन उपविधियों के तहत दण्डनीय कोई कार्य के लिये या चूक के लिये उसके तहत मुकदमा चलाने, दंडित करने से नहीं रोकेगा।

**37— अपील—** निकाय के अधिकृत अधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति इन उपविधियों के तहत नगर आयुक्त/अधिशाली अधिकारी के पास इस तरह के निर्णय के विरुद्ध अपील (इन उपविधियों के फॉर्म 5 में संलग्न प्रारूप में) कर सकता है (परिशिष्ट-9 देखें)

**38— विवाद समाधान उपविधि—** इन उपविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में उत्पन्न किसी भी विवाद का समाधान केवल शहर नगर पालिका परिषद् लोनी के अधिकार क्षेत्र वाले सक्षम न्यायालय द्वारा भारतीय कानूनों के तहत किया जायेगा।

**39— फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन—** मानक प्रक्रिया का पालन करते हुये आवश्यकता पड़ने पर निकाय के पास फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन करने का अधिकार होगा।

**40— संदर्भ प्रलेख—** उपविधियों के क्रियान्वयन और लागू करने में सुविधा के लिये, इन विनियमों के परिशिष्ट-10 में प्रदान किये गये मानकों, रणनीतियों, मैनुअल, दिशा निर्देशों और नीतियों की एक सूची का संदर्भ लिया जा सकता है।

**41— डीस्लजर के लिये सम्मान/पुरस्कार—** अच्छे काम और व्यवहार के लिये निकाय समय-समय पर प्रेरित करने और समग्र प्रशंसा हेतु अच्छे प्रदर्शन के लिये फीकल स्लज निकासी (डीस्लजिंग) ऑपरेटरों के लिये सम्मान/पुरस्कार समारोह आयोजित कर सकता है।

**42— उपविधियों के लिये पूरक राज्य सरकार के निर्देश—** इन उपविधियों के प्रवर्तन में कठिनाइयों को दूर करने के लिये राज्य सरकार द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सम्बन्ध में निर्देश जारी किया जा सकता है।

### परिशिष्ट-1

#### (खण्ड 2(xxiii), 3(iii) और 5(i) देखें)

**सेप्टिक टैंक का डिजाइन—** सेप्टिक टैंक स्थापित करने के लिये बीआईएस कार्य संहिता प्रदान करता है (आईएस 2470 [भाग 1,]1985)। सेप्टिक टैंक के निर्माण के लिये यह कुछ मान्यताओं के आधार पर डिजाइन मानदण्ड प्रदर्शित करता है। छोटे और बड़े क्षेत्रों के लिये यह आबादी को ध्यान में रखते हुये डिजाइन इंस्टॉलेशन का विवरण प्रदान करता है। केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी संगठन, एमओएचयूए के अनुसंधान प्रभाग द्वारा प्रकाशित सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल के भाग ए में ओएसएस पर व्यापक डिजाइन मानक दिये गये हैं। प्रचलित और सुरक्षित साइट स्वच्छता के लिये इस खण्ड में तकनीकों के मानक डिजाइन बताये गये हैं। साथ ही, भारत में सेप्टिक टैंक को आमतौर पर काले पानी के लिये ही हाईलाइट किया जाता है।

#### सेप्टिक टैंक के विनिर्देशन—

- आयताकार— लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात— 2 से 4
- गहराई— 1.0 से 2.5 मी. के बीच
- दो कक्ष— पहला कक्ष कुल लम्बाई का 2/3
- तीन कक्ष— पहला कक्ष कुल लम्बाई का आधा
- मशीन-छेद (मैनहोल) प्रत्येक कक्ष के ऊपर
- निर्विवाद, टिकाऊ और स्थिर टैंक



## सेप्टिक टैंक का अनुशंसित आकार—

उपयोग कर्ता की सं०	लम्बाई	चौड़ाई	द्रव की गहराई (सफाई अन्तराल)
1	2	3	4
	मीटर—	मीटर—	मीटर— दो वर्ष
5	1.5	0.75	1.05
10	2	0.90	1.40
15	2	0.90	2.00
20	2.3	1.10	1.80

**नोट 1—** सेप्टिक टैंक का आकार कुछ अनुमानों (तरल प्रवाह) पर आधारित होता है, सेप्टिक टैंक के आकार का चयन करते समय सटीक गणना की जानी चाहिये। इस बारे में जानकारी के लिये, कृपया बीआईएस 2470 (भाग 1), 1985 देखें।

**नोट 2—** फ्री बोर्ड के लिये 300 मिमी का प्रावधान रखना चाहिये।

**स्रोत—** सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल भाग-ए, इंजीनियरिंग। सीपीएचईईओ, 2012

**सेप्टिक टैंक की क्षमता—** टैंक की क्षमता फीकल स्लज निकासी की अवधि को समझने में उपयोगी होती है, सेप्टिक टैंक की क्षमता मापने में निम्नलिखित प्रमुख बिंदु हैं—

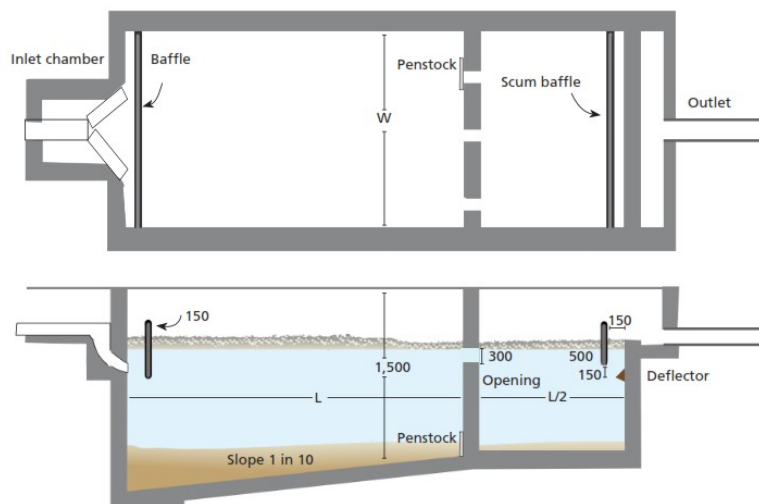
- अवसादन (सेडीमेंटेशन)— निलम्बित ठोस पदार्थों के पर्याप्त अवसादन के लिये प्रत्येक 10ली/मिनट की पीक दर से प्रवाह के लिये 0.92 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है। आम तौर पर, अवसादन क्षेत्र की गहराई 0.3 मीटर होती है।

- फीकल स्लज डाइजेशन— डेएजेशन जोन की क्षमता प्रति कैपिटा 0.032 होनी चाहिये।

- फीकल स्लज और मल भण्डारण: फीकल स्लज सफाई के 1 साल के अन्तराल के लिये, एक फीकल स्लज भण्डारण क्षमता  $0.0002 \times 365 = 0.073 \text{ m}^3/\text{कैपिटा}$  की आवश्यकता होती है।

फ्री बोर्ड— कम से कम 0.3 मी०

## सेप्टिक टैंक का मानक डिजाइन



All measurements in millimetres (mm)  
Source: Manual on Sewerage and Sewage Treatment—Part A: Engineering, CPHEEO, 2012

**परिशिष्ट-2**

(खण्ड 14 (i) और 5 (iii) देखें)

नगर पालिका परिषद् लोनी में फीकल स्लज निकासी और सेप्टेज की ढुलाई सेवा के लिये उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर फीस) की सूची (अनुमानित)

क्रम सं०	श्रेणी (प्रकार)	शुल्क की सीमा प्रथम ट्रिप	शुल्क की सीमा द्वितीय ट्रिप, तृतीय ट्रिप एवं अन्य ट्रिप
1	2	3	4
		रुपये—	रुपये—
1	<b>मिनी टैंकर (500 लीटर)</b>		
	क— आवासीय भवन (कच्चा/पक्का)	1,000 / —	500 / —
	ख— व्यवसायिक प्रतिष्ठान व सभी प्रकार के भवनों के लिये	1,000 / —	500 / —
	<b>सक्शन मशीन (3000 / 4000 लीटर)</b>		
		2,500 / —	2,000 / —
2	<b>क— आवासीय भवन (निजी/सरकारी)</b>		
	ख— होटलों/बड़े प्रतिष्ठानों के लिये	3,000 / —	2,500 / —

**स्रोत—** सेप्टेज प्रबन्धन के लिये उत्तराखण्ड राज्य प्रोटोकॉल 2022 से एक संदर्भ लिया गया है।

**नोट 1—** उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर फीस) की इन सीमाओं में निकाय द्वारा समय-समय पर संशोधन किया जा सकता है।

2— उपरोक्त श्रेणियाँ प्रति 500 से 400 लीटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज सेप्टेज की निकासी पर आधारित हैं। रेंज की ऊपरी सीमा पर विचार करना चाहिये जब अन्य कचरे (पॉलीबैग की उच्च संख्या, निस्तारण किये गये कपड़े, सैनिटरी पैड, डायपर, कन्डोम, प्लास्टिक की बोतलें, अन्य कचरे) को भी व्यापक तरीके से डाला गया हो।

**परिशिष्ट-3**

(खण्ड-7 (vii) देखें)

**बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण—**

कार्य स्थल पर निम्नलिखित बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होने चाहिये—

1— शरीर के सुरक्षा वस्त्र मुख्य रूप से पॉलिएस्टर से बने होते हैं, जो रिपलेक्टिव होते हैं और रासायन गिरने से शरीर की रक्षा करते हैं

2— शरीर की रक्षा सज्जा/सुरक्षा बेल्ट

3— सर्जिकल फेस मास्क/रेस्पिरैटर जो धूल, धुएँ, धुंध और जीवाणुओं आदि से बचाता है

4— सेफ्टी टॉर्च

5— भारी रसायन प्रतिरोधी दस्ताने जो यांत्रिक बचाव और खतरनाक सामग्री के छलक कर गिरने से अतिरिक्त सुरक्षा देते हैं और ब्यूटाइल के बने होते हैं

6— संक्रामक पदार्थों को आंखों में जाने से रोकने के लिये रासायनिक छींटे झेलने की क्षमता वाले सेप्टी गॉगल्स

7— टॉर्च के साथ लगे सेप्टी हेलमेट (कॉर्डेड) जो अंधेरे में काम करने के लिये मददगार होता है

8— दुबारा इस्तेमाल होने वाला इयरप्लग, जो एक लचीले बैंड से अच्छी तरह जुड़ा होता है जिसे जरूरत न होने पर गर्दन के चारों ओर पहना जा सकता है। ये सिलिकॉन के बने होने चाहिये और वैक्यूम टैंकरों के आसपास उपयोगी होते हैं जहां औसत ध्वनि स्तर 85dBa से अधिक होता है।

9— आपातकालीन मेडिकल ऑक्सीजन पुनर्जीवन किट Q

10— गैस मॉनीटर

11— हेड लैंप

12— गाइड पाइप सेट

13— सेप्टी ट्राइपॉड सेट

14— वेडर बूट

16— एयर कंप्रेसर और ब्लोअर

17— मॉड्यूलर एयरलाइंस सप्लाय ट्रॉली सिस्टम

18— रेनकोट

#### परिशिष्ट-4

(खण्ड 6 (iii) और 8 देखें)

नगर निगम/नगर पालिका परिषद्.....

Registration form for Private Desludging Operator

फीकल स्लज एवं  
सेप्टेज निकालने  
वाले ऑपरेटर  
ठेकेदार का निकाय  
मोहर के साथ एक  
पासपोर्ट साइज  
फोटो चिपकायें

फॉर्म 1—निकाय नगर पालिका परिषद् लोनी में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, परिवहन और निपटान के लिये लाइसेंस आवेदन-पत्र

1— आवेदक का नाम (श्री/सुश्री): .....

2— पता: .....

3— पंजीकृत कार्यालय का पता .....

4— टेलीफोन नम्बर: (कार्यालय) .....(मो.).....

ईमेल आईडी:.....

## 12

संख्या	वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर	वाहनों का प्रकार (ट्रैक्टर—माउंटेड या ट्रक माउंटेड)	प्रतिरूप (मॉडल) संख्या	वैक्यूम टैंकरों/ टैंकर की छमता (लीटर में)	बीमा किस तारीख तक वैध है	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
1						
2						
3						
4						

## 7— लाइसेंस की प्रॉसेसिंग फीस के भुगतान का विवरण—

नकद .....

(रसीद संख्या)

## 8— संलग्न प्रलेखों की सूची (स्व-प्रमाणित प्रति) (हां/नहीं)

दस्तावेज के प्रकार	हाँ/नहीं	दस्तावेज के प्रकार	हाँ/नहीं	दस्तावेज के प्रकार	हाँ/नहीं
1	2	3	4	5	6
पहचान प्रमाण		पता प्रमाण		कर्मचारियों की सूची	
पंजीकरण प्रमाण- पत्र		फिटनेस सर्टिफिकेट		बीमा और पॉलिसी अनुसूची के प्रमाण-पत्र	
प्रदूषण प्रमाण-पत्र		ड्राइविंग लाइसेंस		पासपोर्ट साइज फोटो	

## अनुलग्नकों की कुल संख्या—

मैं/हम प्रमाणित करते हैं कि मेरे/हमारे द्वारा कॉलम 1 से 8 में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि मैंने संलग्न नियमों और शर्तों को पढ़ और समझ लिया है और उनका पालन करने के लिये सहमत हूँ। मैं सहमत हूँ कि यदि मेरे द्वारा दी गई कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है तो लाइसेंस के लिये आवेदन किसी भी समय रद्द करने के लिये उत्तरदायी रहूँगा।

आवदेक के हस्ताक्षर

दिनांक—.....

**नियम और शर्तें—**

1— फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जायेगा और ढुलाई की जायेगी।

2— निर्दिष्ट उपचार संयन्त्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिये शुल्क यूएलबी द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जायेगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/सम्पत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।

3— फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिये अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जायेगा।

4— लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयन्त्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।

5— फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिये किसी भी खतरे से बचने के लिये पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिये।

6— अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयन्त्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।

7— फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिये उपयोग किये जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जायेगी।

8— वाहन/टैंकर कर को पीले रंग से पेंट किया जायेगा जिस पर लालरंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखा होगा।

9— निर्दिष्ट उपचार संयन्त्र सप्ताह में 06 दिनों पर 09:00 am से 06:00 pm तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिये।

10— प्रभावी सफाई सेवायें प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिये तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिये लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।

11— उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिये उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जायेगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिये निर्धारित दण्ड का भुगतान करने के लिये भी उत्तरदायी होगा।

**परिशिष्ट-5**

खण्ड 6 (v) और 8 देखें

**लाइसेंस प्रारूप**

नगर निगम/नगर पालिका परिषद्

फीकल स्लज एवं  
सेप्टेज निकालने  
वाले ऑपरेटर  
ठेकेदार का निकाय  
मोहर के साथ एक  
पासपोर्ट साइज  
फोटो चिपकायें

**फॉर्म 2—** फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण हेतु लाइसेंस प्रदान करना

**नगर पालिका परिषद् लोनी** में फीकल स्लज एवं सेप्टेज मल-कीचड़ और सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण के लिये लाइसेंस

इसके द्वारा अनुमति दी जाती है—

1— आवेदक का नाम: (श्री/सुश्री):.....

2— पत्राचार का पता:.....

3— निकाय (नगर निगम/नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायत) का नाम) में फीकल स्लज/सेप्टेज प्रबन्धन सेवायें प्रदान करने के लिये लाइसेंस संख्या:.....

4— मान्यता .....से ..... तक

5— वाहन (वाहनों) का रजिस्ट्रेशन नंबर: (i) ..... (ii) .....  
(iii) ..... (iv) ..... लाइसेंस,  
लाइसेंस धारक द्वारा पिछले पृष्ठ में बताई गई शर्तों के अनुपालन के अधीन होगा।

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

### नियम और शर्तें

1— फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जायेगा और ढुलाई की जायेगी।

2— निर्दिष्ट उपचार संयन्त्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिये शुल्क यूएलबी द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जायेगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/संपत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।

3— फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिये अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जायेगा।

4— लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयन्त्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।

5— फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिये किसी भी खतरे से बचने के लिये पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिये।

6— अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयन्त्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।

7— फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिये उपयोग किये जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जायेगी।

8— वाहन/टैंकर को पीले रंग से पेंट किया जायेगा जिस पर लाल रंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखा होगा।

9— निर्दिष्ट उपचार संयन्त्र सप्ताह में 06 दिनों पर 09:00 am से 06:00 pm तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिये।

10— प्रभावी सफाई सेवाएं प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिये तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिये लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।

11— उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिये उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जायेगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिये निर्धारित दण्ड का भुगतान करने के लिये भी उत्तरदायी होगा।

**परिशिष्ट-6**

(खण्ड 13 (ii), 20 (ii) देखें)

**फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड**

फॉर्म 3— फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड नगर पालिका परिषद् लोनी में मल कीचड़ और सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड बनाये रखने के लिये

दिनांक.....समय.....

**1— ऑनसाइट सिस्टम के मालिक का विवरण—**

नाम.....

पता.....

(क)— वार्ड सं०.....

(ख)— मोबाईल नम्बर.....

**2— रोकथाम—**

1 निर्माण का वर्ष.....

2 पिछला कीचड़ निकालना (MM/YYYY).....

3 आऊटलेट मौजूद (हां/नहीं).....

4 यदि हां तो किससे जुड़ा है.....

5 रोकथाम के प्रकार (चेकबॉक्स में उपयुक्त विकल्प चुनें)

रोकथाम के प्रकार	सही करें	रोकथाम के प्रकार	सही करें
1	2	3	4
सेप्टिक टैंक टिवन		टिवन पिट (पंक्तिबद्ध)	
संग्रह टैंक		टिवन पिट (अनलाइन)	
सोख्ता गडढे के साथ		पूरी तरह से अटे टैंक	
सेप्टिक टैंक			
सिंगल पिट (लाइनेड)		सिंगल पिट (आनलाइन)	

6— रोकथाम का आकार और आकार:नियंत्रण का प्रकार नियंत्रण का प्रकार टिक करें।

7— संपत्ति के भीतर रोकथाम का स्थान (चेकबॉक्स में नीचे उपयुक्त विकल्प चुनें)

घर में स्थान	सही करें	घर में स्थान	सही करें
1	2	3	4
घर के पिछले हिस्से में		एक कमरे के फर्श के नीचे	
घर के सामने की तरफ		अन्य	

**3- कीचड़ साफ करना-**

- 1- फीकल स्लज एवं सेप्टेज की मात्रा (लीटर).....
- 2- कीचड़ निकालने में लगने वाला समय.....
- 3- ट्रिप की लम्बाई (किमी).....
- 4- आने जाने में समय .....

**4- कीचड़ साफ करने वाले सेवा प्रदाता का विवरण-**

आपरेटर का नाम.....

ड्यूटी पर खाली स्टाफ FSSTP ऑपरेटर.....

ड्यूटी पर टेक सफाई स्टाफ के

हस्ताक्षर

उपचार सुविधा ऑपरेटर का

हस्ताक्षर

**परिशिष्ट-7**

(खण्ड 21 (i) और 27 (ii) देखें)

**होस्ट यूएलबी तथा बिना उपचार संयन्त्र वाले निकाय के बीच समझौता ज्ञापन प्रारूप-**

फॉर्म 4- "होस्ट यूएलबी" पर उपलब्ध "उपचार संयन्त्र" में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति के लिये समझौता ज्ञापन।

होस्ट निकाय के उपचार संयन्त्र पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति हेतु निकाय(नगर निगम/नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायत) और होस्ट निकाय (नगर पालिका परिषद् लोनी) के बीच समझौता ज्ञापन के लिये फॉर्म फीकल स्लज एवं सेप्टेज एवं सेप्टेज प्रबन्धन के तहत, एक्सवाइजेड निकाय(संपर्क करने वाले निकाय का नाम) की प्रशासनिक सीमाओं के भीतर घरों, सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों के नियंत्रण से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज और सेप्टेज (फीकल स्लज एवं सेप्टेज) के सुरक्षित निस्तारण हेतु जरूरी शर्तें पूरा करने के लिये, "होस्ट यूएलबी" (नगर पालिका परिषद् लोनी) के प्रशासन के तहत "उपचार संयन्त्र" पर, समझौता।

प्रथम पक्ष "होस्ट यूएलबी" (नगर पालिका परिषद् लोनी)

द्वितीय पक्ष "एक्सवाइजेड यूएलबी" (संपर्क करने वाले निकाय का नाम)

**उपबन्ध-**

1- यह कि "प्रथम पक्ष" दिनांक दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) से दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) तक "द्वितीय पक्ष" की प्रशासनिक सीमाओं से उनके "उपचार संयन्त्र" पर आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देगा।/वर्ष (अंतिम तिथि)

2- "प्रथम पक्ष" अपने प्रशासनिक क्षेत्र से आने वाले भार से समझौता करने से बचने के लिये अपने "उपचार संयन्त्र" पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की दैनिक अनुमत मात्रा की जानकारी देगा।

3- यह कि "द्वितीय पक्ष" समझ के अनुसार "प्रथम पक्ष" को फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण के प्रति खेप टिपिंग शुल्क के रूप में रु0.....देने के लिये सहमत है।



4— यह कि “प्रथम पक्ष” उपचार सुविधा के संचालन का समय, अनुमत पहुंच मार्ग, फीकल स्लज एवं सेप्टेज की अनुमत मात्रा, उपचार सुविधा का रख रखाव बंद आदि आवश्यक विवरण समय-समय पर साझा करेगा।

5— कि उपरोक्त कार्यों को करते समय बीच में आने वाली किसी भी कठिनाई को दोनों पक्ष मिलकर सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाएँ।

6— कि “द्वितीय पक्ष” केवल लाइसेंसधारी फीकल स्लज निकासी ऑपरेटर को प्रथम पक्ष की उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति देगा।

7— प्रथम पक्ष उपचार सुविधा में उनके लाइसेंस पर “द्वितीय पक्ष” की मुहर के साथ लाइसेंसधारी ऑपरेटर का प्रवेश सुनिश्चित करेगी।

### परिशिष्ट—8

#### जुर्माना और फाइन

क्रम सं०	विवरण	खण्ड संख्या	सांकेतिक फाइन सीमा	जुर्माना (रु० या किसी अन्य पीनल एक्शन में)
1	2	3	4	5
			रु०	
1.1	नाला/सड़क/खुले क्षेत्र में अपशिष्ट जल का सीधा/असुरक्षित प्रवाह	3	50—100	
1.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	3	50—100	
1.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	3	10—15 प्रतिदिन	संपत्ति की जब्ती
2.1	ओएसएस का अवैज्ञानिक डिजाइन और निर्माण	5	100—150	
2.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	5	100—150	
2.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	5	10—15 प्रतिदिन	संपत्ति की जब्ती
3.1	बिना निकाय पंजीकरण के वैक्यूम टैंकर परिचालित करना	6	50—100	
3.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6	50—100	
3.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6	150—200 प्रतिदिन	वाहन की जब्ती
4.1	आकस्मिक बिखराव में भाग लेने के लिये गैर-अनुपालन	16,17	1,000—1,500	
4.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	16, 17	1,000—1,500	
4.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	16, 17	300 प्रतिदिन	वाहन की जब्ती

1	2	3	4	5
			रु0	
5.1	एसटीपी से अनुपचारित FSS प्रवाहित करना	27, 28, 33	,5000—10,000	
5.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	27, 28, 33	5,000—10,000	
5.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	27, 28, 33	1,000—1,500	संपत्ति की जब्ती प्रतिदिन
6.1	निकाय द्वारा अधिसूचित स्थल के अलावा अन्य स्थल पर अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रवाहित करना	6, 7, 14, 27, 28, 29	5,000—10,000	
6.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6, 7, 14, 27, 28, 29	5,000—10,000	
6.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6, 7, 14, 27, 28, 29	1,500—2,000	वाहन की जब्ती प्रतिदिन

**नोट—** जुर्माने और जुर्माने की उपरोक्त तालिका पर नगर स्वच्छता समिति के सदस्यों के बीच पहले चर्चा की जानी चाहिये। शहर में यूएलबी जिस स्तर की सख्ती का पालन करना चाहता है, उसके आधार पर इसे समय-समय पर संशोधित भी किया जा सकता है।

### परिशिष्ट-9

#### अपील हेतु ज्ञापन

#### (खण्ड 37 देखें)

**फॉर्म 5—** अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन, अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन का फॉर्म, "अपीली प्राधिकार के पास

.....(पदनाम)

1— आवेदक का पूरा नाम.....

2— आवेदक का पूरा पता.....

3— नगर पालिका अधिकारी, का विवरण, जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई—

नाम.....पद.....

4— उस आदेश के प्राप्त करने की तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गई—

5— अपील दायर करने की तारीख.....

6— सूचना विवरण

(क)– संक्षेप में अपील की विषय-वस्तु(जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, उसकी प्रति संलग्न करें) .....

(ख)– अपील का आधार (इनमें से किसी का विवरण अलग शीट में संलग्न किया जाना है) .....

### सत्यापन

मैं, .....(अपीलकर्ता का नाम) पुत्र/पुत्री/पत्नी.....  
एतद्वारा घोषित करता/करती हूँ कि अपील में दिये गये विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं और मैंने किसी भी तथ्य को छुपाया नहीं है।

अपीलकर्ता के हस्ताक्षर

स्थान.....तिथि.....

अनुसंलग्नक के रूप में जमा किये गये प्रलेख—

1.....

2.....

यहाँ फाड़े.....

### पावती

संख्या.....तिथि.....

अनुसंलग्नक फॉर्म के साथ प्राप्त अपील ज्ञापन.....

स्थान.....तिथि.....

अधिकृत अधिकारी की मुहर और हस्ताक्षर  
आदेश से (नगर पालिका परिषद्, लोनी)

अधिशाली अधिकारी,  
नगर पालिका परिषद्,  
लोनी गाजियाबाद।

## कार्यालय, नगर पंचायत जलालाबाद, शामली

31 जनवरी, 2025 ई0

सं0 1489/न0पं0ज0बाद/2024-25—उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-298 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत जलालाबाद, जनपद शामली द्वारा आहूत बैठक दिनांक 20 जुलाई, 2024 के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा में “विविध उपनियमावली 2024” बनायी गयी है। प्रस्तावित “विविध उपनियमावली 2024” को उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-301 के अन्तर्गत अपेक्षा अनुसार सभी नगर वासियों को आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किये जाने के उद्देश्य से नगर पंचायत जलालाबाद, कार्यालय के पत्रांक सं0-1449/न0पं0जला0/वि0उप0/2024 दिनांक 18 दिसम्बर, 2024 द्वारा प्रस्तावित “विविध उपनियमावली 2024” का प्रकाशन दैनिक जागरण एवं दैनिक पश्चिमी प्रान्त में दिनांक 19 दिसम्बर, 2024 में कराते हुए 30 दिन के भीतर आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किये गये थे। नियत अवधि के भीतर कोई भी आपत्ति एवं सुझाव नगर पंचायत जलालाबाद, कार्यालय में प्राप्त नहीं हुए। नगर पालिका अधिनियम 1916 के निहित प्राविधानों के अधीन यह घोषित किया जाता है कि उक्त “विविध उपनियमावली 2024” शासकीय गजट में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी समझी जायेगी।

### “नगर पंचायत जलालाबाद, विविध उपनियमावली 2024”

शासनादेश संख्या-2399/नौ-9-94-204(जनरल)/90 दिनांक 27 अक्टूबर, 1994 के अनुपालन में उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा-298 जो नगर पंचायत पर प्रवृत्त है, के अन्तर्गत नगर पंचायत जलालाबाद, जनपद शामली में “विविध उपनियमावली 2024” कहलायेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है—

#### 1— संक्षिप्त नाम एवं प्रसार—

1— यह उपविधि नगर पंचायत जलालाबाद, विविध उपविधि 2024 कहलायेगी। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित उपविधियों को सम्मिलित किया गया है—

1— अचल सम्पत्ति हस्तान्तरण (दाखिल-खारिज) के लेखा पर कर उपनियमावली-2024

2— विविध सेवा शुल्क रेगुलेशन उपनियमावली-2024

3— निर्माण एवं विध्वंस प्रबन्धन (निस्तारण) उपनियमावली 2024

2— यह उपविधि नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा एवं ऐसे संक्रमित क्षेत्रों में लागू होगी, जहाँ पर नगर पंचायत द्वारा आवश्यक सुविधायें यथा पेयजल, सड़क, जलनिकासी इत्यादि के बदले करारोपण किया गया है।

3— यह उपविधि गजट में प्रकाशन के दिनांक से लागू होगी।

4— उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 में दिये गये प्रावधान तथा समय-समय पर जारी किये गये विभिन्न शासनादेशों के प्राविधान इस नियमावली पर प्रभावी होंगे।

#### 2— परिभाषाएँ—

1— उपविधि से तात्पर्य अधिनियम के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके नगर पंचायत जलालाबाद, द्वारा बनायी गयी उपविधि से है।

2— अधिनियम से तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 से है।

3— नगर पंचायत से तात्पर्य नगर पंचायत जलालाबाद, से है।

4— अधिशासी अधिकारी से तात्पर्य नगर पंचायत जलालाबाद, के अधिशासी अधिकारी से है।

5— अध्यक्ष/प्रशासक से तात्पर्य नगर पंचायत जलालाबाद, के अध्यक्ष या प्रशासक से है।

6— कर/शुल्क का तात्पर्य विभिन्न उपनियमावलियों में वर्णित विभिन्न मदों पर लगाये गये कर/शुल्क से है।

7— सार्वजनिक क्षेत्र से तात्पर्य ऐसी जगह से है, जो किसी की निजी सम्पत्ति न हो और आम जनता के उपयोग-उपभोग के लिए खुला हो। चाहे ऐसी जगह नगर पंचायत में निहित हो अथवा नहीं।

8— संक्रमित क्षेत्र से तात्पर्य ऐसे क्षेत्र से है जो नगर पंचायत के अधिसूचित क्षेत्र में नहीं आते हैं। लेकिन वर्तमान में निकाय के आबादी क्षेत्र में होने के कारण ऐसे क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधायें जैसे-सड़क, नाला-नाली का निर्माण, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था इत्यादि नगर पंचायत जलालाबाद, द्वारा उपलब्ध करायी जा रही है, पर भी यह नियमावली लागू समझी जायेगी।

9— नगर पंचायत सेवक से तात्पर्य किसी ऐसे व्यक्ति से है, जो नगर पंचायत से वेतन प्राप्त करता है, और उसकी सेवा में हो।

10— विधवा से तात्पर्य मृतक की वैध रूप से विवाहिता पत्नी से है, जिनके विवाह का विघटन नहीं किया गया हो।

11— सम्पत्ति से नामांतरण (दाखिल-खारिज) से तात्पर्य ऐसे कार्य से है, जिसके द्वारा कोई जीवित व्यक्ति एक या अधिक अन्य जीवित व्यक्तियों को या स्वयं को अथवा स्वयं और एक या अधिक अन्य जीवित व्यक्तियों को वर्तमान में या भविष्य में सम्पत्ति को हस्तांतरित करता है।

12— 'बोर्ड' का तात्पर्य नगर पंचायत जलालाबाद, के निर्वाचित बोर्ड अथवा शासन द्वारा दी गयी व्यवस्था से है।

13— आपराधिक कृत्य से तात्पर्य किसी भी ऐसे कृत्य से है जो कि नगरपालिका अधिनियम 1916 अथवा इस उपविधि का उल्लंघन कर किया गया है।

14— 'दण्ड' से तात्पर्य आपराधिक कृत्य होने पर लगने वाला जुर्माना अथवा विधिक कार्यवाही से है।

15— 'शमन' से तात्पर्य आपराधिक दण्ड को पूर्णतः या आंशिक रूप से माफ अथवा कम करने से है।

16— अन्य बातों के रहते हुए अगर किसी शब्द की परिभाषा उपविधियों में प्रसारित नहीं है, तब उसका अर्थ उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 तथा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य अधिनियमों में दी गयी परिभाषा से लिया जायेगा।

**1— नगर पंचायत जलालाबाद, अचल सम्पत्ति हस्तान्तरण (दाखिल-खारिज) के लेखा पर कर उपनियमावली-2024**

**1— सक्षिप्त नाम एवं प्रसार—**

1— यह उपविधि नगर पंचायत जलालाबाद, अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के लेखों पर कर उपनियमावली-2024 कहलायेगी।

2— यह उपविधि नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा के अन्तर्गत स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के सभी लेखों पर प्रयुक्त होगी।

3— यह उपविधि गजट में प्रकाशन के दिनांक से लागू होगी।

4— कोई भी व्यक्ति जो नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा में स्थित अचल सम्पत्ति का हस्तान्तरण रजिस्टर्ड वसीयतनामा, लिखनामा, क्रय-विक्रय, दान-पत्र, हिबेनामा अथवा रहनामा द्वारा करायेगा, उस पर यह उपनियम प्रभावी होगा।

## 2— दाखिल-खारिज (नामान्तरण हेतु दिशा-निर्देश)—

1— कोई भी व्यक्ति जो भूमि अथवा भवन के स्वामी के रूप में अपना नाम नगर पंचायत अभिलेखों में दर्ज कराना चाहता है, उसे एक प्रार्थना-पत्र व समस्त दस्तावेज, जिन्हें नगर पंचायत द्वारा निर्धारित किया जाये, संलग्न करना अनिवार्य होगा।

2— सम्बन्धित व्यक्ति को रु0 50 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी प्रमाणित एक शपथ-पत्र देना होगा कि जिस भूमि, प्लॉट अथवा भवन का नाम वह नगर पंचायत अभिलेखों में दर्ज कराना चाहता है, वह शासकीय भूमि नहीं है और न ही उस भूमि, प्लॉट अथवा मकान पर किसी शासकीय विभाग अथवा अन्य कोई मामला किसी भी न्यायालय में विचाराधीन है।

3— नगर पंचायत द्वारा सभी प्रार्थना-पत्रों पर जॉचोपरान्त प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने पर दावा/आपत्ति प्राप्त करने की दृष्टि से किन्हीं दो स्थानीय समाचार-पत्रों में प्रकाशन कराया जायेगा। दाखिल-खारिज सूची को आम-जनता के अवलोकनार्थ एवं दावा/आपत्ति प्राप्त करने हेतु नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा किया जायेगा।

4— नामान्तरण (दाखिल-खारिज) करने से पूर्व सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को नगर पंचायत की ओर से एक नोटिस भी निर्गत की जायेगी, जिसकी न्यूनतम अवधि 30 दिन की होगी। यदि समाचार पत्रों में प्रकाशन तथा नोटिस निर्गत की 30 दिन की अवधि व्यतीत हो जाने पर भी कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो सम्बन्धित व्यक्ति का नाम नगर पंचायत अभिलेखों में दर्ज कर लिया जायेगा।

5— दाखिल-खारिज से पूर्व भूमि, प्लॉट अथवा भवन पर स्वामित्व सिद्ध करने की जिम्मेदारी सम्बन्धित व्यक्ति की होगी।

6— यदि प्लॉट, मकान अथवा भूमि पर नामान्तरण को लेकर सम्बन्धित पक्षों में किसी प्रकार का कोई विवाद होता है तो नगर पंचायत तब तक अभिलेखों में नाम दर्ज नहीं करेगी, जब तक सभी पक्षों में लिखित रूप में समझौता ना हो जाये अथवा अनिर्णय की स्थिति में सक्षम न्यायालय द्वारा नामान्तरण को लेकर अपना फैसला किसी के पक्ष में ना दे दिया गया हो।

7— यदि नामान्तरण से पूर्व अथवा पश्चात नामान्तरण को लेकर कोई शिकायत प्राप्त होती है अथवा विवाद की स्थिति बनती है तो नगर पंचायत को यह पूर्ण अधिकार होगा कि वह नामान्तरण को निरस्त कर दे।

8— यदि किसी शिकायत के आधार पर अथवा विवाद की स्थिति में नामान्तरण निरस्त होता है, तो दाखिल-खारिज के रूप में प्राप्त समस्त शुल्क नगर पंचायत के पक्ष में जब्त कर लिया जायेगा।

9— नगर पंचायत द्वारा दावा/आपत्ति की अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात तथा दस्तावेज की जांचोपरान्त संतुष्ट होने की दशा में नामान्तरण शुल्क के साथ प्रार्थना-पत्र को अधिशासी अधिकारी को अग्रसारित किया जायेगा। अधिशासी अधिकारी के आदेश के पश्चात सम्बन्धित व्यक्ति का नाम नगर पंचायत अभिलेखों में दर्ज कर लिया जायेगा।

10— क्रय की स्थिति में सम्बन्धित व्यक्ति का यह दायित्व होगा कि वह उपविधि में निर्धारित शुल्क के साथ प्रक्रिया का पालन कर 90 दिन के अन्दर नगर पंचायत अभिलेख में अपना नाम दर्ज करा ले। अन्यथा विलम्ब की स्थिति में रु0 200 विलम्ब शुल्क प्रतिवर्ष अलग से देय होगा।

11— जब यह संदेह उत्पन्न हो कि किसी भूमि अथवा भवन का मालिक कौन है ऐसी दशा में अधिशासी अधिकारी निश्चय करेगा कि किस हैसियत मालिक का नाम दर्ज किया जाय। अधिशासी अधिकारी का यह निर्णय तब तक लागू रहेगा जब तक कि सक्षम न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति विशेष के पक्ष में अपना निर्णय न दे दिया गया हो।

12— किसी भूमि अथवा भवन जिस पर कर लगाया गया हो यदि उसका स्वामी अपनी मिलकियत किसी दुसरे को हस्तांतरित करे तो उसके लिए यह आवश्यक होगा कि रजिस्ट्री होने अथवा कब्जा दिये जाने के 90 दिन के अन्दर हस्तान्तरण की लिखित सूचना नगर पंचायत को देकर इन्दाज करा ले।

13— ऐसी भूमि और भवन जिस पर कर देय हो उसके मालिक की मृत्यु पर मालिक के उत्तराधिकारी द्वारा 90 दिन के अन्दर लिखित प्रार्थना-पत्र देकर अपना नाम नगर पंचायत रिकार्ड में दर्ज करा लिया जाये अन्यथा कि स्थिति में वह विलम्ब दण्ड का भागी होगा।

14— अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के अवसर पर सम्बन्धित व्यक्ति/व्यक्तियों या जैसी भी स्थिति हो, के नगर पंचायत जलालाबाद, के लिए अचल सम्पत्ति के कुल मूल्य का 2% सब रजिस्ट्रार कार्यालय में जमा कराकर उसकी रसीद नगर पंचायत, कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी।

15— नाम परिवर्तन की किसी कार्यवाही में विलम्ब होने के कारण वसूली की प्रक्रिया स्थगित न की जायेगी।

16— कर के आंशिक छूट या वापसी पाने के लिए किसी भवन के मालिक जिसमें कई भवन हो कर निर्धारण के समय अधिशासी अधिकारी से प्रार्थना कर सकते हैं कि उनकी कुल सम्पत्ति पर कर लगाते समय हर भवन का वार्षिक मूल्य अलग-अलग अंकित कर लिया जाय।

17— वसीयत के आधार पर नामांकरण की दशा में वसीयत का रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है। यदि वसीयत निस्पादक की मृत्यु के पश्चात रजिस्ट्रीकृत की जाती है तो ऐसा वसीयत कानूनी दृष्टि से मान्य नहीं होगी। प्रत्येक वसीयत को दो साक्षियों द्वारा अनुप्रमाणन किया जाना चाहिए।

18— नगर पंचायत जलालाबाद की सीमा के अन्दर स्थित अचल सम्पत्ति का कोई भी हस्तांतरण/बन्धक तब तक वैध नहीं माना जायेगा जब तक की सम्पत्ति के कुल मूल्य की 2 प्रतिशत धनराशि सबरजिस्ट्रार कार्यालय में जमा न कर दी गयी हो।

19— सबरजिस्ट्रार कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा न होने की दशा में नगर पंचायत कोष में उक्त धनराशि नगद/चेक/बैंकड्राफ्ट/RTGS के माध्यम से जमा की जा सकती है।

**3— दाखिल-खारिज (नामान्तरण) का आधार— दाखिल-खारिज/नामान्तरण हेतु निम्न प्रकार से नगर पंचायत दस्तावेजों में कराया जा सकता है—**

1— रजिस्टर्ड वसीयत

2— दान-पत्र

3— बैनामा

- 4— विक्रय
- 5— बन्धक
- 6— पट्टा
- 7— विनिमय
- 8— पारिवारिक समझौता

#### 4— नामान्तरण (दाखिल-खारिज) हेतु दस्तावेज—

- 1— बैनामा अथवा दान-पत्र अथवा अन्य स्वामित्व सम्बन्धी दस्तावेज।
- 2— पंजीकरण शुल्क की रसीद।
- 3— प्रकाशन शुल्क की रसीद।
- 4— अन्य कोई दस्तावेज, जिसकी नगर पंचायत द्वारा मांग की जाये।

#### 5— नामान्तरण (दाखिल-खारिज) हेतु शुल्क—

- 1— पंजीकरण शुल्क — ₹0 200
- 2— प्रकाशन शुल्क — ₹0 1,000
- 3— पैत्रक सम्पत्ति हेतु नामान्तरण शुल्क — ₹0 1,000
- 4— दान-पत्र के आधार पर नामान्तरण शुल्क — ₹0 2,000

5— भूमि, प्लॉट या मकान क्रय की स्थिति में बैनामा के आधार पर नामान्तरण शुल्क-क्रय सम्पत्ति के कुल मूल्य का 1% की दर से शुल्क।

#### 6— नामान्तरण हेतु मार्गदर्शिका—

1— यदि किसी व्यक्ति द्वारा हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 5 के उल्लंघन में विवाह किया हो, तो ऐसा विवाह शून्य होगा और ऐसी विधवा उत्तराधिकारी होने के लिए हकदार नहीं होगी।

2— यदि किसी व्यक्ति की दो सह-विधवाएँ हैं तो उनमें से दोनों मिलकर एक अंश प्राप्त करेगी। इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति दो सह-विधवाओं और दो पुत्रों को छोड़कर मर जाता है, तो प्रत्येक पुत्र एक तिहाई अंश प्राप्त करेगा, जबकि सह-विधवाएँ शेष एक अंश संयुक्त रूप से प्राप्त करेगी।

3— यदि गोदना में के आधार पर दाखिल-खारिज हेतु आवेदन दिया जाता है और उक्त दस्तावेज साबित कर दिया जाता है, तो दत्तक पुत्र के पक्ष में दाखिल-खारिज का आदेश दिया जा सकता है।

4— दाखिल-खारिज हेतु बेटे का मतलब केवल वास्तविक बेटा नहीं है, बल्कि इसमें गोद लिया बेटा भी शामिल है।

5— यदि कोई व्यक्ति हिन्दू विवाह अधिनियम के प्राविधानों के उल्लंघन में विवाह करता है तो ऐसा विवाह शून्य है तथा ऐसे व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात पत्नी विधवा के रूप में उत्तराधिकार प्राप्त करने के लिए हकदार नहीं है।



6— ऐसी हिन्दू महिला जिसने पुनर्विवाह कर लिया है, वह अपने प्रथम पति से उत्पन्न पुत्र के लिए माता के रूप में सम्पत्ति का दावा कर सकती है।

7— यदि कोई विधवा अपने पति की मृत्यु के पश्चात पुत्र का दत्तक ग्रहण करती है, तो ऐसा पुत्र दत्तक ग्रहण की तारीख से सम्पत्ति में हित अर्जित करेगा।

**7— विशेष उपबन्ध—** दाखिल-खारिज हेतु शुल्क में प्रत्येक 5 वर्ष बाद 10% की वृद्धि स्वतः ही हो जायेगी। नगर पंचायत बोर्ड द्वारा 5 वर्ष से पूर्व भी आवश्यकतानुसार नामान्तरण शुल्क में वृद्धि की जा सकती है, किन्तु बिना अधिशासी अधिकारी की सहमति के नामान्तरण शुल्क में कटौती नगर पंचायत बोर्ड द्वारा नहीं की जा सकेगी।

**8— निरसन—** इस उपविधि के लागू होने के पश्चात इससे पूर्व लागू सभी शुल्क, देय प्रभार, उपविधियां निष्प्रभावी मानी जायेगी।

**9— दण्ड—** यदि कोई व्यक्ति इस उपविधि में दिये गये किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता है अथवा त्रुटिपूर्ण/कपटपूर्ण तरीके से नामान्तरण कराने में सफल हो जाता है अथवा नामांतरण होने के पश्चात कोई ऐसा तथ्य/शिकायत संज्ञान में आती है जो कि विधिक रूप से सही नहीं है तो अधिशासी अधिकारी द्वारा नामान्तरण को शून्य करते हुए अर्थदण्ड लगाया जायेगा, जो कि रु0 5,000 तक हो सकता है तथा नामांतरण हेतु दिये गये शुल्क को नगर पंचायत के पक्ष में जब्त कर लिया जायेगा।

**10— शमन—** इस उपविधि के उल्लंघन पर लगाये गये किसी भी दण्ड को पूर्णतः या आंशिक रूप से शमन करने हेतु अधिशासी अधिकारी सक्षम प्राधिकारी होगा। जिसका निर्णय अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

## 2— नगर पंचायत जलालाबाद, विविध सेवा शुल्क रेगुलेशन उपनियमावली-2024

### 1— संक्षिप्त नाम एवं प्रसार—

1— यह उपविधि नगर पंचायत जलालाबाद विविध सेवा शुल्क रेगुलेशन उपनियमावली 2024 कहलायेगी।

2— इसका विस्तार नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा एवं संक्रमित क्षेत्रों के अतिरिक्त उस सीमा तक होगा, जैसा कि इस उपविधि के प्रावधानों में निर्धारित किया जाये।

3— यह उपविधि गजट में प्रकाशन के दिनांक से लागू होगी।

### 2— महत्वपूर्ण प्रावधान—

1— नगर पंचायत जलालाबाद, इस उपविधि के द्वारा विविध सेवाओं के बदले कर/उपभोक्ता शुल्क/सेवा शुल्क का प्रावधान करती है।

2— इस उपविधि के लागू होने के पश्चात शुल्क की दरें वही होगी जो कि इस उपविधि में निर्धारित की जायेगी।

3— इस उपविधि के लागू होने के पश्चात नगर पंचायत जलालाबाद, द्वारा अपने द्वारा दी जा रही सेवाओं के बदले वर्तमान में जो सेवा शुल्क लिया जा रहा है, वह निष्प्रभावी हो जायेगा और शून्य समझा जायेगा।

4— अधिशासी अधिकारी यदि आवश्यक समझे तो किसी भी सेवा के बदले सुरक्षा की दृष्टि से सिक्योरिटी राशि जितनी वह उस सेवा के बदले उचित समझे, जमा करा सकता है।

5— नगर पंचायत कार्यालय में स्थित मेन हॉल की बुकिंग अधिशासी अधिकारी के विवेकाधीन होगी। मेन हॉल की बुकिंग हेतु अथवा बुकिंग को निरस्त करने हेतु अधिशासी अधिकारी का निर्णय अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

6— नगर पंचायत किसी भी ऐसे व्यक्ति को जो कि नगर पंचायत का बकायेदार हो, इस उपविधि में वर्णित किसी भी सेवा (जिसमें जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, नकल प्रमाण-पत्र एवं दाखिल-खारिज भी शामिल है) प्रदान करने से मना कर सकती है, जब तक की बकायेदार व्यक्ति या सेवा की माँग करने वाला व्यक्ति अथवा निकट सम्बन्धी (पिता, पुत्र, दादा व नजदीकी रिस्तेदार इत्यादि होने पर) उस निकट सम्बन्धी व्यक्ति द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, उस बकाया धनराशि को जमा कर, नो ड्यूज प्रमाण-पत्र प्राप्त न कर लिया हो।

7— किसी भी सुविधा/सेवा को प्राप्त करने हेतु नगर पंचायत कार्यालय में एक लिखित प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसके साथ नो ड्यूज प्रमाण-पत्र व सेवा शुल्क की रसीद संलग्न होगी। अधिशासी अधिकारी के सहमत होने की दशा में सम्बन्धित व्यक्ति को निर्धारित शुल्क लेकर सेवा प्रदान कर दी जायेगी।

8— नगर पंचायत द्वारा सिटी गार्डन बारात घर को जब तक नीलामी की प्रक्रिया अपनाकर एवं विहित शर्तों का निर्धारण कर शासकीय हित में नीलाम न कर दिया जाये, तब तक इस उपविधि में निर्धारित शुल्क को बुकिंग हेतु वसूल किया जायेगा।

9— नगर पंचायत सम्पत्ति की सुरक्षा की पूर्ण जिम्मेदारी सेवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति की होगी। यदि सेवा के दौरान नगर पंचायत की किसी भी सम्पत्ति को क्षति पहुँचती है, तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी सेवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति की होगी।

### 3— नगर पंचायत द्वारा दी जा रही सेवायें एवं सेवा शुल्क—

क्र० सं०	सेवायें / सुविधायें	प्रस्तावित शुल्क	
		नगर पंचायत सीमा व संक्रमित क्षेत्र	1 मील नगर पंचायत सीमा से बाहर
1	2	3	4
		रु०	रु०
1—	पानी का टैंकर (पेयजल हेतु) प्रतिफेरा ट्रैक्टर सहित	500	1,000
2—	पानी का टैंकर (पेयजल हेतु) प्रतिफेरा बिना ट्रैक्टर	400	800
3—	पानी का टैंकर (पेयजल हेतु) 12 घण्टे हेतु (एक बार)	800	1,00

1	2	3	4
		रु०	रु०
4—	पानी का टैंकर (पेयजल हेतु) प्रतिफेरा धार्मिक आयोजन, सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम, सरकारी आयोजन इत्यादि	निःशुल्क	निःशुल्क
5—	पानी का टैंकर (निर्माण कार्य हेतु) प्रतिफेरा ट्रैक्टर सहित	700	1200
6—	पानी का टैंकर (निर्माण कार्य हेतु) प्रति फेरा बिना ट्रैक्टर	500	800
7—	पानी का टैंकर (निर्माण कार्य हेतु) 12 घण्टे हेतु	1,000	1,500
8—	जे०सी०बी० मशीन (प्रति घण्टा)	1,200 अथवा 600 प्रति घण्टा व तेल अतिरिक्त।	1,500 अथवा 800 प्रति घण्टा व तेल अतिरिक्त।
9—	जे०सी०बी० मशीन सामाजिक, सांस्कृतिक व सरकारी कार्य हेतु	निःशुल्क, अधिशासी अधिकारी की लिखित अनुमति से।	निःशुल्क, अधिशासी अधिकारी की लिखित अनुमति से।
10—	पोकलैन मशीन (प्रतिघण्टा) (तेल अतिरिक्त)	1,000 व ट्राला ले जाने हेतु ट्रैक्टर-ट्राला भाड़ा अतिरिक्त, जैसा अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाये।	नगर पंचायत द्वारा निर्धारित शुल्क व विहित शर्तों पर अनुबन्ध के अनुसार।
11—	ट्रैक्टर-ट्राली	नगर पंचायत द्वारा परिस्थिति जन्य पर निर्धारित शुल्क पर	नगर पंचायत द्वारा निर्धारित शुल्क व विहित शर्तों पर अनुबन्ध/ अनुमन्य के अनुसार
12—	बारात घर 12 घण्टे हेतु	5,100 अथवा नगर पंचायत द्वारा नीलामी प्रक्रिया में निर्धारित शुल्क व शर्तों के अनुसार	—
13—	नगर पंचायत कार्यालय मेन हॉल (अधिशासी अधिकारी की सहमति होने पर)	2,500/इसमें जनरेटर, कुर्सी, साउंड इत्यादि का शुल्क उक्त सम्पत्ति के प्रयोग करने पर अलग से देय होगा।	—

1	2	3	4
		रु0	रु0
14—	नगर पंचायत कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम अथवा निजी कार्य हेतु 500 नियंत्रणधनीन कैमरों हेतु सेवा शुल्क (अधिकासी प्रतिघण्टा, शासकीय कार्य अधिकारी की सहमति पर) हेतु निःशुल्क		—
15—	शौचालय के प्रयोग हेतु	शौच हेतु 10 यूरिनल निःशुल्क	—
16—	नकल जारी करने हेतु (प्रति वर्ष)	200	—
17—	मोबाइल टॉयलेट (4 सीटर) ट्रैक्टर सहित	1,500	2,000
18—	मोबाइल टॉयलेट (6 सीटर) ट्रैक्टर सहित	2,000	3,000
19—	मोबाइल टॉयलेट 4 सीटर व 6 सीटर क्रमशः (बिना ट्रैक्टर)	1,000 व 1,500	1,500 व 2,000
20—	कीटनाशक स्प्रे ट्रैक्टर (प्रति फेरा)	2,000	3,000
21—	जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र (21 दिन के अन्दर)	निःशुल्क	—
22—	जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र (21 दिन के बाद व 1 साल की अवधि के अन्दर)	100	—
23—	जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र (1 साल की अवधि के बाद) प्रतिवर्ष	100	—
24—	डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन (सामान्य आवास)	30 प्रतिमाह	—
25—	डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन (व्यावसायिक शुल्क)	100 प्रतिमाह	—
26—	डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन (विवाह स्थल)	1,000 प्रति आयोजन	—
27—	डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन (बल्क जनरेटर)	1,000 प्रतिमाह	—
28—	कैटल-कैचर	1,000 प्रतिदिन	1,500 प्रतिदिन
29—	एम्बुलेंस सेवा— नगर पंचायत की 1 मील की सीमा के अन्दर (सरकारी कार्य/आकस्मिक सेवा हेतु)	निःशुल्क	—
	सरकारी कार्य से भिन्न 1 मील की सीमा तक	200	—
	नगर पंचायत सीमा के बाहर जाने हेतु	500 व 10 प्रति कि०मी०	—
30—	सीवर सक्शन मशीन	3,000	5,000
31—	अन्य सेवायें	बाजार दर पर अथवा नगर पंचायत बोर्ड द्वारा निर्धारित दरों पर।	—

**4— निरसन—** इस उपविधि के लागू होने के पश्चात इससे पूर्व लागू सभी शुल्क, देय प्रभार, उपविधियां निष्प्रभावी मानी जायेगी।

**5— सक्षम प्राधिकारी—** इस उपविधि एवं उसके प्रावधानों को लागू कराने हेतु अधिशासी अधिकारी एवं उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति सक्षम प्राधिकारी होगा।

**6— दण्ड—** यदि कोई व्यक्ति इस उपविधि का उलंघन करता है अथवा इस उपविधि में प्राविधानित सेवा शुल्क को चुकाये बिना सेवा प्राप्त करता है तो वह दण्ड का भागी होगा, जो कि सम्बन्धित सेवा शुल्क के तीन गुने तथा अपराध निरन्तर जारी रखने की दशा में रु0 500 प्रतिदिन हो सकेगा। यदि उपविधि के उल्लंघन में किसी भी कर्मचारी की संलिप्तता अथवा लापरवाही परिलक्षित है तो सम्बन्धित कर्मचारी से सेवा शुल्क क्षति की दो गुने धनराशि के साथ विभागीय कार्यवाही की जा सकती है, जिसमें उसकी सेवा समाप्ति भी शामिल है। दण्ड का भुगतान न करने पर उसकी वसूली नगर पालिका अधिनियम 1916 के अध्याय-6 में दी गयी रीति से वसूल की जायेगी।

**7— शमन—** इस उपविधि के उलंघन पर लगाये गये किसी भी दण्ड को पूर्णतः या आंशिक रूप से शमन करने हेतु अधिशासी अधिकारी सक्षम प्राधिकारी होगा। जिसका निर्णय अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

**8— संशोधन—** यदि नगर पंचायत हित में अधिशासी अधिकारी का यह अभिमत प्राप्त होता है कि किसी विशेष सेवा अथवा समस्त सेवाओं के शुल्क में वृद्धि/कमी करना आवश्यक है तब अधिशासी अधिकारी अपने अभिमत के साथ बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखवायेगा। बोर्ड बैठक में उपस्थित सदस्य यदि बहुमत के साथ अभिमत से सहमत होते हुए प्रस्ताव पर अपनी सहमति देते हैं, तो उक्त शुल्क को प्रस्ताव में संशोधन की सीमा तक संशोधित माना जायेगा। यह संशोधित शुल्क तभी लागू माना जायेगा जब इसका दो स्थानीय समाचार-पत्रों में सक्षिप्त प्रकाशन करा दिया गया हो। इस संशोधित सूचना के लिये गजट में प्रकाशन की आवश्यकता नहीं होगी।

### **3— नगर पंचायत जलालाबाद, निर्माण, विध्वंस एवं प्रबन्धन (निस्तारण) उपनियमावली 2024**

#### **1— सक्षिप्त नाम एवं प्रसार—**

1— यह उपनियमावली नगर पंचायत जलालाबाद, निर्माण, विध्वंस एवं प्रबन्धन (निस्तारण) उपनियमावली 2024 कहलायेगी।

2— यह उपनियमावली नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा के अन्दर किये गये ऐसे सभी निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर लागू होगी, जो कि नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा के अन्दर किया जा रहा हो।

3— यह उपविधि गजट में प्रकाशन के दिनांक से लागू होगी।

#### **2— परिभाषायें—**

1— अधिनियम से तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 व पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 से है।

2— अर्थदण्ड/जुर्माना का तात्पर्य इस उपनियमावली के अन्तर्गत आरोपित अर्थदण्ड/जुर्माना से है।

3— निर्माण का तात्पर्य बिल्डिंग निर्माण के प्रोसेस, बिल्डिंग निर्माण सामग्री व सड़क, नाली, नाला आदि के निर्माण से है।

4— निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट का तात्पर्य बिल्डिंग/सड़क/नाला-नाली निर्माण से उत्पन्न, बिल्डिंग जीर्णोद्धार, मरम्मत, विध्वंस से उत्पन्न अपशिष्ट से है।

5— विध्वंस का तात्पर्य दैवीय आपदा से विध्वंस, मशीन/मजदूरों से तोड़े जाने पर विध्वंस व विस्फोटक पदार्थ से तोड़े जाने से है।

6— सेवा प्रदाता से तात्पर्य पेयजल आपूर्ति, सिवरेज, विद्युत विभाग, दूरसंचार, सड़क, नाली आदि के द्वारा कराये जाने पर उत्पन्न अपशिष्ट से है।

7— अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति अथवा प्रतिष्ठान अथवा आवासीय परिसरों इत्यादि से है जिसके द्वारा निर्माण कार्य के दौरान अपशिष्ट उत्पन्न किया जाता है।

### 3— अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता हेतु दिशा निर्देश—

1— प्रत्येक अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता प्राथमिक रूप से उत्पन्न अपशिष्ट के लिये जिम्मेदार होगा तथा इस उपनियमावली के प्रकाशन की दिनांक से कोई कार्य प्रारम्भ से पूर्व नगर पंचायत जलालाबाद, में निर्माण व विध्वंस से उत्पन्न अपशिष्ट निस्तारण के सम्बन्ध में अनुमति प्राप्त करेगा।

2— अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता जो 20 टन प्रतिदिन या 300 टन प्रतिमाह अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं उनके द्वारा अपने बाउण्ड्रीयुक्त स्थल में अपशिष्ट को पृथक-पृथक जैसी मिट्टी, स्टील, लकड़ी, प्लास्टिक, ईट व मोर्टार (कंकरीट) का प्रबन्धन प्लान निकाय कार्यालय में प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त करना होगा।

3— कोई भी अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता निकाय द्वारा उपलब्ध कराये गये स्थल पर निर्माण एवं विध्वंस से उत्पन्न अपशिष्ट को अनुमति लेकर निःशुल्क दे सकेगा, जो किसी भी दशा में वापस नहीं होगा। नगर पंचायत द्वारा हटवाये जाने पर अपशिष्ट उठाने से लेकर पहुँच एवं निस्तारण तक के खर्च का वहन अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता से लिया जायेगा।

4— नगर के भवन स्वामी अपने मकान निर्माण, मरम्मत, जीर्णोद्धार से उत्पन्न अपशिष्ट का निस्तारण स्वयं करेगा। यदि कोई भी व्यक्ति सड़क, सार्वजनिक स्थल पर अपशिष्ट डालते पाया जाता है, तो अर्थदण्ड/जुर्माना से दण्डित किया जायेगा।

5— सेवा प्रदाता द्वारा कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से 3 माह पूर्व नगर पंचायत से कार्य करने, उत्पन्न अपशिष्ट के निस्तारण के सम्बन्ध में अनुमति प्राप्त करेगा। अनुमति के समय उत्पन्न अपशिष्ट को रखने की व्यवस्था एवं उसके निस्तारण की समयबद्ध कार्य योजना भी प्रस्तुत करनी होगी।

6— निर्माण स्थल पर कार्य कराये जाने के पश्चात उत्पन्न अपशिष्ट हटाकर साइट क्लीन/पूर्व की भांति स्वच्छ करना होगा।

**4— ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन में चूक हेतु जुर्माना की दर—**

क्र० सं०	जुर्माना/अर्थदण्ड	जुर्माने की दर प्रतिदिन
1	2	3
		रु०
1—	बिना अनुमति कार्य प्रारम्भ किये जाने पर	रु० 20,000 प्रति व्यक्ति
2—	कार्य के उपरान्त कार्य स्थल पर उत्पन्न अपशिष्ट छोड़ने पर अथवा अपशिष्ट का निस्तारण न करने की स्थिति में	रु० 30,000 एवं निकाय द्वारा निस्तारण में आयें समस्त व्यय की धनराशि अलग से वसूल की जायेगी
3—	नगर पंचायत के ठेकेदार द्वारा सड़क, नाला, नाली का कार्य कराये जाने के उपरान्त मौके पर अपशिष्ट पाये जाने पर	रु० 10,000 व निकाय द्वारा अपशिष्ट निस्तारण में आयें व्यय की वसूली ठेकेदार के बिल से काट ली जायेगी।
4—	नगर पंचायत के अतिरिक्त कार्यदायी संस्थाओं द्वारा अपशिष्ट निस्तारण न करने की स्थिति में	निकायम द्वारा निस्तारण में आयें समस्त व्यय की धनराशि अलग से वसूल की जायेगी
5—	नगर के भवन स्वामी मकान निर्माण, मरम्मत, जीर्णोद्धार से उत्पन्न अपशिष्ट सड़क, सार्वजनिक स्थल पर डालने पर	1— रु० 1000 (10 कुंटल तक अपशिष्ट पाये जाने पर 2— रु० 5000 (10 कुंटल से 20 कुंटल तक अपशिष्ट पाये जाने पर

**5— विशेष उपबन्ध—** प्रत्येक 5 वर्ष के पश्चात उपरोक्त दरों में 10 प्रतिशत की वृद्धि स्वतः हो जायेगी।

**6— निरसन—** इस उपविधि के लागू होने के पश्चात निकाय द्वारा इसके सम्बन्ध में पूर्व में जारी समस्त नियम, उपनियम एवं आदेश निष्प्रभावी माने जायेंगे।

**7— दण्ड—** उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 299 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके नगर पंचायत जलालाबाद, शामली निर्देश देती है कि इस उपविधि का उल्लंघन करने वाला व्यक्ति दण्ड का भागी होगा जो कि उपरोक्तानुसार होगा और उल्लंघन जारी रहने की दशा में प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि अपराधी अपराध करता रहा है तो रु० 1,000 (एक हजार रुपये) प्रतिदिन अर्थदण्ड लिया जा सकता है।

**8— शमन—** इस उपविधि के अन्तर्गत लगाये गये किसी भी दण्ड को पूर्णतः या आंशिक रूप से शमन करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी में निहित होगा जो, कि अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

जितेन्द्र राणा,  
अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत जलालाबाद,  
जनपद शामली।

## कार्यालय, नगर पंचायत जलालाबाद, जनपद शामली

31 जनवरी, 2025 ई0

सं0 1489/न0पं0ज0बाद/2024-25—उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा-298 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत जलालाबाद, जनपद शामली द्वारा आहूत बैठक दिनांक 20 जुलाई, 2024 के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा में “भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024” बनायी गयी है। प्रस्तावित “भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024” को उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा-301 के अन्तर्गत अपेक्षा अनुसार सभी नगर वासियों को आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किये जाने के उद्देश्य से नगर पंचायत जलालाबाद कार्यालय के पत्रांक 1392/न0पं0ज0बाद/भ0नि0 एवं वि0उपविधि/2024 दिनांक 18 नवम्बर, 2024 द्वारा प्रस्तावित “भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024” का प्रकाशन दैनिक समाचार-पत्र अमर उजाला में दिनांक 20 नवम्बर, 2024 एवं हिन्दुस्तान समाचार-पत्र में दिनांक 19 नवम्बर, 2024 कराते हुए 30 दिन के भीतर आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किये गये थे। नियत अवधि के भीतर कोई भी आपत्ति एवं सुझाव नगर पंचायत जलालाबाद कार्यालय में प्राप्त नहीं हुए। नगरपालिका अधिनियम, 1916 के निहित प्राविधानों के अधीन यह घोषित किया जाता है कि उक्त “भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024” शासकीय गजट में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी समझी जायेगी।

### “नगर पंचायत जलालाबाद भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024”

शासनादेश संख्या-2399/नौ-9-94-204(जनरल)/90 दिनांक 27 अक्टूबर, 1994 के अनुपालन में उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1916 की धारा-298 जो नगर पंचायत पर प्रवृत्त है, के अन्तर्गत नगर पंचायत जलालाबाद, जनपद शामली में “भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024” कहलायेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है—

#### संक्षिप्त नाम एवं प्रसार—

- 1— यह उपविधि नगर पंचायत जलालाबाद, भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024 कहलायेगी।
- 2— यह उपविधि नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा के अन्तर्गत भवन, मार्ग व नाली के निर्माण को नियंत्रित एवं विनियमित करने हेतु लागू होगी।
- 3— इस उपविधि का प्रयोग नगर पंचायत बोर्ड द्वारा अपनी सीमा के अन्तर्गत भवनों का नियंत्रित व विनियमित करने तथा नगर पंचायत सीमा के बाहर 5 मील की दूरी तक किसी भी नाला या नाली के निर्माण को नियंत्रित व विनियमित करने हेतु किया जा सकेगा।
- 4— यह उपविधि नगर पंचायत बोर्ड की सहमत होने की दशा में नगर पंचायत सीमा से संलग्न चारों ओर उस दूरी तक किसी भी भवन, मार्ग या नाली के निर्माण को नियंत्रित व विनियमित करने की शक्ति नगर पंचायत को प्रदान करती है जहाँ तक नगर पंचायत द्वारा आवश्यक सेवाओं जिसमें सड़क व नाली निर्माण भी शामिल है के बदले ग्रहण कर जलकर या अन्य करो की वसूली की जाती है।
- 5— यह उपविधि गजट में प्रकाशन के दिनांक से लागू होगी।
- 6— उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 में दिये गये प्राविधान तथा समय-समय पर जारी किये गये विभिन्न शासनादेशों के प्राविधान इस नियमावली पर प्रभावी होंगे।



**परिभाषाएँ—**

1— अधिनियम से तात्पर्य उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास अधिनियम, 1965 (यथा संशोधित अधिनियम, 2008) एवं उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है।

2— परिवर्तन अथवा परिवर्धन से तात्पर्य भवन की संरचना में होने वाले किसी भी परिवर्तन अथवा परिवर्धन से है जिसके अंतर्गत दीवार, छज्जा, दरवाजा, खिड़की, छत इत्यादि सभी सम्मिलित है।

3— बेसमेंट से तात्पर्य भूतल से नीचे या अंशतः भूतल के नीचे के निर्माण से है।

4— अधिशासी अधिकारी से तात्पर्य नगर पंचायत जलालाबाद, के अधिशासी अधिकारी से है।

5— अध्यक्ष/प्रशासक से तात्पर्य नगर पंचायत जलालाबाद, के अध्यक्ष या प्रशासक से है।

6— बोर्ड से तात्पर्य नगर पंचायत जलालाबाद के निर्वाचित बोर्ड अथवा शासन द्वारा दी गयी व्यवस्था से है।

7— स्टिल्ट फ्लोर से तात्पर्य प्लिन्थ से खम्बों (पिलर्स) पर बनी हुई संरचना जो न्यूनतम तीन तरफ से खुली हो तथा पार्किंग के प्रयोजनार्थ अभिप्रेत हो, से है।

8— भवन का तात्पर्य किसी मकान झादक (शेड), छोपड़ी, बाड़ा या अन्य ढांचे से है चाहे पक्की ईंट, लकड़ी, धातु अथवा किसी अन्य पदार्थ से बना हो। चाहे उसका प्रयोग मनुष्य के रहने के लिए अथवा किसी अन्य कार्य के लिए किया गया हो और उसके अन्तर्गत कोई बरामदा चबुतरा मकान की कुर्सी जिन्ना देहेली दीवार जिसमें किसी उद्यान या कृषि भूमि जो किसी भवन से अनुलग्न न हो कि चार दीवारी से भिन्न किसी आहते की दीवार सम्मिलित है किन्तु इसके अन्तर्गत कोई तम्बु या अन्य कोई परिवहनीय अस्थायी आश्रय स्थल नहीं है।

9— “नक्शा नफीस/मानचित्रकार/ड्रॉफ्टमैन” का अभिप्राय नगर पंचायत जलालाबाद, के अनुज्ञा/लाइसेन्स प्राप्त मानचित्रकार/नक्शा नफीस से है।

10— “व्यवसायिक निर्माण” से तात्पर्य ऐसे निर्माण से है जो व्यापार, उद्योग या अन्य व्यवसायिक उपयोग हेतु निर्मित किया गया हो।

11— जनोपयोगी सेवा के निर्माण से तात्पर्य ऐसे निर्माण से है जो कि जनकल्याण किये जाने से होगा, जिसमें वृद्धा आश्रम व गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले व्यक्तियों के लिए निर्मित आवास से है।

12— शासकीय सम्पत्ति से तात्पर्य उस सम्पत्ति से है जिसका निर्माण उत्तर प्रदेश शासन अथवा केन्द्र सरकार के द्वारा अपने धन से नगर पंचायत जलालाबाद, की सीमा में किया गया हो, जिसमें अस्पताल, थाना व अन्य सरकारी विभागों के कार्यालय आदि के भवन से है।

13— “निवास ग्रह” से तात्पर्य ऐसे भवनों से है जिनका उपयोग तीर्थ यात्रियों को ठहरने के लिये अथवा यात्रियों के आवास के लिए निर्मित हो, से है।

14— खुले स्थान का तात्पर्य ऐसे भवन से है जो भू-खण्ड का अभिन्न भाग हो और आकाश तक खुला हो।

15— **स्वामी** से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसका भाग या भवन पर विधिक अधिकार हो अथवा किराया प्राप्त करता हो अथवा परिसर किराये पर होने की दशा में किराया प्राप्त करने का हकदार हो एवं इसमें निम्न भी शामिल होंगे।

1— कोई अभिकर्ता या व्यक्ति जो स्वामी की ओर से किराया प्राप्त करता हो।

2— कोई अभिकर्ता या व्यक्ति जो किराया प्राप्त करता हो या जिसे किसी भूमि या भवन का प्रबन्ध सुपुर्द किया गया हो जो धार्मिक या धर्मार्थ प्रयोजन के लिए हो।

3— किसी सक्षम प्राधिकार युक्त न्यायालय द्वारा नियुक्त कोई रिसीवर या प्रबन्धक जिसे परिसर में स्वामी के अधिकारों का प्रयोग करने का अधिकार दिया गया है।

16— **भू-खण्ड** का तात्पर्य भूमि के उस भाग से है जो चारों ओर निश्चित सीमाओं से घिरा हो।

17— **बाजार स्ट्रीट** का तात्पर्य सड़क के किनारे पंक्तिबद्ध (लीनियर) रूप में मिश्रित निर्माण से है।

#### **भवन के प्रकार—**

1— **आवासीय भवन**— आवासीय भवन के अंतर्गत वे भवन सम्मिलित होंगे जिनमें सामान्यता आवासीय प्रयोजन के प्राविधान सहित शयन सुविधा के साथ खाना बनाने तथा शौचालय की सुविधा हो। इसमें एक अथवा एक से अधिक आवासीय इकाई शामिल है।

2— **शैक्षिक भवन**— शैक्षिक भवन के अन्तर्गत वे भवन सम्मिलित होंगे जिनमें स्कूल, कॉलेज या प्रतिष्ठान जहाँ शिक्षण या प्रशिक्षण हेतु लोग जमा होते हों।

3— **संस्थागत भवन**— संस्थागत भवन के अन्तर्गत वे सभी भवन या भवनों के भाग सम्मिलित होंगे, जो ऐसे प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त हो यथा चिकित्सालय, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केन्द्र या अन्य उपचार या भौतिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल या दुर्बल शिशुओं की देखभाल, आरोग्य प्राप्ति के इच्छुक व्यक्तियों के रहने, वृद्ध व्यक्तियों अथवा दण्डात्मक रूप में या सुधार हेतु निरुद्ध व्यक्तियों के रहने का स्थान भी सम्मिलित हो। संस्थागत भवन में अस्पताल, सैनीटोरीयम, अभिरक्षा सम्बन्धी संस्थाएँ और दण्डात्मक संस्थाएँ यथा जेल, कारागार, मानसिक चिकित्सालय, सुधार गृह, अनुसंधान संस्थाएँ एवं अन्य उच्च स्तरीय संस्थाएँ भी सम्मिलित होंगी।

4— **असेम्बली भवन**— इसके अंतर्गत वे भवन या भवन का वह भाग सम्मिलित होगा जो जन समुदाय के लिए आमोद—प्रमोद, मनोरंजन, सामाजिक, धार्मिक, देशभक्ति, सिविल, ट्रैवल, तथा तत्सम्बन्धी प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त होता हो, उदाहरण स्वरूप नाट्य शाला, छविगृह, सामुदायिक भवन, प्रेक्षागृह, प्रदर्शनी भवन, पूजा स्थल, संग्रहालय, स्केटिंग, व्यायाम शाला, नृत्य गृह, क्लब, यात्री स्टेशन, वायु, थल अथवा अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के टर्मिनल्स, मनोरंजन पार्क, क्रीडा-स्थल।

5— **व्यवसायिक/वाणिज्यिक भवन**— इसके अंतर्गत वे भवन या भवन का वह भाग सम्मिलित होगा जो दुकानों, भण्डारण, बाजार, व्यवसायिक वस्तुओं के प्रदर्शन, थोक या फुटकर बिक्री, व्यवसाय से सम्बन्धित कार्य-कलाप, होटल, पेट्रोल पम्प, कन्वीनिएन्स स्टोर्स एवं सुविधाएँ जो व्यवसायिक माल की बिक्री से अनुषांगिक हो और उसी भवन में स्थित हो, सम्मिलित होंगे।

6— **कार्यालय भवन**— इसके अंतर्गत वे भवन या भवन का वह भाग सम्मिलित होगा जो किसी अभिकरण, संस्था, एवं प्रतिष्ठान के प्रशासनिक कार्यों के सम्पादन तथा लेखां एवं अभिलेखों के अनुरक्षण के लिए प्रयुक्त होता हो।

7— **औद्योगिक भवन**— इसके अंतर्गत वे भवन या भवन का वह भाग सम्मिलित होगा जिनमें किसी प्रकार के उत्पाद या सामग्री बनाई जाती हो, संयोजन के लिए हो या प्रक्रम (प्रोसेसिंग) किये जाते हो।

8— **संग्राहागार भवन**— इसके अंतर्गत वे भवन या भवन का वह भाग सम्मिलित होंगे जो मुख्यतः माल के संग्रहण या भण्डारण हेतु प्रयोग में आते हो, उदाहरणार्थ— वेयरहाउस, शीतगृह, फ्रीट डिपो, ट्रान्जिट शेड्स, स्टोर हाउस, हेंगर, ग्रेनएलीवेटर, धान्यागार (बार्न) और अस्तबल, आदि।

9— **बहुमंजिला भवन**— बहुमंजिला भवन का तात्पर्य भूतल सहित 4 मंजिल से अधिक भवन अथवा 15 मीटर से अधिक उंचाई के भवन से है।

**टिप्पणी**— वे शब्द या पद जो इस उपविधि में परिभाषित नहीं किये गये हैं, उनके वही अर्थ होंगे जैसा उन्हें अधिनियम/नेशनल बिल्डिंग कोड में निर्दिष्ट किया गया है।

विकास एवं निर्माण सम्बन्धी ऐसी अपेक्षाएं/प्रावधान जो इस उपविधि में नहीं हैं, के सम्बन्ध में नेशनल बिल्डिंग कोड तथा आई0एस0/बी0आई0एस0 के प्राविधानों का अनुपालन किया जायेगा।

**भवन निर्माण हेतु आवेदन**— आवेदक द्वारा भवन निर्माण से पूर्व एक आवेदन नगर पंचायत द्वारा निर्धारित फार्मेट पर निर्धारित शुल्क जमा करके चार सेट के साथ नगर पंचायत कार्यालय में जमा करना होगा।

**भवन निर्माण एवं विकास अनुज्ञा हेतु अनिवार्यतायें—**

1— समस्त मानचित्र नगर पंचायत द्वारा अनुज्ञापित व्यक्ति/ड्रॉफ्ट मैन्/मानचित्रकार अथवा अवर अभियन्ता द्वारा तैयार किये जायेंगे।

सूचनाएं एवं दस्तावेज—भवन निर्माण हेतु आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किये जायेंगे—

2— भू-खण्ड के स्वामित्व समर्थक दस्तावेज की प्रति।

3— आवेदक के स्वामित्व समर्थक दस्तावेज की प्रति या रजिस्ट्रीकृत विलेख।

4— कोई अन्य दस्तावेज जिसकी नगर पंचायतद्वारा मांग की जाये।

**भवन निर्माण हेतु अनिवार्यतायें अनुज्ञा से छूट—**

(क)— सामान्य निर्माण अपेक्षाओं, संरचना की स्थिरता और नेशनल बिल्डिंग कोड-2005 के भाग-4 के अनुसार अग्नि सुरक्षा की अपेक्षाओं विषयक उपविधियों का उल्लंघन न होने पर निम्नलिखित कार्य के लिए भवन निर्माण अनुज्ञा आवश्यक नहीं होगी, परन्तु विद्यमान भवन का पुनर्निर्माण, परिवर्तन एवं परिवर्धन जिसमें संरचनात्मक परिवर्तन यथा— कालम, बीम का निर्माण, नई लोड बियरिंग दीवार का निर्माण, नई स्लैब डालना, आदि निहित हो, में नेशनल बिल्डिंग कोड-2005 के भाग-4 के अनुसार अग्नि सुरक्षा का पालन अनिवार्य होगा—

1— ऐसे खिड़की या दरवाजे या रोशनदान का खोलना अथवा बन्द करना, जो किसी दूसरे की सम्पत्ति की ओर न खुलते हों।

2— आन्तरिक संचालन हेतु दरवाजे की प्राविधान।

3— न्यूनतम मापदण्डों का उल्लंघन न होने पर आन्तरिक विभाजन।

4— बागवानी।

5— सफेदी करना।

6— रंगाई करना।

7— पूर्व स्वीकृत आच्छादन पर पुनः टाईल्स लगाना।

8— पुनः फर्श निर्माण।

9— प्लास्टर करना या प्लास्टर की आंशिक मरम्मत।

10— अपनी भूमि पर 0.75 मीटर चौड़े सनशेड का निर्माण।

11— भवन उपविधियों में प्राविधानित मानकों के अनुसार पोर्टिकों/पोर्च का निर्माण।

12— सैप्टिक टैंक/सोक पिट का निर्माण।

13— हैण्ड पम्प लगाना।

14— निर्माण कार्य हेतु अस्थाई वाटर टैंक का निर्माण।

15— प्राकृतिक आपदा के कारण नष्ट हुए भवन को उस सीमा तक जिस सीमा तक नष्ट होने से पूर्व निर्माण था, का पुनर्निर्माण।

16— वर्षा जल के संचयन, संरक्षण एवं हार्वेस्टिंग हेतु आवश्यक संरचनाओं (भूमिगत वाटर टैंक सहित) का निर्माण।

17— वैकल्पिक सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने हेतु छत पर आवश्यक संरचनाओं का निर्माण।

(ख)— नगर के पुराने एवं निर्मित क्षेत्र में 100 वर्ग मीटर तक के भू-खण्डों पर आवासीय भवनों के निर्माण/पुनर्निर्माण व जीर्णोद्धार के लिए किसी प्रकार की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी, किन्तु प्रतिबन्ध यह होगा कि उसमें भवन उपविधि व अधिनियम के अनुसार सैट-बैक छोड़े गये हैं एवं निर्माण तीन मंजिल से अधिक न हो तथा अनाधिकृत रूप से विभाजित न हो।

**निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना—** अनुज्ञा के अधीन निर्माण प्रारम्भ करने पर उसकी सूचना नगर पंचायत द्वारा निर्धारित प्रारूप पर दी जायेगी।

**संरक्षित स्मारकों/हेरिटेज स्थलों के समीप निर्माण की अनुज्ञा—**

1— पुरातत्व विभाग द्वारा घोषित संरक्षित स्मारकों/हेरिटेज स्थलों की सीमा से 100 मीटर की परिधि के अन्दर निर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी तथा इसके पश्चात् 200 मीटर तक के क्षेत्र में किसी भी निर्माण हेतु पुरातत्व विभाग की अनापत्ति आवश्यक होगी।

2— संरक्षित स्मारकों के अतिरिक्त सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं वास्तुकलात्मक अभिकल्पन की धरोहर के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों/भवनों के आस-पास विकास/निर्माण की अनुज्ञा प्रदान करने हेतु नगर पंचायत समुचित शर्तें एवं प्रतिबन्ध निर्धारित कर सकती है।

**विभिन्न भवनों के निर्माण हेतु अपेक्षाएँ—****1— होटल निर्माण हेतु अपेक्षाएँ—****भू-खण्ड का क्षेत्रफल—**

1— भू-खण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर होगा जो आवासीय तथा गैर आवासीय तथा गैर आवासीय क्षेत्रों में न्यूनतम 18 मीटर चौड़े विद्यमान मार्ग पर स्थित होगा।

2— आवासीय क्षेत्र में अधिकतम तीन स्टार तक का होटल अनुमन्य होगा।

3— स्थानीय वाणिज्यिक केन्द्र में इससे कम क्षेत्रफल के भू-खण्ड पर भी होटल का निर्माण अनुमन्य होगा।

**सैट-बैक—** 10.5 मीटर तक उँचाई के भवनों के लिए सामने 9 मीटर, पीछे 3 मीटर तथा पार्श्व में 3-3 मीटर सैट-बैक होगा।

**अनुज्ञा की प्रक्रिया—** आवासीय क्षेत्रों में होटल के निर्माण की अनुज्ञा हेतु एक माह की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेंगे एवं उनके निस्तारण के उपरान्त स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति के दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

**2— नर्सिंग होम के निर्माण हेतु अपेक्षाएँ—**

**अनुमन्यता—** आवासीय एवं गैर आवासीय उपयोग में नर्सिंग होम की अनुमन्यता के लिए भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 300 वर्गमीटर होगा।

**भूखण्ड का क्षेत्रफल—** आवासीय क्षेत्र में नर्सिंग होम के लिए भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 300 वर्ग मीटर जो न्यूनतम 12 मीटर चौड़े विद्यमान मार्ग पर स्थित होगा तथा जिसका न्यूनतम फ्रन्टेज 12 मीटर होगा।

**शैय्याओं की संख्या—** भूखण्ड के क्षेत्रफल के आधार पर अधिकतम अनुमन्य शैय्याओं की संख्या निम्न तालिका के अनुसार होगी—

क्र०सं०	भू-खण्ड का क्षेत्र	शैय्याओं की संख्या
1	2	3
	वर्गमीटर—	
1—	300—400	10
2—	401—500	15
3—	500 से अधिक	20

**अनुज्ञा की प्रक्रिया—** आवासीय क्षेत्रों में नर्सिंग होम के निर्माण की अनुज्ञा हेतु एक माह की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेंगे एवं उनके निस्तारण के उपरान्त स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

**प्रभाव शुल्क—** आवासीय क्षेत्र में नर्सिंग होम अनुमन्य किये जाने पर 'प्रभाव शुल्क' (Impact Fee) लिया जायेगा जिसका निर्धारण समय-समय पर नगर पंचायत बोर्ड द्वारा किया जायेगा।

#### अन्य अपेक्षायें—

1— मेडिकल वेस्ट का निस्तारण अनिवार्य रूप से बायों मेडिकल वेस्ट (मैनेजमेन्ट एण्ड हैंडलिंग) रूल्स-1998 अथवा अन्य प्रभावी नियमों की अपेक्षानुसार सुनिश्चित किया जायेगा।

2— नर्सिंग होम में संक्रामक रोगों एवं छुआछूत सम्बन्धी बीमारियों का इलाज नहीं किया जायेगा।

#### 3— फार्म हाउस के निर्माण हेतु अपेक्षायें—

**प्रयोजन—** कृषि एवं बागबानी, सुअर पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन एवं अन्य पशु पालन इत्यादि।

**भू-खण्ड का क्षेत्रफल—** न्यूनतम 0.5 हेक्टेयर (5000 वर्ग मीटर)

**ऊँचाई का प्रतिबन्ध—** फार्म हाउस एक मंजिला होगा। स्थाई/अस्थायी निर्माण की अधिकतम ऊँचाई भूतल से 5.0 मीटर होगी।

#### सड़के—

1— फार्म हाउस के लिए पहुँच मार्ग की विद्यमान चौड़ाई न्यूनतम 9 मीटर होगी, जिसमें कम से कम 3.5 मीटर चौड़ा मार्ग 'पक्का' होगा।

2— यदि पहुँच मार्ग एक से अधिक फार्मों के लिए हो, तो पहुँच मार्ग की न्यूनतम चौड़ाई 12 मीटर होगी।

3— फार्म हाउस के अन्दर के मार्गों की चौड़ाई कम से कम 3.5 मीटर होगी जिससे फार्म हाउस के अन्दर स्थित विभिन्न भवनों को पहुँच मिल सके।

**वृक्षारोपण—** भूखण्ड के 50 प्रतिशत भाग पर वृक्षारोपण होगा जिसमें कम से कम 100 वृक्ष प्रति हेक्टेयर लगाये जायेंगे।

**विद्युत तथा अन्य सेवार्ये—** फार्म हाउस में बिजली, पानी की आपूर्ति तथा जल निकासी का प्रबन्ध भू-स्वामी द्वारा स्वयं किया जायेगा।

**सेप्टिक टैंक—** कुएं इत्यादि से सेप्टिक टैंक 15 मीटर दूरी पर होगा जिसमें भूमिगत जल प्रदूषित न हो। चारदीवारी से यह टैंक 4.5 मीटर दूरी पर होगा।

#### 4— पेट्रोल पम्प/फिलिंग स्टेशन के निर्माण हेतु अपेक्षार्ये—

**प्रयोज्यता—** पेट्रोल फिलिंग स्टेशन/पेट्रोल फिलिंग स्टेशन-कम-सर्विस स्टेशन हेतु अनुमन्य भू-आच्छादन के अन्तर्गत ग्राहकों की सुविधा के लिए अधिकतम 10 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 'कियास्क' (वाणिज्यिक उपयोग) अनुमन्य होगा।

1— पेट्रोल पम्प/फिलिंग स्टेशन तथा फिलिंग स्टेशन-कम-सर्विस स्टेशन न्यूनतम 24 मीटर चौड़े विद्यमान मार्ग पर स्थित होगा।

2— प्रत्येक पेट्रोल फिलिंग स्टेशन/पेट्रोल फिलिंग स्टेशन-कम-सर्विस स्टेशन हेतु न्यूनतम पार्किंग क्षेत्र 80 वर्ग मीटर होगा।

3— पेट्रोल फिलिंग स्टेशन/पेट्रोल फिलिंग स्टेशन-कम-सर्विस स्टेशन के भूखण्ड के निकट किसी प्रकार का ऐसा अवरोध नहीं होगा जिससे कि क्षेत्रीय मार्ग पर वाहनों का आवागमन पेट्रोल फिलिंग स्टेशन क्षेत्र के अन्दर प्रवेश करने वाले एवं बाहर निकलने वाले वाहनों का स्पष्ट रूप से दृष्टिगत न हो सके।

4— प्रत्येक पेट्रोल फिलिंग स्टेशन/पेट्रोल फिलिंग स्टेशन-कम-सर्विस स्टेशन में प्रवेश करने एवं बाहर निकलने के मार्गों की चौड़ाई न्यूनतम 9 मीटर होगी।

5— क्षेत्रीय मार्ग एवं पेट्रोल फिलिंग स्टेशन/पेट्रोल फिलिंग स्टेशन-कम-सर्विस स्टेशन के मध्य बफर स्ट्रिप की प्राविधान आवश्यक है, जो कम से कम 12 मीटर लम्बी एवं 3 मीटर चौड़ी होगी तथा सेट-बैक के अतिरिक्त होगी।

6— नियमानुसार अग्निशमन प्राविधान सुनिश्चित करना होगा।

7— अन्य प्राविधान जो भारतीय पेट्रोलियम तथा एक्सप्लोसिव अधिनियम द्वारा वांछित हों, लागू होंगे।

#### 5— एल0पी0जी0 गैस गोदाम हेतु अपेक्षार्ये—

**पहुँच मार्ग—** स्थल हेतु विद्यमान पहुँच मार्ग न्यूनतम 18 मीटर चौड़ा होगा।

**क्षेत्रफल—** भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर होगा।

**सेट बैक—** गैस गोदाम हेतु भू-खण्ड के चारों ओर 6.0 मीटर सेट-बैक होगा।

**भवन की ऊँचाई—** गैस गोदाम की न्यूनतम ऊँचाई 6 मीटर होगी तथा इसके ऊपर कोई निर्माण अनुमन्य नहीं होगा।

**संवातन—** तल क्षेत्रफल का न्यूनतम 10 प्रतिशत क्षेत्र संवातन हेतु खिड़कियों तथा वेन्टीलेटर्स, आदि के रूप में होगा।

**अन्य अपेक्षाएँ—**

1— गैस गोदाम अज्वलनशील सामग्री से निर्मित होंगे।

2— गैस गोदाम के निर्माण हेतु स्थानीय अग्निशमन विभाग तथा मुख्य नियन्त्रक, विस्फोटक का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।

**6—डेरीफार्म के निर्माण हेतु अपेक्षाएँ—**

**पहुँच मार्ग—** डेरी फार्म के लिये मुख्य मार्ग (राष्ट्रीय उच्च मार्ग/प्रान्तीय मार्ग/जनपदीय मार्ग) से पहुँच मार्ग की सुविधा न्यूनतम 9 मीटर चौड़े विद्यमान मार्ग से उपलब्ध होगी।

**भू-खण्ड का क्षेत्रफल तथा सेट-बैक—** डेरी फार्म हेतु भू-खण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 2000.00 वर्गमीटर होगा। पशुओं की संख्या के आधार पर भू-खण्ड का क्षेत्रफल व सेट-बैक निम्न तालिका के अनुसार होंगे—

पशुओं की संख्या	भू-खण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल	चारों ओर सेट बैक (मीटर)
1	2	3
वर्ग मीटर—		
25.00	2000.00	6.00
50.00	4000.00	9.00
100.00	7000.00	10.00
200.00	15000.00	10.00

1— भू-खण्ड का न्यूनतम फ्रन्टेज 25 मीटर होगा।

2— पशुओं की संख्या 200 से अधिक होने पर प्रति 10 पशुओं पर 100 वर्ग मीटर अतिरिक्त भू-खण्ड क्षेत्रफल का प्राविधान आवश्यक होगा।

3— आच्छादित क्षेत्रफल के अन्तर्गत कैटिल शेड, पशु चारे एवं भूसे का संग्रहण, दुग्ध संग्रहण एवं संरक्षण, दुग्ध विक्रय केन्द्र, पहरा-चौकी एवं पशुओं के रख-रखाव हेतु अनिवार्य कर्मचारियों के लिये आवासीय सुविधा तथा चिकित्सा एवं प्रजनन सुविधा, अन्य अनुशांगिक क्रियाओं से सम्बन्धित निर्माण अनुमन्य होंगे।

**भवन की ऊँचाई—** भवन की अधिकतम ऊँचाई दो मंजिल (7.5 मीटर) होगी।



**वृक्षारोपण—** भू-खण्ड के 50 प्रतिशत भाग पर वृक्षारोपण होगा जिसमें कम से कम 100 वृक्ष प्रति हेक्टेयर लगाये जायेंगे।

**ड्रेनेज तथा गोबर एवं कूड़ा-निस्तारण—** डेरी फार्म से निस्तारण स्थल तक ड्रेनेज की उचित व्यवस्था की जायेगी तथा गोबर एवं 'इफ्लुएंट' का उत्सारण गोबर संयन्त्र, सेप्टिक टैंक, कम्पोस्ट पिट अथवा अन्य उपयुक्त तकनीक के माध्यम से उपचारित करने के उपरान्त किया जायेगा।

**अन्य अपेक्षायें—** डेरी फार्म हेतु अन्य अपेक्षाओं तथा कैटिल शेड का आकार, चारा संग्रहण, दुग्ध संग्रहण/संरक्षण/भण्डारण की व्यवस्था, प्रबन्ध कार्यालय, पशु चिकित्सा एवं प्रजनन सुविधायें, कर्मचारी आवास की व्यवस्था, तालाब, गोबर गैस संयन्त्र, आदि का प्राविधान नेशनल डेरी रिसर्च इन्स्टीट्यूट के मानकों के अनुसार किया जायेगा।

#### 7—'बारात घर'/'उत्सव भवन' के निर्माण हेतु अपेक्षायें—

**भू-खण्ड का क्षेत्रफल—** न्यूनतम 1500 वर्गमीटर।

**भू-खण्ड का फ्रन्टेज—** न्यूनतम 24 मीटर।

**सड़क की विद्यमान चौड़ाई—** न्यूनतम 24 मीटर।

**अनुज्ञा की प्रक्रिया—** बारात घर/उत्सव भवन हेतु अनुज्ञा प्रदान करने हेतु प्रस्तावित स्थल के सम्बन्ध में न्यूनतम एक माह की समयावधि प्रदान करते हुये जनता से आपत्ति/सुझाव उचित माध्यम से आमन्त्रित किये जायेंगे, एवं उनके निस्तारण के उपरान्त मानचित्र स्वीकृति/निरस्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी तथा बारात घर/उत्सव भवन अनुमन्य किये जाने पर आवेदक से रुपया 25,000 का प्रभाव शुल्क भी लिया जायेगा। नवनिर्मित बारात घर को अनुज्ञा प्रदान हेतु पार्किंग व्यवस्था का प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना होगा।

#### 8— शीतगृह (कोल्ड स्टोरेज) के निर्माण हेतु अपेक्षायें—

**भू-खण्ड का क्षेत्रफल—** भू-खण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 1000 वर्गमीटर होगा जिसका न्यूनतम फ्रन्टेज 25.0 मीटर होगा तथा जो न्यूनतम 18.0 मीटर चौड़े विद्यमान मार्ग पर स्थित होगा।

**बाउन्ड्रीवाल की मुख्य मार्ग से दूरी—** कोल्ड स्टोरेज की बाउन्ड्रीवाल राष्ट्रीय मार्ग/प्रान्तीय राजमार्ग की मध्य रेखा से न्यूनतम 45 मीटर तथा जनपदीय मार्ग/महायोजना मार्ग के मध्य से न्यूनतम 22.5 मीटर की दूरी पर होगी।

**अन्य अपेक्षायें—** कोल्ड स्टोरेज के निर्माण हेतु उद्यान विभाग के अनुज्ञा पत्र के साथ-साथ निम्न विभागों के अनापत्ति प्रमाण-पत्र भी प्राप्त करने होंगे—

1— अग्निशमन विभाग।

2— लोक निर्माण विभाग।

### 9— अतिथिगृह के निर्माण हेतु अपेक्षार्ये—

**भू-खण्ड का क्षेत्रफल—** अतिथि गृह के लिये प्रस्तावित भू-खण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 400 वर्ग मीटर होना आवश्यक है।

**पहुँच मार्ग—** अतिथि गृह के लिये प्रस्तावित भू-खण्ड न्यूनतम 18.0 मीटर चौड़े विद्यमान मार्ग पर स्थित होगा।

**पार्किंग व्यवस्था—** प्रत्येक 100 वर्ग मीटर तल क्षेत्रफल पर न्यूनतम एक कार पार्किंग का प्राविधान किया जाना होगा। पार्किंग व्यवस्था हेतु अधिकतम दो बेसमेन्ट का निर्माण बिल्डिंग इन्वेलप तक इस प्रतिबन्ध के साथ अनुमन्य होगा कि बेसमेन्ट का निर्माण बगल की सम्पत्तियों की संरचनात्मक सुरक्षा (स्ट्रक्चरल सेफ्टी) सुनिश्चित करते हुये बगल की सम्पत्तियों से न्यूनतम 2.00 मीटर की दूरी पर अनुमन्य होगा। बेसमेन्ट में आवास हेतु कोई कमरा/कम्पार्टमेन्ट, आदि सृजित नहीं किया जायेगा और यह केवल पार्किंग व्यवस्था, स्टोरेज एवं जनरेटर, इत्यादि स्थापित करने के प्रयोग में ही लया जायेगा। जनरेटर ईको-फ्रेंडली/साइलेन्ट प्रकृति का होगा।

### अन्य अपेक्षार्ये—

1— अतिथि गृह केवल पर्यटकों/यात्रियों के ही निवास हेतु उपयोग में लाया जायेगा तथा इसमें कोई भी वाणिज्यिक उपयोग/क्रिया यथा—विवाह, जन्मदिन, कान्फ्रेंस, इत्यादि जैसे कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जायेंगे।

2— निर्मित होने वाले भवन में नगर पंचायत की प्रचलित भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024 तथा सुसंगत शासनादेशों के अनुसार संरचनात्मक सुरक्षा हेतु नियमानुसार भू-कम्परोधी निर्माण, अग्निशमन सुरक्षा सम्बन्धी व्यवस्थायेँ रुफ-टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा लैण्डस्केपिंग के प्राविधान सुनिश्चित किये जायेंगे।

**प्रभाव शुल्क—** आवासीय भू-उपयोग में अतिथि गृह/बारात घर का निर्माण अनुमन्य किये जाने पर आवेदक द्वारा रु0 10,000 का प्रभाव शुल्क देय होगा।

**जलापूर्ति, ड्रेनेज एवं सैनीटेशन—** जलापूर्ति, ड्रेनेज एवं सैनीटेशन सिस्टम की प्लानिंग, डिजाइन, निर्माण एवं इन्स्टालेशन नेशनल बिल्डिंग कोड आफ इण्डिया, 2005 के पार्ट-9 सेक्शन-1 में निर्धारित मानकों के अनुसार किया जायेगा। रसोई, गेस्ट हाउस स्टाफ, विजिटर्स, इत्यादि की संख्या को दृष्टिगत रखते हुये जलापूर्ति हेतु पर्याप्त क्षमता का वाटर स्टोरेज अपेक्षित होगा।

### 10— आवासीय क्षेत्र में ए0टी0एम0 के निर्माण हेतु अपेक्षार्ये—

**अनुमन्यता—** आवासीय भू-उपयोग में ए0टी0एम0 का निर्माण न्यूनतम 300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के भू-खण्ड के भू-खण्ड पर अनुमन्य होगा।

**प्रभाव शुल्क—** वाणिज्यिक एवं कार्यालय उपयोग से भिन्न भू-उपयोगों में ए0टी0एम0 का निर्माण अनुमन्य किये जाने पर आवेदक द्वारा रुपया 5,000 प्रभाव शुल्क देय होगा।

**अन्य अपेक्षायें—**

1— ए0टी0एम0 की अनुज्ञा दिये जाते समय कोने के भू-खण्डों को वरीयता दी जायेगी।

2— निर्मित भवनों में ए0टी0एम0 की अनुज्ञा प्रदान करते समय यह सुनिश्चित किया जायेगा कि भवन उपविधि में निर्धारित मानकों के अनुसार ही विद्यमान भवन निर्मित हुआ हो।

**11— सोलर वाटर हीटिंग संयन्त्र की स्थापना हेतु अपेक्षायें—**

**प्रयोज्यता—** निम्न प्रकृति के किसी भी प्रस्तावित भवन निर्माण में पानी गर्म करने हेतु सोलर वाटर हीटर संयन्त्र अनिवार्य रूप से स्थापित किया जायेगा—

1— अस्पताल तथा नर्सिंग होम।

2— होटल।

3— अतिथि गृह।

4— विश्राम गृह।

5— छात्रावास।

6— महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/प्राविधिक संस्थायें/प्रशिक्षण केंद्र।

7— सशस्त्र बल/अर्द्ध-सैनिक बल एवं पुलिस बल के बैरक।

8— सामुदायिक केन्द्र, बैंकवेट हाल, बारातघर तथा इसी प्रकार के उपयोग के अन्य भवन।

**निर्माण अनुज्ञा—** उक्त प्रकृति के भवनों में निर्माण अनुज्ञा तभी देय होगी जबकि भवन के डिजाइन में छत से विभिन्न वितरण स्थलों तक, जहाँ गर्म पानी की आवश्यकता हो, तापरोधक पाइपों का प्राविधान हो एवं भवन की छत पर सोलर वाटर हीटर संयन्त्र हेतु उपयुक्त स्थान हो। छत की लोड बियरिंग क्षमता न्यूनतम 50 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर होनी चाहिये तथा भवन की छत पर संयन्त्र की स्थापना हेतु खुला स्थान उपलब्ध होना चाहिये जिससे सूर्य की रोशनी सीधे प्राप्त हो सके।

**संयन्त्र की क्षमता एवं मानदण्ड—** स्नानगार एवं रसोईघर हेतु सोलर वाटर हीटर से पानी गर्म करने के संयन्त्र की न्यूनतम क्षमता 25 लीटर प्रति दिन प्रति व्यक्ति होनी चाहिये बशर्ते छत का अधिकतम 50 प्रतिशत भाग ही सौर ऊर्जा संयन्त्र के उपयोग में लाया गया हो।

**विशिष्टियाँ—** सोलर वाटर हीटिंग संयन्त्र एवं प्रणाली "ब्यूरो ऑफ इण्डियन स्टैंडर्ड" (B.I.S.) विशिष्टि I.S.-12933 के अनुरूप होनी चाहिये तथा जहाँ कहीं भी जब लगातार गर्म पानी की आवश्यकता हो, तो वहाँ सौर ऊर्जा प्रणाली के साथ पानी गर्म करने हेतु बिजली अथवा अन्य व्यवस्था का प्राविधान किया जा सकता है।

**छज्जे का निर्माण—**

**भवन निर्माण के साथ 1.5 फीट तक छज्जा निकालना अनुमत्य होगा—** नगर पंचायत की अनुमति से 1.5 फीट तक छज्जा निकाला जा सकता है। इससे अधिक छज्जा नगर पंचायत की लिखित अनुमति से अधिकतम तीन

फीट तक निकाला जा सकता है, जिसके लिये रु0 3,000 का मुश्त निर्धारित शुल्क लिया जायेगा। उक्त शुल्क में 5 वर्ष पश्चात स्वतः ही 10 प्रतिशत की वृद्धि स्वतः ही हो जायेगी। पूर्व में निर्मित भवन अथवा इस उपविधि के लागू होने के पश्चात नव निर्मित भवनों में छज्जा निर्माण से सम्बन्धित किसी भी विवाद की स्थिति में अधिशासी अधिकारी का निर्णय अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

### अग्नि सुरक्षा की अपेक्षाएँ—

**विद्यमान भवन—** अग्निशमन सुरक्षा की परिधि में आने वाले ऐसे भवन जो उत्तर प्रदेश अग्नि निवारण और अग्नि सुरक्षा अधिनियम, 2005 के लागू होने की तिथि अर्थात् 24 जनवरी, 2005 के पूर्व के निर्मित हो, विद्यमान भवन माने जायेंगे। अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से विद्यमान भवनों को चिन्हीकृत कर निम्नानुसार वर्गीकृत किया जायेगा।

**सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत/शमनित ऐसे भवन जिनमें अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाण-पत्र लिया गया था और जो अग्निशमन सुरक्षा सम्बन्धी अपेक्षाओं के अनुसार स्वीकृत है—**

अग्नि सुरक्षा हेतु इन भवनों में तत्समय प्रचलित नियमों के अनुसार लगायी गयी शर्तों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त रिस्क एवं केस-टु-केस के आधार पर निम्नांकित अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित की जायेगी—

- 1— पहुँच मार्ग।
- 2— पानी की स्थायी टंकी, भूमिगत/उपरी।
- 3— स्वचालित स्प्रिंलर पद्धति।
- 4— फर्स्ट ऐड होज रील्स।
- 5— भारतीय मानक संस्थान के प्रमाणीकरण चिन्ह युक्त अग्निशामक।
- 6— कम्पार्टमेन्टलाइजेशन।
- 7— स्वचालित अग्नि संसुचन और चेतावनी पद्धति/हस्तचालित विद्युत अग्नि चेतावनी पद्धति।
- 8— सार्वजनिक सम्बोधन व्यवस्था।
- 9— निकास मार्ग के प्रदीप्त संकेत चिन्ह।
- 10— विद्युत आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत।
- 11— फायर मैन स्विच युक्त फायर लिफ्ट।
- 12— वेट राइजर डाउन कार्नर सिस्टम।
- 13— सेट-बैक।
- 14— निकास की आवश्यकताएँ एवं फायर एस्केप।
- 15— फायर ड्रिल।
- 16— अग्निशमन पद्धति का अनुसरण।
- 17— अग्निशमन पद्धति के प्रचालन के लिये स्टाफ/प्रशिक्षण।
- 18— निष्क्रमण योजना एवं ड्रिल।
- 19— सावधि अग्नि सुरक्षा लेखा-परीक्षा।
- 20— विहित फीस जमा करने के पश्चात अग्नि शोधन का सावधि नवीनीकरण।

**पुराने निर्मित ऐसे भवन जिनके मानचित्र स्वीकृत नहीं हैं—** ऐसे भवनों में पहुँच मार्ग, सेट-बैक तथा फायर एस्केप का प्राविधान अनिवार्य नहीं होगा, परन्तु अग्नि सुरक्षा सम्बन्धी अन्य 17 अपेक्षाएँ केस-टु-केस आधार पर सुनिश्चित की जायेगी।

#### **नए भवन—**

1— नवनिर्मित होने वाले भवन नेशनल बिल्डिंग कोड ऑफ इण्डिया-2005 के भाग-3 व-4 की अपेक्षानुसार अग्नि से सुरक्षा सुनिश्चित करते हुये नियोजित, अभिकल्पित और निर्मित होंगे तथा इन भवनों में उ0प्र0 अग्नि निवारण और अग्नि सुरक्षा नियमावली, 2005 के नियम-4 की अपेक्षानुसार अग्नि सुरक्षा हेतु आवश्यक प्राविधान किया जाना अनिवार्य होगा।

2— चार मंजिल से अधिक अथवा 15 मीटर एवं अधिक उँचें भवनों और विशिष्ट भवन यथा—शैक्षिक, असेम्बली, संस्थागत, औद्योगिक, संग्रहण एवं संकटमय उपयोग वाले भवनों तथा उपर्युक्त उपयोगों के मिश्रित अधिवासों वाले भवनों जिनका भू-आच्छादन 500 वर्ग मीटर से अधिक हो, की अनुज्ञा के लिये मुख्य अग्निशमन अधिकारी से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

**सक्षम अधिकारी—** इस उपविधि को लागू कराने हेतु अधिशासी अधिकारी अथवा उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति सक्षम प्राधिकारी होगा। इस उपविधि में प्रावधानित किसी भी शर्त अथवा प्रावधान को पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से शिथिल करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी में निहित होगा जो कि अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

**संशोधन—** इस उपविधि में संशोधन नगर पंचायत बोर्ड के एक तिहायी सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव अथवा अधिशासी अधिकारी की संस्तुति पर अपर जिलाधिकारी/प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय के अनुमोदन के उपरान्त किया जा सकेगा।

**निरसन—** इस उपनियमावली के लागू होने के पश्चात निकाय द्वारा इसके सम्बन्ध में पूर्व में जारी समस्त उपनियमावली एवं आदेश निष्प्रभावी माने जायेंगे।

#### **दण्ड**

यदि कोई भी व्यक्ति बिना मानचित्र स्वीकृत कराये किसी भी प्रकार का निर्माण करता है तब उस निर्माण को अवैध निर्माण माना जायेगा तथा उस अवैध निर्माण को हटवाने का पूर्ण अधिकार नगर पंचायत को प्राप्त होगा लेकिन प्रतिबन्ध यह है कि ऐसा निर्माण अगर नियमानुसार निर्मित है तब वह व्यक्ति अपना मानचित्र लाइसेन्सधारी नक्शा नफीस से बनवाकर तथा उपविधियों में नियत शुल्क अदा करके अपना मानचित्र स्वीकृत कराने के लिये नगर पंचायत में प्रस्तुत कर सकेगा तथा नगर पंचायत ऐसे मानचित्र को समझौता शुल्क आवासीय हेतु रु0 1,000/— व्यवसायिक हेतु रु0 2,000/— लेकर नियमित कर सकेगा।

जितेन्द्र राणा,  
अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत जलालाबाद,  
जनपद-शामली।

## कार्यालय, नगर पंचायत थानाभवन, शामली

03 फरवरी, 2025 ई0

सं0 690/न0पं0था0/2024-25—उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-298 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत थानाभवन, जनपद शामली द्वारा आहुत अपनी बैठक दिनांक 04 जुलाई, 2024 के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा में “बेसमेन्ट हेतु उपविधि 2024” बनायी गयी है। प्रस्तावित “बेसमेन्ट हेतु उपविधि 2024” को उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-301 के अन्तर्गत अपेक्षा अनुसार सभी नगर वासियों को आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किये जाने के उद्देश्य से नगर पंचायत थानाभवन, कार्यालय के पत्रांक 581/न0पं0था0/बे0उपविधि/2024 दिनांक 21 नवम्बर, 2024 द्वारा प्रस्तावित “बेसमेन्ट हेतु उपविधि 2024” का प्रकाशन समाचार-पत्र अमर उजाला एवं दैनिक नवचेतन सत्यभाष में दिनांक 22 नवम्बर, 2024 में कराते हुए 30 दिन के भीतर आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किये गये थे। नियत अवधि के भीतर कोई भी आपत्ति एवं सुझाव नगर पंचायत थानाभवन कार्यालय में प्राप्त नहीं हुए। नगर पालिका अधिनियम 1916 के निहित प्राविधानों के अधीन यह घोषित किया जाता है कि उक्त “बेसमेन्ट हेतु उपविधि 2024” शासकीय गजट में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी समझी जायेगी।

### नगर पंचायत थानाभवन, बेसमेन्ट हेतु उपविधि 2024

शासनादेश संख्या-2399/नौ-9-94-204(जनरल)/90 दिनांक 27 अक्टूबर, 1994 के अनुपालन में उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा-298 जो नगर पंचायत पर प्रवृत्त है, के अन्तर्गत नगर पंचायत थानाभवन, जनपद शामली में “बेसमेन्ट हेतु उपविधि 2024” कहलायेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है—

#### 1— संक्षिप्त नाम एवं प्रसार—

- 1— यह उपविधि नगर पंचायत थानाभवन, भू-गृह (बेसमेन्ट) उपविधि 2024 कहलायेगी।
- 2— यह उपविधि नगर पंचायत थानाभवन, की सीमा के अन्तर्गत आने वाले सभी बेसमेन्टों पर लागू होगी।
- 3— यह उपविधि गजट में प्रकाशन के दिनांक से लागू होगी।

#### 2— परिभाषाएँ—

- 1— अधिनियम से तात्पर्य उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास अधिनियम 1965 (यथा संशोधित अधिनियम 2008) एवं उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 से है।
- 2— परिवर्तन अथवा परिवर्धन से तात्पर्य भवन की संरचना में होने वाले किसी भी परिवर्तन अथवा परिवर्धन से है जिसके अंतर्गत दीवार, छज्जा, दरवाजा, खिड़की, छत इत्यादि सभी सम्मिलित है।
- 3— बेसमेन्ट से तात्पर्य भूतल से नीचे या अंशत भूतल के नीचे के निर्माण से है।
- 4— अधिशासी अधिकारी से तात्पर्य नगर पंचायत थानाभवन, के अधिशासी अधिकारी से है।
- 5— अध्यक्ष/प्रशासक से तात्पर्य नगर पंचायत थानाभवन, के अध्यक्ष या प्रशासक से है।
- 6— बोर्ड से तात्पर्य नगर पंचायत थानाभवन, के निर्वाचित बोर्ड अथवा शासन द्वारा दी गयी व्यवस्था से है।
- 7— शमन शुल्क से तात्पर्य इस उपविधि के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन होने पर लगाने वाले दण्ड से है।

**3— बेसमेन्ट के लिए नियम शर्तें—**

1— बेसमेन्ट को रिहायसी उपयोग में नहीं लिया जायेगा तथा बेसमेन्ट में शौचालय या रसोई घर का निर्माण अनुमन्य नहीं होगा।

2— बेसमेन्ट का निर्माण बगल की सम्पत्तियों की स्ट्रक्चरल सेफ्टी सुनिश्चित करते हुए बगल की सम्पत्तियों से न्यूनतम 2 मी0 की दूरी पर अनुमन्य होगा।

3— बेसमेन्ट का प्रयोजन निम्नानुसार होगा।

1— घरेलू सामान, अज्वलनशील पदार्थ या अन्य सामान का भण्डारण,

2— वातानुकूलन उपकरण एवं अन्य मशीनें जो भवन की अनिवार्य संरक्षा के लिए लगायी जाय,

3— पार्किंग स्थल और गैराज,

4— भण्डारण कक्ष (स्टैकिंग रूम),

4— इस नियमावली में अधिनियमों/नियमों एवं शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों के सभी प्रावधान अक्षरक्षः लागू होगा।

**4— बेसमेन्ट के लिए अपेक्षार्यें—**

1— बेसमेन्ट का प्रत्येक भाग फर्श से सीलिंग तक न्यूनतम 2.4 मीटर तथा अधिकतम 4 मीटर उँचा होगा।

2— बेसमेन्ट में पर्याप्त संवातन सुनिश्चित किया जायेगा। संवातन की कमी यान्त्रिक संवातन द्वारा पूरी की जायेगी और इसके लिए ब्लोअर, एक्जास्ट पंखे अथवा वातानुकूलन प्रणाली की व्यवस्था की जायेगी।

3— सतह का पानी बेसमेन्ट में प्रवेश न करने पाये, इस हेतु व्यवस्था करनी होगी।

4— आस-पास की मिट्टी और नमी को ध्यान में रखते हुए नमीरोधी उपचार की भी व्यवस्था करनी होगी।

5— स्टिल्ट फ्लोर के नीचे यदि पार्किंग हेतु बेसमेन्ट का प्राविधान किया जाता है अथवा भवन के बाहर पार्किंग हेतु एक्सटेन्डिड बेसमेन्ट का प्राविधान किया जाता है, तो बेसमेन्ट की छत भूतल के लेवल में होगी और उसमें मैकेनिकल वैंटीलेशन की व्यवस्था करनी होगी तथा स्लैब का स्ट्रक्चर/डिजाइन, आदि फायर टेण्डर का भार वहन करने की क्षमता के अनुसार होंगे।

**5— बेसमेन्ट के प्राविधान—** विभिन्न प्रकृति के भवनों में बेसमेन्ट का निर्माण निम्न तालिकानुसार अनुमन्य होगा।

क्र० सं०	भू-खण्ड का क्षेत्रफल	भू-उपयोग की प्रकृति	बेसमेन्ट के प्राविधान
1	2	3	4
<b>वर्गमीटर—</b>			
1—	100 तक	आवासीय/अन्य गैर व्यवसायिक	अनुमन्य नहीं

1	2	3	4
<b>वर्गमीटर—</b>			
2—	101 से अधिक परन्तु 2000 से कम	आवासीय	अनुमन्य भू-आच्छादन का 20 प्रतिशत
	101 से अधिक परन्तु 1000 वर्ग मी0 तक	गैर-आवासीय	अनुमन्य भू-आच्छादन के बराबर
	1000 वर्ग मी0 से 2000 वर्ग मी0 तक	गैर-आवासीय	अनुमन्य केवल वाहनों की पार्किंग हेतु
3—	2000 एवं उससे अधिक	व्यवसायिक एवं अन्य बहुमंजिले भवन	अनुमन्य
		औद्योगिक	अनुमन्य

**6— पूर्व निर्मित बेसमेन्टों के लिए प्रावधान—** ऐसे सभी बेसमेन्ट जो कि इस उपविधि के लागू होने से पूर्व निर्मित किये गये हो उनके लिए निम्नलिखित प्रावधान होंगे—

- 1— आवेदक द्वारा बेसमेन्ट की अनुज्ञा के लिए एक आवेदन-पत्र मानचित्र के साथ प्रस्तुत करना होगा।
- 2— आवेदन-पत्र के साथ रु0 100/— प्रति वर्ग फुट फीस व एक मुश्त रु0 5,000/— शमन शुल्क के रूप में देय होगी।
- 3— आवेदन-पत्र को स्वीकृत अथवा निरस्त करने हेतु अधिशासी अधिकारी/बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।
- 4— बेसमेन्ट का प्रयोग मानवीय कार्यकलापों से इतर केवल भण्डार ग्रह/पार्किंग अथवा नगर पंचायत द्वारा अनुमन्य उपयोग हेतु ही किया जायेगा।
- 5— ऐसे सभी बेसमेन्ट जिनका निर्माण मानक एवं अपेक्षाओं के अनुरूप न हुआ हो, उनको मानक के अनुरूप परिवर्तित करने की जिम्मेदारी भवन स्वामी/अध्यासी की होगी अन्यथा सील बन्द करने अथवा ध्वस्त करने की कार्यवाही नगर पंचायत द्वारा की जा सकती है।
- 6— पूर्व निर्मित सभी बेसमेन्टों को नगर पंचायत द्वारा निर्धारित शुल्क व शमन शुल्क लेकर सशर्त अनुमति दी जा सकती है। जिस पर निर्णय गुण-दोष के आधार पर अधिशासी अधिकारी द्वारा लिया जायेगा। किसी भी वाद की स्थिति में सन्दर्भ को नगर पंचायत बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा जिसका निर्णय अन्तिम और बाध्यकारी होगा।
- 7— ऐसे सभी बेसमेन्ट जो कि इस उपविधि के लागू होने से पूर्व निर्मित हुए हैं उनको 3 माह के अन्दर विनियमित कराने की जिम्मेदारी भू-स्वामी की होगी। इसमें विफल रहने पर नगर पंचायत द्वारा निर्धारित समय अवधि बीत जाने के पश्चात नगर पंचायत द्वारा नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।



8— अस्पतालों में बेसमेन्ट का निर्माण मानक के अनुरूप होने का प्रमाण-पत्र रु0 10 के स्टाम्प पेपर पर मय शपथ-पत्र नगर पंचायत में आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना होगा तत्पश्चात् ही बेसमेन्ट के प्रयोग की अनुमति दी जा सकेगी। अस्पतालों में बेसमेन्ट के अनुमन्य प्रयोग से सम्बन्धित सभी आवेदन-पत्रों/प्रार्थना-पत्रों को नगर पंचायत बोर्ड के समक्ष रखा जायेगा। जिसका निर्णय अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

### 7— नव निर्मित बेसमेन्टों के लिए दिशा निर्देश—

1— किसी भी बेसमेन्ट के निर्माण के लिए आवेदन-पत्र के साथ रु0 10 का स्टाम्प मय शपथ-पत्र नगर पंचायत, कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा।

2— नगर पंचायत द्वारा जाचोंपरान्त बेसमेन्ट के निर्माण की अनुमति को स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का निर्णय अधिशासी अधिकारी/नगर पंचायत बोर्ड द्वारा लिया जायेगा।

3— बेसमेन्ट का उपयोग पार्किंग, भण्डार गृह, के रूप में ही अनुमन्य होगा। व्यक्तिगत/मानवीय कार्यकलापों हेतु बेसमेन्ट के प्रयोग की छूट केवल नगर पंचायत बोर्ड द्वारा सशर्त शर्तों का निर्धारण नगर पंचायत द्वारा किया जायेगा।

4— इस उपविधि पर बेसमेन्ट निर्माण हेतु शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश व गाईड लाइन प्रभावी रहेंगे।

### 8— अपराधों का शमन—

1— इस उपविधि के अधीन दण्डनीय किसी भी अपराध के शमन की कार्यवाही अधिशासी अधिकारी द्वारा की जा सकेगी।

2— शमन योग्य निर्माण से सम्बन्धित अपराध का शमन इस प्रतिबन्ध के साथ किया जायेगा कि अशमनीय निर्माण से सम्बन्धित अपराध को अभियुक्त आगे गतिमान नहीं रखेगा तथा अशमनीय अवैध निर्माण अथवा विकास कार्य अथवा उपरोक्त शमनीय अपराध का शमन करने के आदेश देने वाले अधिकारी अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्दिष्ट अवधि के भीतर, जो 30 दिन से अधिक न होगी, समाप्त कर देगा, अन्यथा उसके विरुद्ध पुनः विधिक कार्यवाही एवं ध्वस्तीकरण की कार्यवाही हेतु नगर पंचायत थानाभवन, स्वतन्त्र होगा।

**9— अनुज्ञा देने अथवा अनुज्ञा देने से इन्कार करना—** अवैध निर्माण अथवा विकास कार्य के शमन की अनुज्ञा देने अथवा अनुज्ञा देने से इन्कार करने में अधिशासी अधिकारी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत कर्मचारी यह सुनिश्चित करेगा कि—

1— अवैध निर्माण कहाँ किया गया है यथा बेसमेन्ट, सेमी-बेसमेन्ट, भूतल, प्रथम तल या अनुवर्ती तलों पर तथा संलग्न भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा, प्रकाश एवं संवातन व गोपनीयता पर उसका क्या प्रभाव है ?

2— क्या बेसमेन्ट का निर्माण अनुमन्य सीमा से अधिक किया गया है, यदि हाँ तो संलग्न सम्पत्तियों एवं विद्यमान अवस्थापन सुविधाओं पर उसका क्या प्रभाव है ?

3— क्या निर्माण की अनुमति इससे पहले अस्वीकार की जा चुकी है, यदि हाँ, तो वर्तमान में शमन किये जाने का औचित्य ?

4— क्या निर्माण विद्यमान बिल्डिंग लाइन के प्रतिकूल है, यदि हाँ तो उसका क्या प्रभाव है ?

5— क्या निर्माण रोड साइड लैण्ड कन्ट्रोल एक्ट से प्रभावित है, यदि हाँ तो क्या उसके लिए सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति ली गयी है ?

**10— निम्नलिखित अपराध शमनीय नहीं होंगे—**

1— सार्वजनिक व अर्द्धसार्वजनिक सुविधाओं, सेवाओं एवं उपयोगिताओं यथा-सड़क, रेलवे लाइन, पार्क ग्रीनवर्ज आदि हेतु आरक्षित अथवा उनसे सम्बन्धित भूमि पर किया गया निर्माण।

2— निर्धारित भू-उपयोग के विपरीत किया गया निर्माण।

3— अवैध भूखण्ड पर अथवा भवन में किया गया निर्माण।

4— सरकारी या सार्वजनिक भूमि पर बिना सम्बन्धित विभाग की अनुमति से किया गया निर्माण।

5— विवादित भूमि पर किया गया निर्माण।

6— स्टिलट फ्लोर तथा पार्किंग हेतु आरक्षित क्षेत्र के अन्तर्गत किया गया निर्माण।

7— भूतल सहित तीन मंजिल से अधिक अथवा 12 मीटर से ऊँचे भवनों तथा 500 वर्ग मीटर से अधिक भू-आच्छादनयुक्त अवस्थापना सुविधाओं के भवनों में भूकम्परोधी व्यवस्था के बिना किया गया निर्माण।

8— चार मंजिल से अधिक तल अथवा 15 मीटर एवं अधिक ऊँचाई के भवनों और विशिष्ट भवन यथा- शैक्षिक, असेम्बली, संस्थागत, औद्योगिक, संग्रहण एवं संकटमय उपयोग वाले भवनों तथा उपर्युक्त उपयोगों के मिश्रित अधिवासों वाले भवनों जिनका भू-आच्छादन 500 वर्गमीटर से अधिक हो, में भवन निर्माण एवं विकास उपविधि की अपेक्षानुसार अग्निशमन व्यवस्था एवं न्यूनतम निर्धारित सेट-बैक के बिना किया गया निर्माण।

9— पूर्व निर्मित भवनों में ऐसे संरचनात्मक परिवर्तन/परिवर्धन अथवा पुर्ननिर्माण में स्थानीय अग्निशमन प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किये बिना किया गया निर्माण।

10— हेरिटेज जोन, संरक्षित स्मारकों तथा नागरिक उड्डयन क्षेत्र अथवा प्रतिबन्धित ऊँचाई के क्षेत्र में भवन की ऊँचाई के उल्लंघन स्वरूप किया गया निर्माण।

11— नगर पंचायत थानाभवन, भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024 में निर्धारित मानकों के अनुसार अपेक्षित पार्किंग व्यवस्था न होने पर किया गया निर्माण।

12— 300 वर्ग मीटर एवं अधिक क्षेत्रफल के समस्त प्रकृति के भवनों में रूफ-टॉफ रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था के बिना किया गया निर्माण।

13— राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाब/जलाशय, नदी, नाले, आदि से आच्छादित भूमि पर किया गया निर्माण।

14— नगर पंचायत थानाभवन भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024 की अपेक्षानुसार कार्यात्मक भवनों तथा 500 वर्गमीटर एवं अधिक क्षेत्रफल के आवासीय भवनों में सोलर वाटर हीटिंग संयंत्र की स्थापना के बिना किया गया निर्माण।

15— जन-उपयोगी भवनों एवं सार्वजनिक सुविधा स्थलों के अन्तर्गत शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों की सुरक्षा, प्रयोज्यता तथा सुगम्यता हेतु नगर पंचायत थानाभवन, भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2024 की अपेक्षाओं के उल्लंघन स्वरूप किया गया निर्माण।

**11— शमन शुल्क की गणना—**

1— यदि किसी मामले में शमनीय निर्माण एक से अधिक प्रकृति के अवैध निर्माण के अन्तर्गत आता है, तो शमन शुल्क प्रत्येक प्रकृति के अवैध निर्माण के लिए देय शुल्क को जोड़कर लिया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक तल हेतु शमन शुल्क की गणना अलग-अलग की जायेगी।

2— अवैध निर्माण के शमन हेतु निर्माणकर्ता द्वारा शमन मानचित्र के साथ एकमुश्त अथवा ब्याज सहित किस्तों में जैसा अधिशासी अधिकारी/बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाये, जमा की जायेगी। साथ ही प्राधिकरण द्वारा निर्धारित अन्य शुल्क तथा अशमनीय भाग के ध्वस्तीकरण हेतु शपथ-पत्र भी जमा किये जायेंगे एवं तदुपरान्त ही मानचित्र शमन की कार्यवाही की जायेगी शमन हेतु अधिशासी अधिकारी द्वारा मानचित्र पर स्वीकृति सम्बन्धी शर्त अनिवार्य रूप से अंकित की जायेगी।

3— शमन हेतु प्रस्तुत मानचित्र के प्रदर्शित भवन अथवा उसका कोई भाग जो शमनीय सीमान्तर्गत है, ध्वस्त नहीं किया जायेगा परन्तु अशमनीय भाग को नगर पंचायत द्वारा विधि अनुसार ध्वस्त किये जाने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

4— अशमनीय भाग निर्माणकर्ता द्वारा स्वयं अपने व्यय पर हटाया जायेगा, अन्यथा नगर पंचायत द्वारा ध्वस्त किया जायेगा।

**12— सक्षम अधिकारी—** इस उपविधि को लागू कराने हेतु अधिशासी अधिकारी अथवा उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति सक्षम प्राधिकारी होगा। इस उपविधि में प्रावधानित किसी भी शर्त अथवा प्रावधान को पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से शिथिल करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी/नगर पंचायत बोर्ड में निहित होगा जो कि अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

**13— संशोधन—** इस उपविधि में संशोधन नगर पंचायत बोर्ड के एक तिहायी सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव अथवा अधिशासी अधिकारी की संस्तुति पर अपर जिलाधिकारी/प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय के अनुमोदन के उपरान्त किया जा सकेगा।

**14— निरसन—** इस उपनियमावली के लागू होने के पश्चात निकाय द्वारा इसके सम्बन्ध में पूर्व में जारी समस्त उपनियमावली एवं आदेश निष्प्रभावी माने जायेंगे।

**15— दण्ड—** यदि कोई भी व्यक्ति इस उपविधि के लागू होने के पश्चात बिना स्वीकृति के बेसमेन्ट का निर्माण करता है तो उसे अवैध माना जायेगा तथा नगर पंचायत द्वारा उस पर न्यूनतम रु0 10,000/— का जुर्माना करते हुए सील बंद की कार्यवाही की जायेगी। ऐसे सभी अवैध बेसमेन्टों को विनियमित करने का निश्चय शमन शुल्क के साथ अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत को होगा जो कि अन्तिम व बाध्यकारी होगा। जुर्माने की धनराशि नगर पालिका अधिनियम 1916 के अध्याय-6 में दी गयी रीति से वसूली जायेगी।

जितेन्द्र राणा,  
अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत थानाभवन,  
जनपद—शामली।

## नगर पंचायत गोहाण्ड, हमीरपुर

### बस पार्किंग शुल्क नियमावली

दिनांक 12 मार्च, 2025 ई0

सं0 835/न0प0गो0/ई-रिक्शा (2024-25) नगर पंचायत गोहाण्ड, जनपद हमीरपुर नगर क्षेत्र सीमा के अर्न्तगत चलने वाले ई-रिक्शा के वाहन जो मोटर से चलाये जाते हैं, उनकी विनियमिता एवं नियन्त्रित करने के लिये पूर्व में बनाये गये बस पार्किंग उपनियम में संशोधन करके उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा-293 (1) व 298 (2) जे0डी0 के अधीन दिये गये प्राविधानों के अर्न्तगत उपनियम में संशोधन किया गया है, जिसका प्रकाशन आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित आज प्रकाशन कानपुर में दिनांक 23 अगस्त, 2024 को कराया गया निर्धारित अवधि के अन्दर कोई आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं तथा बोर्ड की मासिक बैठक में उक्त ई-रिक्शा उपविधि लागू करने हेतु बोर्ड की बैठक दिनांक 06 सितम्बर, 2024 में सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी है।

अतः उपविधि म्यूनिसिपल एक्ट की धारा-301(2) के अर्न्तगत ई-रिक्शा उपविधि का अन्तिम प्रकाशन बुन्देलखण्ड लाइव बांदा में दिनांक 21 फरवरी, 2025 को किया जाता है जो गजट में मुद्रण तिथि से प्रभावित होगी।

#### उपनियम

##### 1. संक्षिप्त नाम

— यह उपनियम नगर पंचायत गोहाण्ड के अर्न्तगत किराये पर चलने वाले ई-रिक्शा को नियंत्रित ई-रिक्शा को नियंत्रित ई-रिक्शा शुल्क वर्ष 2024-25 के नाम से जानी जायेगी।

##### 2. प्रसार क्षेत्र

— यह उपविधि नगर पंचायत गोहाण्ड की सीमा तथा उससे सन्निकट क्षेत्र 3 किमी की परिधि के अर्न्तगत होगी।

##### 3. प्रस्तावना

1. यह कि परिवर्तित उपनियम प्रशासक की स्वीकृति के पश्चात तुरन्त लागू होगी।
2. कोई भी ई-रिक्शा नगर पंचायत की सीमा में 10 किमी0 प्रति घंटा से अधिक तेज गति से नहीं चलाया जायेगा। और न ही तेज और न तेज होर्न बजाया जायेगा।
3. किराये पर चलने वाले प्रत्येक ई-रिक्शा नगर पंचायत की सीमा क्षेत्र के भीतर बस पार्किंग अथवा नगर के अतिरिक्त अन्य कहीं भी नगर पंचायत के द्वारा 3 किमी0 परिधि के भीतर किसी भी परिसर अथवा स्थान जहाँ जनता का प्रवेश की अनुमति हो यात्रियों को चढ़ायेगा अथवा उतारेगा अथवा सामान को चढ़ायेगा तो नगर पंचायत को प्रतिदिन नगर द्वारा निर्धारित शुल्क अदा किया था।
4. उक्त शुल्क की वसूली अध्यक्ष/अधिशायी अधिकारी द्वारा नियत कर्मचारी अथवा ठेकेदार द्वारा प्रतिदिन की वसूली की जायेगी।
5. यह कि ठेका पार्किंग शुल्क नीलामी द्वारा/टेण्डर आमंत्रित करके उसकी स्वीकृति अध्यक्ष बोर्ड द्वारा की जायेगी।
6. ठेका पार्किंग शुल्क एक वर्ष के लिये होगा जिसकी अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

7. नीलाम होने की स्थिति में ठेका स्वीकृत होने पर ठेका की कुल धनराशि का 1/2 भाग (आधा) तुरन्त जमा करना होगा तथा शेष धनराशि छः माह में दो बराबर किस्तों में अदा करना होगा। ऐसा न करने पर बिना नोटिस दिये ही ठेका निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष/अधिशायी अधिकारी को होगा।
8. ठेका स्वीकृत होने पर अथवा दौरान ठेका छोड़ने का अधिकार ठेकेदार को न होगा। ठेकेदार द्वारा बीच में ठेका छोड़ने की अवस्था में नगर पंचायत कोष में जमा की गयी धनराशि जब्त कर ली जायेगी और यदि पुनः नीलामी करने में प्रथम नीलामी की हुई धनराशि की अपेक्षा पंचायत को घाटा रहता है तो घाटे के अदायगी की जिम्मेदारी पहले ठेका लेने वाले ठेकेदार की होगी जो न अदा करने की दशा में नियमानुसार उससे माल गुजारी की भांति वसूल करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशायी अधिकारी का होगा।
9. ठेकेदार अथवा कर्मचारियों को निर्धारित शुल्क से अधिक धन वसूल करने का अधिकार न होगा।
10. ठेकेदार अथवा कर्मचारी नियम विरुद्ध फीस वसूल करने की अवस्था में ठेकेदार उसका उतना ही दोषी होगा, जितना कि वह कर्मचारी और दोष सिद्ध होने पर रु0 500.00 तक जुर्माना वसूल होगा।
11. शर्तों के विपरीत कार्य करने पर ठेका निरस्त कर दिया जायेगा और जो धनराशि ठेकेदार की पूर्व में जमा होगी वह नगर पंचायत के हित में जमा करली जायेगी।
12. ठेका स्वीकृत होने पर ठेकेदार को नगर पंचायत से रसीद का प्रारूप प्राप्त करके रसीद छपवाना होगा और उन रसीदों पर नगर पंचायत से मोहर लगवा कर ही पार्किंग की वसूली की जायेगी।
13. यदि कोई ई-रिक्शा या मोटर से चलने वाले अन्य वाहन अध्यक्ष/अधिशायी अधिकारी नगर पंचायत या ठेकेदार के द्वारा फीस मांगने पर यदि उसे नहीं देगा तो वह उपनियम की धारा-3 का दोषी होगा और उस पर नियमानुसार अर्थ दण्ड आरोपित किया जायेगा।
14. यदि कोई व्यक्ति अध्यक्ष/ अधिशायी अधिकारी, कर्मचारी नगर पंचायत या ठेकेदार का मुतालबा वसूल करने में बाधा पहुँचाएगा तो वह यू0पी0 म्यूनिसिपालिटीज एक्ट, 1916 की धारा-294 का दोषी होगा। इस के अतिरिक्त परिस्थितियों के अनुसार भारतीय दण्ड विधान के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
15. ठेका स्वीकृत होने पर ठेकेदार को नगर पंचायत के हित में वांछित स्टाम्प पेपर पर स्टाम्प ऐक्ट के अनुसार स्टाम्प पेपर जमा करके ठेकेनामा तहरीर करेगा।
16. ठेकेदार ठेकेनामा तहरीर के बाद ही चार्ज ठेका व वसूली का हकदार होगा।
17. बस पार्किंग शुल्क के अतिरिक्त वाहनों से अन्य कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा।

#### बस पार्किंग शुल्क की प्रस्तावित दरें

क्र० सं०	नाम	दरें
1	ई-रिक्शा	30 रुपये प्रतिदिन

#### शास्ति

यू0पी0 म्यूनिसिपालिटीज एक्ट 1916 की धारा-299 (1) के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत गोहाण्ड यह निर्देश देती है कि इस नियमावली में दिये गये किन्ही उपबन्धों की अवहेलना करने पर अर्थ दण्ड दिया जायेगा। जो प्रथम दोष सिद्ध के पश्चात ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिस के बारे में यह सिद्ध हो जाये के उसने अपराध करता रहा है। रु0 25.00 तक हो सकता है।

(अनीता),  
अध्यक्ष,  
नगर पंचायत गोहाण्ड,  
हमीरपुर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम गौरेश पुत्र धर्मेन्द्र कुमार यादव है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या-6457 4962 4737 में उसका नाम ईशान यादव अंकित हो गया है। जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम गौरेश पुत्र धर्मेन्द्र कुमार यादव से जाना व पहचाना जाए।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताये स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

संध्या यादव,  
W/o धर्मेन्द्र कुमार यादव,  
ग्राम- गारोपुर पोस्ट-दौलताबाद,  
तहसील-जलालपुर,  
जिला-अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाईस्कूल से लेकर एम0ए0 तक के शैक्षिक प्रमाण पत्रों में मेरा नाम पूरन लाल अंकित है, जबकि अन्य दस्तावेजों-बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के एडवोकेट पंजीकरण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आई0डी0 कार्ड, मूलनिवास, बैंक पासबुक आदि में मेरा नाम पूरन लाल प्रजापति अंकित है, भविष्य में मुझे पूरन लाल प्रजापति पुत्र स्व0 खेमकरन लाल प्रजापति नि0-29, दुर्गानगर कॉलोनी बरेली के नाम से जाना-पहचाना जाये।

पूरन प्रजापति।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे माता तथा पिता का सही नाम क्रमशः सुनीता देवी (SUNITA DEVI) तथा रामदेव यादव (RAMDEV YADAV) है। जो उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा मेरे इण्टर मीडिएट के अंक प्रमाण पत्र में अंकित है। त्रुटिवश मेरे (CBSE BOARD) के हाईस्कूल के अंक प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 5125982 सन् 2017 में माता तथा पिता का

नाम सुनीता यादव ( SUNITA YADAV) तथा रामदेव यादव (RAM DEV YADAV) अंकित हो गया है जो कि गलत है।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताये स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

कनकदीप यादव,  
पता-विशुनपुरा बुजुर्ग, पो0 सिसवा मनिराज,  
जनपद-कुशीनगर (उ0प्र0)।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम प्रगति पुत्री मनोज कुमार है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश उसके आधार कार्ड संख्या-3218 2833 1128 में उसका नाम ब्राह्मी लिख गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को प्रगति पुत्री मनोज कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताये स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

मनोज कुमार,  
निवासी-1076ए, शिव नगर कालोनी,  
अल्लापुर, प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम राजिश सिंह पुत्र रामस्वरूप है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0-9537 2168 1004 में मेरा नाम उमाशंकर अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरे सही नाम राजिश सिंह पुत्र रामस्वरूप के नाम से जाना व पहचाना जाए।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताये स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

राजिश सिंह,  
पता-करमपुर चौधरी,  
जनपद-बरेली, उत्तर प्रदेश।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स देवराज हास्पिटल, जी0टी0 रोड, हण्डिया प्रयागराज में पांच साझेदार डा0 श्री देवराज सिंह, डा0 श्री विजय कुमार सिंह, डा0 श्रीमती रेखा रघुवंशी, डा0 सिद्धार्थ सिंह एवं डा0 वेंकटेश सिंह थे। दिनांक 06 मार्च, 2025 को फर्म एक साझेदार डा0 देवराज सिंह फर्म से अलग हो गये है। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब चुकता हो चुका है एवं फर्म/साझेदारों पर कोई लेनदेन बकाया नहीं है। वर्तमान में फर्म में कुल चार साझेदार डा0 श्री विजय कुमार सिंह, डा0 श्रीमती रेखा रघुवंशी, डा0 सिद्धार्थ सिंह एवं डा0 वेंकटेश सिंह ही है। फर्म एवं साझेदारों के मध्य कोई विवाद नहीं है।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

डा0 विजय कुमार सिंह,  
साझेदार,  
मेसर्स देवराज हास्पिटल,  
जी0टी0 रोड, हण्डिया, प्रयागराज।

### सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म हण्डिया एग्रो सेन्टर, सिविल लाइन्स, हण्डिया प्रयागराज में पांच साझेदार श्री रजईभान, राजबहादुर सिंह श्री विजय प्रताप सिंह, सुरेन्द्र प्रताप सिंह एवं यशवन्त सिंह थे। साझेदार यशवन्त सिंह की मृत्यु दिनांक 27 अप्रैल, 2006, साझेदार श्री विजय प्रताप सिंह की मृत्यु दिनांक 22 मई, 2023 एवं साझेदार श्री रजईभान सिंह की मृत्यु दिनांक 27 फरवरी, 2024 को हो गयी। साझेदारों की रजामंदी से दिनांक 06 मार्च, 2025 को फर्म में दो नये साझेदार डा0 श्रीमती रेखा रघुवंशी, पत्नी डा0 श्री विजय कुमार सिंह एवं श्रीमती दीपा सिंह, पत्नी स्व0 मनोज कुमार सिंह फर्म में सम्मिलित हुई। वर्तमान में फर्म में कुल चार साझेदार राज बहादुर सिंह, पुत्र श्री अभयराज सिंह, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पुत्र श्री छविनाथ सिंह, डा0 श्रीमती रेखा रघुवंशी, पत्नी डा0 श्री विजय कुमार सिंह, एवं श्रीमती दीपा सिंह पत्नी स्व0 मनोज कुमार सिंह ही है। फर्म एवं साझेदारों के मध्य कोई विवाद नहीं है।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

राज बहादुर सिंह,  
साझेदार,  
हण्डिया एग्रो सेन्टर,  
सिविल लाइन्स, हण्डिया, प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माता का सही नाम रिकी जायसवाल है जो उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे हाईस्कूल के अंक प्रमाण पत्र (अनुक्रमांक 23162557) में मेरी माता का नाम पिकी जायसवाल अंकित हो गया है जो कि गलत हैं।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

श्रेया जायसवाल,  
चौरी-चौरा, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे पुत्र का सही नाम पार्थ पाण्डेय पुत्र गणेश दत्त पाण्डेय है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या-2664 9229 6374 में उसका नाम विनायक पाण्डेय अंकित हो गया है। जो कि घरेलू नाम है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम पार्थ पाण्डेय पुत्र गणेश दत्त पाण्डेय के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

वन्दना देवी,  
पत्नी गणेश दत्त पाण्डेय,  
पता-ग्राम पो0-मण्डौर,  
तहसील-मऊ, जिला-चित्रकूट,  
उत्तर प्रदेश।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम अनुष्का पाण्डेय पुत्री गणेश दत्त पाण्डेय है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड संख्या-8267 9359 2641 में उसका नाम वंशिका पाण्डेय अंकित हो गया है। जो कि घरेलू नाम है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम अनुष्का पाण्डेय पुत्री गणेश दत्त पाण्डेय के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

वन्दना देवी,  
पत्नी गणेश दत्त पाण्डेय,  
पता-ग्राम पो0-मण्डार,  
तहसील-मऊ, जिला-चित्रकूट,  
उत्तर प्रदेश।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता का सही नाम लियाकत अली (LIYAKAT ALI) है, जो कि मेरे पिता के आधार कार्ड व वोटर कार्ड पर अंकित है, त्रुटिवश मेरे हाई स्कूल (अनुक्रमांक-5096763) के ग्रेड शीट सह निष्पादन प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम LALYAHAN ALI अंकित हो गया है जो कि गलत है।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

आबिद अली,  
पुत्र लियाकत अली,  
पठान टोला, पश्चिमी खलीलाबाद,  
संतकबीर नगर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माता का नाम रिक्ता सेन है जो कि उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे

हाई स्कूल के अंक प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 23102131 सन् 2020 में मेरी माता का नाम रिक्ता दास अंकित हो गया है जो कि गलत है। जब कि मेरी माता का नाम रिक्ता सेन है।

सृष्टि दास, पुत्री संजीव कुमार दास,  
निवासी-290 राबीपुर बहाउददीनपुर,  
तहसील-अकबरपुर, जनपद-अम्बेडकरनगर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम शोमेन्द्र राय (Shoumendra Roy) पुत्र श्री मानवेन्द्र नाथ राय है, जो कि मेरे आधार कार्ड, शैक्षणिक अभिलेख, पैन कार्ड में अंकित है। त्रुटिवश मेरे शेयर सर्टिफिकेट जिसमें क्रमशः ऑरोबिन्दो फार्मा लि0, बन्धन बैंक लि0, रिलायन्स पावर लि0 व स्टेट बैंक आफ इण्डिया जो कि स्टाक होल्डिंग कार्पोरेशन आफ इण्डिया में Client ID No. 21317571 से संचालित है, में शोमेन्द्र नाथ राय (Shoumendra Nath Roy) अंकित हो गया है, जो कि गलत है। यह कि उपरोक्त दोनों नाम मेरा ही है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम शोमेन्द्र राय (Shoumendra Roy) पुत्र श्री मानवेन्द्र नाथ राय के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

शोमेन्द्र राय,  
पुत्र श्री मानवेन्द्र नाथ राय,  
पता-फ्लैट नं0 202बी2/259, साधुबेला  
अपार्टमेन्ट, लेन नं0 14, भदौनी,  
रविन्द्रपुरी, वाराणसी।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम शिवांश पाण्डेय पुत्र विवेक कुमार पाण्डेय है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0-7149 6472 1157 में उसका नाम रुद्राक्ष पाण्डेय अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में पुत्र को उसके सही नाम शिवांश



पाण्डेय पुत्र विवेक कुमार पाण्डेय के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतद्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

विवेक कुमार पाण्डेय,  
पता—किरतारतारा, पोस्ट-बीरशाहपुर,  
जिला-मीरजापुर।

6 साझेदार है— (1) श्रीमती अल्का सिंघल (2) श्रीमती अंशिका सिंघल (3) श्रीमती प्रज्ञा अग्रवाल (4) श्रीमती खुशबू अग्रवाल (5) श्रीमती अंशिका अग्रवाल (6) श्री विपिन सिंघल उक्त सभी साझेदार संयुक्त रूप से M/s कीर्तिकुंज इंफ्रा, का संचालन कर रहे हैं।

श्रीमती अल्का सिंघल,  
साझेदार,  
M/s कीर्तिकुंज इंफ्रा, 3/20/188D,  
नहरबाग, अयोध्या।

## सूचना

यह सूचित किया जाता है कि M/s कीर्तिकुंज इंफ्रा, 3/20/188D, नहरबाग, अयोध्या, जिसका रजिस्टर्ड पंजीकरण संख्या FAI/0014392 है, दिनांक 21 फरवरी, 2023 को पंजीकृत किया गया था। जिसमें 8 साझेदार (1) श्रीमती अल्का सिंघल पुत्री बृज नारायण तुलस्यान, निवासी-6/2/87, सिंघल सदन, राजेंद्र नगर कॉलोनी, कोठा पारचा, फैजाबाद, (2) श्रीमती अंशिका सिंघल पुत्री जगदीश चमड़िया, निवासी-6/2/87, सिंघल सदन, राजेंद्र नगर कॉलोनी, कोठा पारचा, फैजाबाद, (3) श्रीमती प्रज्ञा अग्रवाल पुत्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता, निवासी-626, पुरानी सब्जी मंडी, फैजाबाद (4) श्रीमती खुशबू अग्रवाल पुत्री शिव शंकर गोयल, निवासी-8/8/94, दालमंडी, फतेहगंज, फैजाबाद, (5) श्रीमती संगीता सिंघल पुत्री राधेश्याम अग्रवाल, निवासी-1191, ऋषि टोला, फैजाबाद (6) श्रीमती रेनू सिंघल पुत्री द्वारिका प्रसाद गोयल, निवासी-5/2/226B, साहेबगंज, फैजाबाद (7) श्रीमती सौम्या सिंघल पुत्री रतनचन्द्र 9/1/120 भवन, ऋषि टोला, फैजाबाद व (8) श्रीमती अंशिका अग्रवाल पुत्री बसंत कुमार, निवासी-626,6/91/11, पुरानी सब्जी मंडी फैजाबाद, मिलकर फर्म को संचालित कर रहे थे। दिनांक 03 अगस्त, 2023 को (1) श्रीमती संगीता सिंघल (2) श्रीमती रेनू सिंघल व (3) श्रीमती सौम्या सिंघल अपनी स्वेच्छा से फर्म से निकल गयी है। इनका फर्म से कोई लेन-देन शेष नहीं है। दिनांक 03 अगस्त, 2023 को एक नये साझेदार विपिन सिंघल पुत्र नरेंद्र सिंघल निवासी-9/1/129, सरस्वती भवन, ऋषि टोला, फैजाबाद, फर्म में सम्मिलित हुए। वर्तमान में फर्म में कुल

## सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम सूर्यनाथ यादव पुत्र हरिकिशन यादव है, जो मेरे खतौनी, परिवार रजिस्टर तथा उपजिलाधिकारी द्वारा जाँच रिपोर्ट में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0-6986 4902 3927 में मेरा नाम सूरज अंकित हो गया है, जो मेरा घरेलू नाम है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम सूर्यनाथ यादव पुत्र हरिकिशन यादव के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

सूर्यनाथ यादव,  
पुत्र हरिकिशन यादव,  
ग्राम-कोलकला, पोस्ट-विसौली,  
थाना-सहतवार, तहसील-बाँसडीह,  
जिला-बलिया (उ0प्र0)।

## सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माता जी का सही नाम सिलमा सिंह (SILAMA SINGH) जो उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं हाई स्कूल अंकपत्र में अंकित है। त्रुटिवश मेरे हाईस्कूल अंकपत्र अनुक्रमांक 5159884 सन 2014 एवं इण्टरमीडिएट के अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 5629530 वर्ष 2016 में माता का नाम सीमा सिंह (SEEMA SINGH) अंकित हो गया है जो कि गलत है।

एतद् द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

अभिषेक कुँवर सिंह,  
बी-61 वैदेही नगर कालोनी,  
साहबगंज, अयोध्या।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम मैत्रीका गुप्ता पुत्री सतीश कुमार गुप्ता है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में भी अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड संख्या 6677 1517 6309 में उसका नाम कुमारी मैत्रीका अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम मैत्रीका गुप्ता पुत्री सतीश कुमार गुप्ता के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

सतीश कुमार गुप्ता,  
पता-121/5डी, महावीरपुरी,  
तेलियरगंज, प्रयागराज उ0प्र0।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम मालती देवी पत्नी बाबादीन है। जो मेरे बैंक पासबुक, आधार कार्ड व पैन कार्ड में अंकित है। त्रुटिवश एल0आई0सी0 पॉलिसी सं0 238459181 में मेरा नाम गेंदा देवी अंकित हो गया है जोकि मेरा घरेलू नाम हैं। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम मालती देवी पत्नी बाबादीन के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद् द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

मालती देवी, पत्नी बाबादीन,  
निवासिनी-66 गौरी, अमरौंधा,  
कानपुर देहात।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम दिविशा गुप्ता पुत्री दिलीप कुमार गुप्ता है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में भी अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड संख्या 5215 1927 4346 में उसका नाम वैष्णवी गुप्ता अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम दिविशा गुप्ता पुत्री दिलीप कुमार गुप्ता के नाम से जाना व पहचाना जाय।

दिलीप कुमार गुप्ता, पुत्र गनेश प्रसाद  
निवासी म0नं0 एस-6/108-108-ए-डी  
गोलघर कचहरी, वाराणसी।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स श्री सत्य साईं एसोसिएट्स पता-एम0पी0 एल0 नं0 2सी/3591 पार्ट, गिल कालोनी, कोर्ट रोड सहारनपुर उ0प्र0-247001 जिसकी पंजीकरण सं0 SAH/0013301 दिनांक 12.10.2022 उक्त फर्म में राहुल बाटला पुत्र श्री मोहन लाल बाटला निवासी शिव मन्दिर बजर काला रामपुर सहारनपुर उ0प्र0-247001, श्रीमती नमिता गाबा पत्नी श्री सुशील गाबा, निवासी 70ए, प्रेम वाटिका, सहारनपुर उ0प्र0-247001, श्रीमती रुचि अरोरा पुत्री श्री सतपाल सिंह ठकराल निवासी 2बी/369 /8-23, मिशन कम्पाउन्ड, सहारनपुर उ0प्र0-247001, श्रीमती अंजू चावला पुत्री श्री रमेशचन्द तनेजा निवासी सी-78 बसन्त विहार, दिल्ली रोड, सहारनपुर उ0प्र0-247001, व श्रीमती मोनिका नारंग पुत्री श्री मनोहर लाल निवासी 2बी/369/8-23, मिशन कम्पाउन्ड, सहारनपुर उ0प्र0-247001, पार्टनर थे, जिसमें तीन पार्टनर श्रीमती रुचि अरोरा पुत्री श्री सतपाल सिंह ठकराल, श्रीमती अंजू चावला पुत्री श्री रमेशचन्द तनेजा, श्रीमती मोनिका नारंग पुत्री श्री मनोहर लाल दिनांक 19.11.2024 को फर्म से स्वेच्छा से निकल गये हैं और श्रीमती गीता अरोरा पत्नी श्री संजय अरोरा, निवासी म0नं0 बी-19 मॉडल टाउन, खेमका, सेवा सदन रोड मिशन कम्पाउन्ड, सहारनपुर उ0प्र0-247001, फर्म में सम्मिलित हुये हैं, अब फर्म में तीन साझेदार क्रमशः श्री

राहुल बाटला श्रीमती नमिता गाबा व 3—श्रीमती गीता  
अरोरा साझीदार है, फर्म में कोई विवाद नहीं है।

राहुल बाटला,  
पार्टनर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम स्नेहा ओमर बालिग पुत्री कैलाश बाबू ओमर है। जो मेरे शैक्षिक अभिलेखों व आधार कार्ड में अंकित है। त्रुटिवश पॉलिसी सं0 233232151 में मेरा नाम वर्षा अंकित हो गया है। जो कि मेरा घरेलू नाम हैं भविष्य में मुझे मेरे सही नाम स्नेहा ओमर बालिग पुत्री कैलाश बाबू ओमर के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद् द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

स्नेहा ओमर बालिग, पुत्री कैलाश बाबू ओमर,  
निवासी—विद्यार्थी नगर, नगर पालिका रोड,  
पुखराया, कानपुर देहात।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स अविरल विट्ठल शॉपिंग मॉल गनेशी लाल ओमर मार्केट टाकीज रोड, घाटमपुर कानपुर नगर उ0प्र0 209206 का पंजीयन दिनांक 22.06.2023 पंजीकरण सं0 KAP/0015479 पर पंजीकृत है। फर्म की भागीदारी डीड दिनांक 25.07.2022 के अनुसार श्री उज्जवल गुप्ता, श्रीमती नीलम ओमर व श्रीमती गीताजंलि गुप्ता साझीदार थे। संशोधित भागीदारी डीड दिनांक 25.05.2024 के अनुसार पूर्व साझीदार श्रीमती नीलम ओमर पति श्री हरि कृष्ण ओमर निवासी गौधी नगर घाटमपुर अपनी स्वेच्छा से पृथक हो गयी है और फर्म में श्रीमती कमलनी जायसवाल को शामिल कर लिया गया है। वर्तमान में श्री उज्जवल गुप्ता, श्रीमती कमलनी जायसवाल व श्रीमती गीताजंलि गुप्ता साझीदार है।

उज्जवल गुप्ता,  
पार्टनर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम आराध्या सिंह पुत्री विशाल कुमार सिंह है। जो कि उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0 8511 3418 8754 में उसका नाम ख्याति सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम आराध्या सिंह पुत्री विशाल कुमार सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद् द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

विशाल कुमार सिंह,  
पता—8ए/3डी/1 करामत की चौकी  
आजाद नगर अमेटी स्कूल, दामपुर,  
जी0टी0बी0 नगर, प्रयागराज, उ0प्र0।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स भारत इण्टरप्राइजेज, 4 किमी0 स्टोन, रुड़की रोड, अपोजिट ए0आई0यू0 मेडिकल कालेज, मुजफ्फरनगर का रजिस्ट्रेशन कार्यालय निबंधक फर्म सोसायटी एवं चिट्स सहारनपुर क्षेत्र सहारनपुर से दिनांक 30.05.2016 को हुआ था। रजिस्ट्रेशन के बाद फिर फर्म में फार्म नं0 7 दिनांक 20.01.2022 को पंजीकृत हुआ। जिसके अनुसार फर्म में फलक नाज, हारून खलील, अब्दुल्ला पार्टनर रह गये है। पार्टनरशीप डीड 20.03.2025 के अनुसार फर्म से फलक नाज रिटायर हो गयी इस प्रकार अब वर्तमान में फर्म में हारून खलील, अब्दुल्ला पार्टनर रह गये है

हारून खलील,  
पार्टनर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स शिव शक्ति इन्फ्रा, खसरा नं0—74 शॉप नं0 बी—6, बेसमेन्ट शिव सुपर मार्केट, मौजा दहतोरा जिला आगरा में स्थित है। उपरोक्त फर्म में श्री नरेन्द्र कुमार, निशा, श्री सुनील कुमार कनौजिया हम सभी साझेदारों ने अपनी

फर्म दिनांक 13.03.2024 को संचालन की थी। आज दिनांक 29.03.2025 को अपनी स्वेच्छा से हम सभी साझेदारों ने फर्म को विघटित कर दिया है। फर्म पर किसी भी प्रकार की कोई लेनदारी या देनदारी बकाया नहीं है और न ही हम सभी साझेदारों में कोई मतभेद है।

नरेन्द्र कुमार,  
साझेदार।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स गौरी कन्स्ट्रक्शन, 98ए, कलाकुंज, मारुति स्टेट, बोदला रोड आगरा में स्थित है। उपरोक्त फर्म में श्री शिव कुमार लवानियां निवासी मारुति स्टेट, बोदला रोड, आगरा एवं श्री राजेश कुमार गोयल निवासी वसुन्धरा गाजियाबाद हम दोनों साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक 23.01.2019 को संचालन की थी। दिनांक 08.04.2025 से श्री राजेश कुमार गोयल फर्म से पृथक हो गये हैं। अब इनका फर्म से कोई लेन देन बकाया नहीं है। अब फर्म को श्री शिव कुमार लवानियां प्रोपराइटरशिप के रूप में संचालित करेंगे।

शिव कुमार लवानियां,  
प्रोपराइटरशिप।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम SAVYA SACHI PANDEY पुत्र SIDDHARTH PANDEY है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0 5347 3002 5822 में मेरा नाम SAVYASACHI PANDEY अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम SAVYA SACHI PANDEY पुत्र SIDDHARTH PANDEY के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

सव्य साची पाण्डेय पुत्र सिद्धार्थ पाण्डेय,  
निवासी-5ए/3ई मालवीय रोड,  
जार्जटाउन, प्रयागराज, उ0प्र0।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम निकुंज सिंह पुत्र रवि कान्त सिंह है। जो कि उसके शैक्षिक अभिलेख, में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0 7241 0654 9966 में उसका नाम अलख सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्र को उसके सही नाम निकुंज सिंह पुत्र रवि कान्त सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

रवि कान्त सिंह,  
146/80 कच्ची सड़क,  
दारागंज, प्रयागराज।

### NOTICE

The public is informed that the correct name of my son is AVICHAL KESHARVANI son of HARISHWAR KESHARVANI and POOJA. Which is inscribed in its AADHAAR CARD No. 4658 6603 3399. Erroneously in his educational records Avichal Kesharwani son of Harishwar Kesharwani and Pooja Kesharwani which is incorrect. In future, my son should be known and identified as AVICHAL KESHARVANI son of HARISHWAR KESHARVANI and POOJA.

It is hereby certified that all the legal formalities regarding the above amendment have been completed by me myself.

Harishwar Kesharvani,  
10 Triveni Road Krishna Nagar, Kydganj,  
Prayagraj.

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मेसर्स दयाल जी इण्डस्ट्रीज 14/396, आर्यनगर, फिरोजाबाद में परिवर्तन की सूचना इस प्रकार है—

दिनांक 15.01.2025 को श्री बाल किशन विज पुत्र श्री जगन्नाथ विज निवासी 127/यू/293 निराला नगर फ्लैट नं0 6 रतनदीप अपार्टमेन्ट फेस-1 जूही कॉलोनी कानपुर नगर अपनी स्वेच्छा से फर्म की भागीदारी से पृथक हुये उक्त फर्म का संचालन दिनांक 16.01.2025 से भागीदार श्री ओंकार नाथ विज, श्रीमती रीना विज द्वारा किया जायेगा।

ओंकार नाथ विज,  
साझेदार,  
मेसर्स दयाल जी इण्डस्ट्रीज,  
14/396, आर्यनगर, फिरोजाबाद।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम यमुना देवी पत्नी अरविन्द कुमार है, जो मेरे बैंक पास बुक, एस0डी0एम0 जॉच रिपोर्ट व परिवार तालिका में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड संख्या-7018 1208 6742 में मेरा नाम जुमुनी देवी अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम यमुना देवी पत्नी श्री अरविन्द कुमार के नाम से जाना पहचाना जाय।

एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

यमुना देवी,  
पत्नी अरविन्द कुमार,  
ग्राम-देवली, पोस्ट-देवली,  
थाना-फूलपुर, प्रयागराज।